राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | जमाबंदियों के शुद्धीकरण के लिए 45 दिन तक ...

एक माह के भीतर सभी भूमिहीन गरीब परिवारों को... | 09

वर्ष : 14 | अंक : 154 | पटना, शनिवार, 12 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन : प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम को किया संबोधित

भारत ने 2014 से अब तक लगभग 40 देशों के साथ किए मुक्त व्यापार समझौते : मोदी

पीएम बोले- भारत का दृष्टिकोण व्यापारिक बाधाओं को कम करने और कारोबार के लिए नए अवसरों का विस्तार करने पर केंद्रित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स आज वैश्विक अर्थव्यवस्था, नवाचार और व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है और पिछले 12 वर्षों में भारत ने इसी मंत्र को अपनी आर्थिक और व्यापारिक नीतियों का आधार बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिजनेस फोरम में मौजूद सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा, आप सभी का ब्रिक्स बिजनेस फोरम में हार्दिक स्वागत है। इस वर्ष हम ब्रिक्स के 20 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। जब 2006 में इस समूह की शुरूआत हुई थी, तब इसमें केवल चार देश शामिल थे। आज ब्रिक्स सदस्यों और साझेदार देशों को मिलाकर हमारा परिवार बढ़कर 21 देशों का हो गया है। उन्होंने कहा कि आज ब्रिक्स देशों का समूह दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और 25 प्रतिशत से अधिक वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो दशकों में जहां वैश्विक जीडीपी लगभग ढाई गुना बढ़ी है, वहीं ब्रिक्स देशों की संयुक्त जीडीपी लगभग साढ़े चार गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है कि ब्रिक्स की आर्थिक ताकत दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देश वैश्विक नवाचार और समाधान के प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर की पहलों से लेकर अत्याधुनिक तकनीकों तक, ब्रिक्स देशों में नवाचार की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का बढ़ता दायरा, उसकी गति और उसके प्रति आशावाद स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की मेजबानी में आयोजित यह ब्रिक्स बिजनेस फोरम अब तक का सबसे बड़ा बिजनेस फोरम है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की प्राथमिकताओं पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लचीलापन के तहत भारत ने ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है। उन्होंने कहा कि इसी मजबूती का परिणाम है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत आज विकास और स्थिरता का भरोसा देता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से अपनी सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डा अवसंरचना का विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही देश जहाज निर्माण, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, क्रिटिकल मिनरल्स और बायोटेक्नोलॉजी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नई क्षमताओं का निर्माण कर रहा है। उन्होंने डिजिटल अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने वित्तीय समावेशन और बड़े पैमाने पर डिजिटल लेनदेन को नई गति दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया के 50 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल भुगतान यूपीआई तकनीक के माध्यम से हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में व्यापारिक बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक पुल बनाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक भारत ने लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण व्यापारिक बाधाओं को कम करने और कारोबार के लिए नए अवसरों का विस्तार करने पर केंद्रित है।

इसी उद्देश्य से भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान कृषि, स्वास्थ्य, कौशल विकास और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में नए सहयोग नेटवर्क स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बाजार और वित्तीय संसाधनों से जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड जैसी पहल शुरू की गई हैं। उन्होंने बिजनेस फोरम में मौजूद उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से इन सहयोगी मंचों का उपयोग कर ब्रिक्स देशों के बीच निवेश और प्रतिभा के आदान-प्रदान को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अहम बैठक द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले अहम द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ पश्चिम एशिया और ब्लैक सी क्षेत्र में जारी संघर्षों पर भी चर्चा की। बैठक की शुरूआत दोनों नेताओं के गर्मजोशी से गले मिलने के साथ हुई। यह इस वर्ष उनकी दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों नेता 31 अगस्त को बिश्केक में आयोजित 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन के इतर मिले थे। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को महान तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर द्वारा रचित तिरुक्कुरल का रूसी भाषा में अनूदित संस्करण भेंट किया। इस ग्रंथ में कृषि और किसानों से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत विचार प्रस्तुत किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, गतिशीलता और जन-से-जन संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में रेल क्षेत्र और सुरंग निर्माण में औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, इस्पात मूल्य श्रृंखला विकसित करने, बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) अवसरों का विस्तार करने और रूसी बाजार तक भारतीय कंपनियों की पहुंच बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग, ईंधन चक्र और लाइफ-साइकिल समर्थन, रूस में भारतीय कुशल श्रमिकों की संख्या बढ़ाने, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और उर्वरक क्षेत्र में रणनीतिक संयुक्त उपक्रमों के जरिए साझेदारी मजबूत करने जैसे मुद्दे भी वार्ता का हिस्सा रहे।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में आयोजति 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने उनका स्वागत किया। उनकी यह यात्रा बहुपक्षवाद और वैश्विक सहयोग के प्रति ब्रिक्स देशों की साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर उनके आगमन की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय ने पोस्ट किया, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में हार्दिक स्वागत है। यह यात्रा इस बात को फिर से मजबूत करती है कि ब्रिक्स देशों की बहुपक्षवाद, आपसी संवाद और सहयोग में गहरी आस्था है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के अनुसार, इस यात्रा के दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होने की उम्मीद है। यह इस साल गुटेरेस की भारत की दूसरी यात्रा है और संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भारत का पांचवां दौरा होगा।

संक्षिप्त खबरें

भारत-रूस संबंधों की बुनियाद नेहरू के समय पड़ी थी : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत-रूस संबंधों को देश की विकास यात्रा का अहम हिस्सा बताते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अपना प्रचार के करने के बावजूद सच यही है कि दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत नींव तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के दौर में पड़ी थी तथा 1950 से 1980 के दशक के बीच इसे और मजबूती मिली। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की द्विपक्षीय बैठक के बीच यह भी कहा कि सोवियत संघ 1950 के दशक में शुरू हुई भारत की विकास यात्रा में एक अमूल्य साझेदार रहा और उसने इस्पात, भारी इंजीनियरिंग, खनन, बिजली, तेल एवं गैस, रसायन, रक्षा, अंतरिक्ष तथा परमाणु उद्योग जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, यह सहयोग नेहरू की जुलाई 1955 में सोवियत संघ की 16 दिवसीय यात्रा और उसके बाद सोवियत नेताओं निकोलाई बुल्गानिन तथा निकिता ख्रुश्चेव की नवंबर-दिसंबर 1955 में भारत की 20 दिवसीय यात्रा के बाद और मजबूत हुआ।

आईआरसीटीसी होटल घोटाला: लालू-राबड़ी और तेजस्वी पर आरोप तय करने का आदेश

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के तहत जांच शुरू की थी। यह जांच सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की गई थी।

सीबीआई ने तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, पीसी गुप्ता और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।जांच में सामने आया कि लालू प्रसाद यादव ने रेल मंत्री रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया था। उन्होंने पुरी और रांची के रेलवे होटलों का ठेका मैसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड को दे दिया था। इसके बदले में 2 एकड़ जमीन को कम कीमत पर मैसर्स डिलाइट मार्केटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर करने की डील हुई थी। यह कंपनी लालू यादव के करीबी सहयोगी प्रेम चंद गुप्ता के परिवार के नियंत्रण वाली थी। बाद में इस जमीन और कंपनी का नियंत्रण नाममात्र की कीमत पर शेयर खरीद के जरिए राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को ट्रांसफर कर दिया गया, जिससे प्रभावी रूप से जमीन का मालिकाना हक यादव परिवार के पास आ गया।

ईडी ने पीएमएलए की धारा 5 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए 44 करोड़ 75 लाख रुपए की संपत्तियों को जब्त किया था, जिसे बाद में निर्णायक प्राधिकरण ने सही ठहराया था। ईडी ने इस मामले में 24 अगस्त 2018 को राऊज एवेन्यू कोर्ट, दिल्ली के स्पेशल जज (पीसी एक्ट) सीबीआई (एमपी/एमएलए केस) के सामने अभियोजन शिकायत दर्ज की थी। अब कोर्ट ने राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव, लालू प्रसाद यादव और 6 अन्य आरोपियों के खिलाफ पीएमएलए की धारा 3 के साथ धारा 4 के तहत आरोप तय करने का निर्देश

राज्य के 15 जिले में 47.33 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

- 12 हजार 260 शरणार्थियों के लिए ठहराव के पुख्ता इंतजाम

प्रात : किरण

पटना। बाढ़ की चपेट में राज्य के 15 जिले आ चुके हैं। इससे अभी तक 47.33 लाख आबादी प्रभावित हुई है। बाढ़ के प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकार के स्तर से प्रभावित 566 ग्राम पंचायतों में युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग युद्धस्तर पर जुटा हुआ है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बाढ़ग्रस्त इलाकों में भोजन, ड्राई राशन पैकेट, पशुचारा, बच्चों के लिए पीने का दूध, मरीजों की दवा आदि के वितरण के दायरे में तेजी से विस्तार किया गया है। बिहार के बाढ़ प्रभावित जिलों में राजधानी पटना के साथ भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा एवं अलवल शामिल है। इन जिलों में बाढ़ प्रबंधन की दिशा में 1 हजार 221 कम्युनिटी किचन के सहारे अब तक 59 लाख 73 हजार प्रभावित लोगों को भोजन कराया जा चुका है। विभाग के अनुसार, आपदा के प्रकोप से जूझ रहे लोगों की सहूलियत में राज्य में 1876 सरकारी नावों का संचालन हो रहा है और 10 हजार 823 क्विंटल पशुचारा वितरण के माध्यम से प्रभावित इलाकों में मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि राहत एवं त्वरित बचाव कार्यों के लिए विभिन्न जिलों में एसडीआरएफ की 27 और एनडीआरएफ की 10 टीमें तैनात हैं। इधर, कई नदियों के जलस्तर स्थिर रहने या घटने की वजह से राहत की उम्मीद भी जगी है। हालांकि वाल्मीकिनगर बराज के पास गंडक और वीरपुर बराज के पास कोसी नदी के जलस्तर में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, इंद्रपुरी बराज पर सोन नदी का जलस्तर लगातार घट रहा है। डुमरिया घाट पर गंडक, बलतारा और कुसेर्ला में कोसी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक, पटना के दीघा, गांधीघाट, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव एवं मुंगेर में गंगा, श्रीपालपुर में पुनपुन, बेनीबाद में बागमती, दरौली एवं गंगपुर सिसवन में घाघरा आदि नदियां खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही हैं। विभाग स्थिति की नियमित नजर बनाए हुए है।

भारत में वैश्विक नेताओं का स्वागत, हम मिलकर उज्ज्वल भविष्य का करेंगे निर्माण : शाह

प्रात : किरण

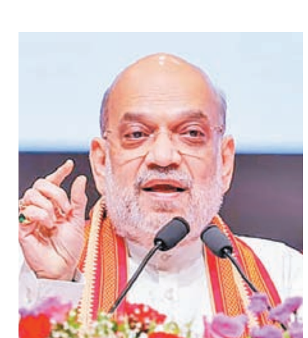

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली में होने वाले हाई-प्रोफाइल ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए आ रहे वैश्विक नेताओं का स्वागत किया। यह सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी में 12-13 सितंबर को आयोजित हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स समिट पर दुनिया भर की मीडिया की नजर है, क्योंकि जीडीपी के आंकड़े और आर्थिक गतिविधियां पश्चिम से दक्षिण एशिया की ओर बढ़ रही हैं। इस समिट में दुनिया भर के नेता सदस्य देशों के बीच सहयोग और तालमेल बढ़ाने और बेहतर दुनिया के लिए समृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगे। गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ब्रिक्स 2026 के लिए मंच तैयार है! उन्होंने दो दिन तक चलने वाले इस ग्लोबल समिट की मेजबानी के लिए तैयार सजा-धजा भारत मंडपम का एक वीडियो भी शेयर किया। गृह मंत्री शाह ने आगे लिखा, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते, भारत ग्लोबल नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत करता है ताकि हम अपने संबंधों को मजबूत करने, सहयोग बढ़ाने और बेहतर दुनिया के लिए साझा समृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा कर सकें और कदम उठा सकें। हम सब मिलकर एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। दो दिन तक चलने वाले इस समिट में दुनिया से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ग्यारह उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (ब्राजील, चीन, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, भारत, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और यूएई) एक मंच पर आ रही हैं।

देश में फरवरी से राजमार्गों पर शुरू हो जाएंगे बैरियर-फ्री टोल : गडकरी

प्रात : किरण

मुंबई/एजेंसी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में फरवरी से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैंरियर-फ्री टोल शुरू हो जाएंगे। इससे वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार अब फास्टैग को गाड़ी की नंबर-प्लेट पहचानने वाली तकनीक के साथ जोड़ने पर विचार कर रही है। वे टोल वसूलने के ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ रहे हैं जो ज्यादा टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा और जिससे टोल कलेक्शन में भी काफी बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा, हम ऐसा टोल सिस्टम लागू करेंगे, जिनमें नंबर प्लेट और फास्टैग दोनों का इस्तेमाल होगा, उससे टोल आय में सालाना 10,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि फास्टैग लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर इंतजार का समय, जो कभी 12 मिनट और कुछ मामलों में 30 मिनट तक होता था, अब 80-90 प्रतिशत तक कम हो गया है। सरकार अब बाकी बची देरी को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सिस्टम से फास्टैग डेटा और गाड़ियों की नंबर प्लेट, दोनों का इस्तेमाल करके टोल कलेक्शन को मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे टोल वाले रास्तों पर गाड़ियों की पहचान और ट्रैकिंग बेहतर होगी।

29 जिलों में बनेंगे वज्रगृह-परीक्षा भवन 33.07 करोड़ रुपए होंगे खर्च

- प्रथम चरण में 12 जिलों को मिली प्रशासनिक स्वीकृति
- परीक्षा संबंधी प्रश्न-पत्र एवं आवश्यक सामग्री के सुरक्षित भंडारण तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्था होगी सुदृढ़

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा राज्य के 29 जिलों में प्रस्तावित वज्रगृह / परीक्षा भवनों के निर्माण कार्य को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इन जिलों में एक से डेढ़ एकड़ भूमि पर वज्रगृह / परीक्षा भवनों के निर्माण के लिए तकनीकी अनुमोदित प्राक्कलन के आधार पर प्रथम चरण में 12 जिलों में प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। वज्रगृह / परीक्षा भवनों के निर्माण से संबंधित आधारभूत संरचना मजबूत होगी तथा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री के सुरक्षित भंडारण तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। यह कदाचार मुक्त परीक्षा आयोजित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।ज्ञातव्य है कि राज्य के 29 जिलों में प्रस्तावित वजगृह / परीक्षा भवनों के निर्माण के लिए लगभग 33.07 करोड़ रुपए की प्राक्कलित राशि का प्रावधान किया गया है। प्रथम चरण में 12 स्थानों पर वज्रगृह / परीक्षा भवन निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इनमें शंकर उच्च माध्यमिक विद्यालय (+2) विद्यालय तकिया, सासाराम (रोहतास), +2 ढ़ेरनाथ महादेव उच्च विद्यालय, शरमा, रामगढ़ चौक, लखीसराय, राजकीय बुनियादी विद्यालय, विष्णुपुर, बेगूसराय, मध्य विद्यालय, बरियारपुर, डुमरा, सीतामढ़ी, पीएम जिला स्कूल, मोतिहारी, पूर्वी चंपारण, आदर्श उच्च विद्यालय, सराय, भगवानपुर, वैशाली, उमवि, रतवार, भभुआ (कैमूर), आरडीएस० +2 विद्यालय, राजगीर, नालंदा, +2 उच्च विद्यालय, जमुई बाजार, जमुई, दर्शन साह महाविद्यालय, कटिहार, कन्हाई इंटर विद्यालय, नवादा एवं भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा परिसर शामिल है।

सहयोग — बिहार में सामाजिक विज्ञान शोध को मिलेगा वैश्विक सहयोग, मुख्यमंत्री ने स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन के सहयोग

बिहार पुन: ज्ञान और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान को और सशक्त करेगा : सम्राट

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से आज लोक सेवक आवास स्थित संकल्प में स्विट्जरलैंड की प्रतिष्ठित संस्था स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन के पूर्व प्रतिनिधि प्रोफेसर मैक्स बर्गमैन और डॉ जीनेथ बर्गमैन और काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के सदस्य सचिव प्रो धनंजय सिंह तथा विधान पार्षद नीरज कुमार ने शिष्टाचार मुलाकात की।इस अवसर पर स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के प्रतिनिधियों ने बिहार में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने राज्य में शोध संस्कृति को मजबूत बनाने, अकादमिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नए अनुसंधान अवसर विकसित करने के लिए बिहार सरकार के साथ मिलकर कार्य करने में रुचि दिखाई।स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन वर्तमान में भारत में डिजिटल गवर्नेंस, स्पेस साइंस, आपदा प्रबंधन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध और अनुसंधान की आज के समय में अत्यंत आवश्यकता है। इसके माध्यम से समाज की वास्तविक जरूरतों को समझने, जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करने तथा नीति निर्माण को मजबूत आधार प्रदान करने में सहायता मिलती है।

मुख्यमंत्री ने दोनों संस्थाओं के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा कि बिहार के शैक्षणिक उन्नयन, कौशल विकास और अनुसंधान संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर नई शोध पद्धतियों को विकसित किया जा सकेगा, जिससे राज्य के शैक्षणिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद को बिहार में शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार के लिए आमंत्रित करते हुए विश्वास जताया कि इस सहयोग से विकसित भारत और समृद्ध बिहार के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक स्तर की संस्थाओं का सहयोग बिहार को प्राप्त होता है तो राज्य में चल रहे शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी प्रयासों के और बेहतर परिणाम सामने आएंगे तथा बिहार पुनः ज्ञान और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान को और सशक्त करेगा।

संक्षिप्त खबरें

7वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए लेफ्टिनेंट कामेश्वर पासवान

बिक्रम :- प्रखंड के पैनापुर में लेफ्टिनेंट कामेश्वर पासवान की 7वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने उन्हें याद किया। नम आंखों से लोगों ने लेफ्टिनेंट के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके शौर्य व पराक्रम की चर्चा की। पैनापुर स्थित उनके पैतृक आवास पर लेफ्टिनेंट कामेश्वर पासवान की स्मृति को समर्पित श्रद्धांजलि समारोह में पहले हवन-पूजन हुआ। पासवान विकास मंच के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट पासवान की पत्नी बेदामी देवी, पुत्र सह झारखंड सरकार के अधिशासी अभियंता ई जीतेंद्र पासवान, ई अमरेंद्र कुमार, अधिवक्ता मीरा रानी, सोनी कुमारी, ईशा रानी, रागी रानी, आशी रानी, ज्ञांती कुमारी, बैजन्ती कुमारी, दीपक, मनीष, रोहित, रौशन, रजनीश, शारदा पासवान, अखिलेश, मिथलेश, भीम, उपेन्द्र, सुजीत, रिंकू, पिंकू, प्रियांशु, शिवा, युवराज, साहिल व साहुल सहित अन्य उपस्थित रहे।

कच्ची दरगाह घाट के पास 60 लीटर देशी शराब बरामद, बाइक जब्त

फतुहा। शुक्रवार को नदी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कच्ची दरगाह घाट के पास रूस्तमपुर दियारा क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल पर लदी करीब 60 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की। पुलिस ने शराब के परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल रजि. नं. इफ01इव2004 को जब्त कर लिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अवैध पिस्टल एवं दो गोली के साथ युवक धराया

दानापुर । थाना क्षेत्र के अंतर्गत अपराध नियंत्रण को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार चल रहे समकालीन अभियान के दौरान दानापुर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके मोबाइल में हथियार के साथ मिले फोटो के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की और उसके निशान देही पर पुलिस ने एक अवैध पिस्टल एवं दो गोली बरामद किया। एसडीपीओ वन अजीत कुमार ने बताया कि समकालिनअभियान के दौरान दानापुर पुलिस रात्रि गश्ती के क्रम में शक के आधार पर संदिग्ध अवस्था में एक युवक को पकड़ा। जिसकी पहचान थाना क्षेत्र के कंपनी बाग निवासी राहुल कुमार के रूप में की गई। उसके पास से मिले मोबाईल में कुछ अवैध हथियार एवं कारतूस के साथ छायाचित्र प्राप्त हुआ। जिसके संबंध में पूछ-ताछ करने पर उसने बताया कि छायाचित्र में दिख रहा हथियार एवं कारतूस मेरा है। उसके निशानदेही पर उसके खंडरनुमा घर से 1 देशी पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस एवं 1 मोबाईल बरामद किया गया।

अतिक्रमण के विरुद्ध नगर परिषद द्वारा विशेष अभियान चलाया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत कार्यपालक पदाधिकारी नगर व्यवस्था रवि कुमार के नेतृत्व में रूपसपुर दीघा नहर रोड व्हीलर संख्या 242 से शुरू किया गया अभियान महावीर मंदिर तक चला। इस दौरान सड़कों पर रखे गए भवन निर्माण सामग्री आदि को जप्त किया गया। साथी अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। शुक्रवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान के टीम को पहुंचते हैं लोगों में हरकंप मच गया।

बुद्ध मार्ग में बनेगा बहुमंजिला विद्या भवन : शिक्षा मंत्री

एक ही भवन से संचालित होंगी शिक्षा विभाग की सारी गतिविधियां

■ शिक्षा मंत्री बोले-भवन की डिजाइन और सुविधाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख विकसित की जाएंगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि बुद्ध मार्ग स्थित टेक्स्ट बुक कार्यालय परिसर में विद्या भवन (शिक्षा भवन) का निर्माण कराया जाएगा। आने वाले समय में शिक्षा विभाग की सारी गतिविधियां इसी बहुमंजिले भवन से संचालित होंगी।

शुक्रवार की शाम टेक्स्ट बुक सभागार में आयोजित बैठक में श्री तिवारी ने भवन निर्माण के अलावा विभागीय योजनाओं और अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि विद्या भवन की डिजाइन और सुविधाएं विभाग की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की जाएंगी। साथ ही भवन निर्माण में उच्च गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

बैठक में प्रस्तावित भवन में आवश्यक आधुनिक सुविधाओं, निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं और आगे की कार्ययोजना पर भी विमर्श किया गया। निर्माण से पहले आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में टेक्स्ट बुक के कार्यों के सुचारु संचालन के लिए मानव बल बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने समग्र शिक्षा योजना के तहत पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तकों के प्रकाशन और विद्यालयों में आपूर्ति की भी अद्यतन जानकारी ली।

बैठक में शिक्षा विभाग के विशेष सचिव श्री धर्मेंद्र कुमार, टेक्स्ट बुक के निदेशक श्री यतेंद्र कुमार पाल, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष श्री त्यागराजन एस.एम. सहित विभाग के सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मालूम हो, प्रस्तावित विद्या भवन के पहले तल्ले पर शिक्षा मंत्री, अपर मुख्य सचिव और सचिव के दफ्तर होंगे। दूसरे तल्ले पर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय का कार्यालय होगा।

खगौल पार्षद के घर में खेला जाता था जुआ, 13 जुआड़ी गिरफ्तार

■ 2.25 लाख नकद, 11 मोबाइल और ताश की गड्डी बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर(खगौल थाना क्षेत्र के अंतर्गत पटना पुलिस ने खगौल में जुए के एक बड़े अड्डे का भंडाफोड़ करते हुए 13 जुगाडी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 2 लाख 25 हजार 810 रुपये नकद, 11 मोबाइल फोन और ताश की गड्डी बरामद की हैपुलिस के मुताबिक, 10 सितंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि खगौल थाना क्षेत्र के निमतल्ला रोड फाटक के पास एक मकान में 12 से 15 लोग बड़े पैमाने पर जुआ खेल रहे हैं सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक दानापुर के नेतृत्व में खगौल थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया।पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर मकान में छापेमारी की। इस दौरान वहां जुआ खेल रहे 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में अनिल कुमार, मनीष कुमार, सन्नी कुमार, मोहन प्रसाद, सुमीत कुमार, मो. सरफुदीन उर्फ शरफू, संतोष कुमार, शमीम कुरैशी, मिथिलेश कुमार, बिक्की कुमार, निखिल कुमार, मुन्ना कुमार और महेन्द्र सिंह शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, पार्षद महेन्द्र सिंह उस मकान का मालिक है, जहां जुआ खेला जा रहा था। गिरफ्तार सभी आरोपी खगौल, फुलवारीशरीफ, जानीपुर और शाहपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं।वहीं, गिरफ्तार आरोपी मो. सरफुदीन उर्फ शरफू का पूर्व से आपराधिक इतिहास भी बताया गया है।इस मामले में खगौल थाना कांड संख्या 464/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं और बंगाल जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।छापेमारी टीम में दल्लुचक ओपी प्रभारी अरविंद कुमार, एसआई सिद्धार्थ कुमार, सुनील कुमार और राजीव कुमार समेत खगौल थाना के पुलिसकर्मी और सशस्त्र बल शामिल थे।खगौल में जुए के इस बड़े अड्डे पर हुई कार्रवाई के बाद पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि यहां जुए का खेल कब से चल रहा था (

सदस्यों एवं पूर्व सदस्यों को मोबाइल ऐप के माध्यम से उपलब्ध होंगी आवश्यक सुविधाएं

पटना। बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने माननीय सदस्यों एवं पूर्व सदस्यों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाइल ऐप आधारित ह्यसिंगल विंडो सिस्टम विकसित करने का निर्देश विधान सभा के प्रभारी सचिव श्री संजय कुमार सिंह को दिया है।

उन्होंने कहा कि ऐसा मोबाइल ऐप विकसित किया जाए, जिसके माध्यम से माननीय सदस्यों एवं पूर्व सदस्यों को विभिन्न सुविधाओं, सेवाओं एवं आवश्यक जानकारियों की उपलब्धता एक ही प्लेटफॉर्म पर सुनिश्चित हो सके। इस ऐप के माध्यम से माननीय सदस्यों एवं पूर्व सदस्यों को यात्रा/ दैनिक भत्ता, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, अतिथि निवास की सुविधा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से ही सुविधाओं के संबंध में वे अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

साथ ही, सभा सचिवालय द्वारा व्हाट्सएप्प एवं मैसेज के माध्यम से भी माननीय सदस्यों/ पूर्व सदस्यों को आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई जायेंगी।

मुंबई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए बिहार सरकार के मंत्री, अरुण शंकर प्रसाद

■ बिहार सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए किए जा रहे कार्यों की दी जानकारी

■ मुंगेर के श्रम सेवा सुविधा केंद्र का ऑनलाइन किया गया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

मुंबई के होटल ताज महल पैलेस में आयोजित भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार (इडउह) के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत करते हुए आज बिहार के श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के माननीय श्री मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने बिहार इडउह बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए किए जा रहे कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी। इससे पहले इस सम्मेलन का शुभारंभ विधिवत रूप से केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और केंद्रीय राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे के कर कमलों से किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के माननीय मंत्रियों, सचिवों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में मुंगेर में श्रम सेवा सुविधा केंद्र का ऑनलाइन शुभारंभ भी किया गया। साथ ही बिहार में श्रमिकों के हितार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यों पर आधारित वीडियो भी प्रदर्शित किया गया, जिसकी सराहना की गई।

उक्त अवसर पर माननीय मंत्री, श्री अरुण शंकर प्रसाद ने बिहार इडउह बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों हितार्थ किए जा रहे जनउपयोगी कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी। अपने संबोधन में माननीय मंत्री ने कहा कि निर्माण श्रमिकों के परिश्रम के बिना विकास की कहानी पूरी नहीं हो सकती। बिहार सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक श्रमिकों और उनके परिवारजनों तक योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने बताया कि 7 सितंबर 2026 तक बिहार में 43 लाख 45 हजार 905 निर्माण श्रमिक निबंधित हैं। चालू वित्तीय वर्ष में 8 सितंबर तक 200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि श्रमिकों के आधार से जुड़े बैंक खातों में उइळ के माध्यम से भेजी गई है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1,150 करोड़ 26 लाख रुपये श्रमिकों के खातों में अंतरित किए गए।

बिहार में निर्माण श्रमिकों के कौशल विकास के लिए पूर्वाजित ज्ञान प्रमाणन (फ्हछ) प्रशिक्षण के तहत अब तक 24,106 श्रमिकों का प्रशिक्षण कराया गया है।

भाजपा फतुहा नगर मंडल में सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला

फतुहा। भाजपा फतुहा नगर मंडल के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शक्ति केंद्र पर शुक्रवार को नगर मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी की अध्यक्षता में मंडल बैठक सह कार्यशाला आयोजित की गई। संचालन नगर महामंत्री ई. सुरजीत कुमार ने किया। मुख्य अतिथि फतुहा विधानसभा संयोजक विजय वत्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन एवं उनके राजनीतिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 17 सितंबर को ह्लआशीर्वाद का दीयाह्व कार्यक्रम की शुरूआत के साथ रक्तदान, स्वच्छता अभियान, आंगन महोत्सव, जनकल्याणकारी योजनाओं के शिविर, स्कूल-कॉलेजों में चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता, ह्लकहानी बदलाव कीह्व के तहत लाभार्थियों की सफलता की कहानियां साझा किया।

बाढ़ प्रभावित गांवों में तीसरे दिन भी राहत सामग्री वितरण, टुनटुन यादव ने बांटा चूड़ा-गुड़

फतुहा।* शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन फतुहा विधानसभा क्षेत्र के अलावलपुर, जमालपुर, जमुनापुर, फतेहपुर* सहित अन्य बाढ़ प्रभावित गांवों में निवर्तमान फतुहा विधानसभा प्रत्याशी प्रतिनिधि सह लोजपा (रामविलास) नेता *टुनटुन यादव* के नेतृत्व में बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच चूड़ा-गुड़ राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। टुनटुन यादव ने मुख्यमंत्री एवं विधायक से सुकुलपुर, जल्ला सहित फतुहा विधानसभा क्षेत्र के अन्य बाढ़ग्रस्त इलाकों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित करने का अनुरोध करते हुए पीड़ित परिवारों के लिए पर्याप्त राहत सामग्री, भोजन, पेयजल तथा सुरक्षित और वैकल्पिक रहने की व्यवस्था कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से लोगों के साथ-साथ मवेशियों के सामने भी चारा और सुरक्षित स्थान की समस्या उत्पन्न हो गई है, इसलिए पशुओं के लिए भूसा, चारा, पानी एवं पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। राहत वितरण के दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने टुनटुन यादव के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। इसी क्रम में भाजपा नेता रजनीकांत गिरी ने टुनटुन यादव का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। राहत सामग्री वितरण में उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि बबन यादव, पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुमार, पूर्व पार्षद जयप्रकाश यादव उर्फ चंगरू जी, पार्षद दीपक कुमार, संतोष चंद्रवंशी, वास्कित यादव, अनिल कुमार उर्फ कारू, अनिल कुमार, संतोष कुमार, छोटू यादव एवं संजीत यादव, दिनेश सिंह सहित अन्य लोग शामिल रहे।

फाइलेरिया मरीजों का यूडीआईडी कार्ड आवेदन करने को लगा शिविर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। फाइलेरिया मरीजों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र आवेदन अप्लाई करने के लिए दुल्हिनबाजार प्रखंड स्थित सोनियावां पंचायत में शुक्रवार को मुखिया अंजू देवी के नेतृत्व में शिविर लगाया गया। इस दौरान कुल 23 फाइलेरिया मरीजों का यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए आवेदन किया गया। बता दें कि दुल्हिनबाजार प्रखंड में रोगी हितधारक मंच के सदस्यों की सहायता से अभी तक 5 फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बन गया है। इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को सीएचओ-पीएसपी (रोगी हितधारक मंच) सदस्य सह मुखिया अंजू देवी की पहल पर 23 नए फाइलेरिया मरीजों का दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने के लिए आवेदन किया गया।

इस दौरान अंजू देवी ने कहा कि आवेदन अप्लाई के बाद दस दिनों के भीतर सभी फाइलेरिया मरीजों के प्रभावित अंगों की जांच के लिए सीएचसी, भरतपुरा में जांच शिविर लगाया जाएगा। उसके बाद चिकित्सकों की जांच के बाद सभी फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए उनके प्रभावित अंगों की जांच कर प्रतिशतता प्रदान किया जाएगा। उसके बाद करीब एक माह के बाद सभी फाइलेरिया मरीजों का यूडीआईडी कार्ड डाक के माध्यम से

उनके घर पर आ जाएगा। अंजू देवी ने बताया कि राज्य सरकार फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने की दिशा में सार्थक पहल शुरू की है। इसी मुहिम के तहत शुक्रवार को पंचायत में शिविर लगाकर आवेदन किया गया।

लाइलाज है फाइलेरिया बीमारी

मुखिया अंजू देवी ने कहा कि फाइलेरिया बीमारी घातक व लाइलाज है। इस बीमारी से राहत पाने के लिए नियमित व्यायाम और एमएमडीपी किट के माध्यम से घर पर ही दो बार अपने प्रभावित अंगों की साफ-सफाई करनी होगी। इससे फाइलेरिया पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से थोड़ी राहत मिलेगी। मौके पर मौजूद वार्ड पार्षद सह पीएसपी सदस्य पुष्पांजलि कुमारी ने कहा कि एमएमडीपी प्रशिक्षण से काफी हद तक हाथीपांव के सूजन को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए फाइलेरिया मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक लाने में सीफार संस्था की भूमिका काफी सराहनीय रही। इस मुहिम को सफल बनाने में सिफार तकनीकी रूप से काफी अहम भूमिका निभा रहा है। साथ ही फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सिफार के माध्यम से किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम काफी असरदार साबित हो रहा है। शिविर में सिफार के प्रोजेक्ट एसोसिएट विकास चौहान समेत अन्य लोग मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल के जीएम डिम्पी गर्ग ने जहानाबाद, गया, डाल्टनगंज, बरवाडीह आदि स्टेशनों का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर(पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग द्वारा आज 11.09.2026 को दानापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय एवं धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में अंकोरहा स्टेशन पर काराकाट के माननीय सांसद श्री राजा राम सिंह जी एवं डाल्टनगंज स्टेशन पर पलामू के माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम जी से संसदीय क्षेत्रों में रेल सुविधाओं से संबंधित विषयों पर महाप्रबंधक ने वार्ता की तथा माननीय सांसदगण से सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुए । आज के निरीक्षण में महाप्रबंधक द्वारा सर्वप्रथम जहानाबाद स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा आदि का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने यहाँ पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा उच्च गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य एवं उन्नत यात्री सुविधा की उपलब्धता पर विशेष बल दिया।

ज्ञान भवन में तीन दिवसीय बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो का भव्य समापन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : गाँधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो-2026 के चौथे संस्करण का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कृषिका एवं राइटर्स एंड क्रिएटर्स द्वारा आयोजित इस एक्सपो में देशभर से आई करीब 80 कंपनियों ने 130 स्टॉल के माध्यम से पोल्ट्री एवं एक्वा क्षेत्र से जुड़े आधुनिक उत्पादों, तकनीकों, मशीनरी, उपकरणों और सेवाओं का प्रदर्शन किया।

तीन दिनों तक चले इस एक्सपो में बिहार के विभिन्न जिलों से आए किसानों, मुर्गी पालकों, मत्स्य पालकों, पशुपालकों, युवा उद्यमियों और व्यवसायियों ने विशेषज्ञों एवं कंपनियों से संवाद कर आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की। एक्सपो में पोल्ट्री फार्मिंग, फीड, ब्रीडिंग, हैचरी, पशु स्वास्थ्य, मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर, फार्म उपकरण, तकनीकी समाधान सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी और उत्पाद उपलब्ध कराए गए।समापन समारोह को संबोधित करते हुए बिहार पोल्ट्री एवं एक्वा एक्सपो के आयोजक राकेश कश्यप ने कहा कि तीन दिनों तक चले इस आयोजन को किसानों, पशुपालकों, मत्स्य पालकों, युवाओं और उद्योग जगत से जिस तरह का सकारात्मक समर्थन मिला, वह उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो का उद्देश्य केवल कंपनियों और उत्पादों को प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि किसानों और पशुपालकों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक जानकारी और बाजार के नए अवसरों से जोड़ना है।

हिंदी पखवाड़ा पर बाल कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में एक विशेष बाल कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह साहित्यिक आयोजन विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय राजकुमार भार्गव, जो हिंदी साहित्य एवं प्रकाशन के क्षेत्र में प्रख्यात व्यक्तित्व थे एवं ज्ञानपीठ के टीपू बाबू (त्रिपुरेश्वर पांडे) की पावन स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ध्रुव कुमार सिंह तथा प्रसिद्ध लेखिका रेखा भारती मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्व पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा 3 से कक्षा 9 तक के लगभग 70 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी भाषा, साहित्य और काव्य की समृद्ध परंपरा को जीवंत कर दिया। विद्यालय के निदेशक राजीव भार्गव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना, अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित करना तथा उनके विचारों में रचनात्मकता और मौलिकता लाना है। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया।

कॉरपोरेट की ऊंची इमारतों के पीछे कौन सा खेल चलता है? अलका मिश्रा मिंकी ने उठाया बड़ा सवाल

■ कॉरपोरेट दरबार ने खोली उस दुनिया की परतें, जहां प्रतिभा के साथ सत्ता, समीकरण और प्रभाव भी तय करते हैं रास्ते

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ऊंची इमारतें, चमकते दफ्तर, बड़े पद और सफलता के आंकड़े—कॉरपोरेट दुनिया की तस्वीर अक्सर कुछ ऐसी ही दिखाई देती है। लेकिन क्या यह पूरी तस्वीर है? क्या हर फैसला केवल योग्यता के आधार पर होता है? क्या हर प्रमोशन सिर्फ प्रदर्शन का परिणाम होता है? और क्या कॉरपोरेट दुनिया में सत्ता के छोटे-बड़े ह्यदरबारह्ल मौजूद नहीं हैं?

इन्हीं असहज सवालों को साहित्य के केंद्र में लाने का प्रयास करती हैं लेखिका अलका मिश्रा ह्यमिंकीह्ल अपनी पुस्तक ह्यकॉरपोरेट दरबारह्ल के जरिए।यह पुस्तक उस चमकदार कॉरपोरेट तस्वीर को दूसरी तरफ से देखने की कोशिश है। वह तरफ, जहां लक्ष्य हासिल करने की होड़ के साथ-साथ पहचान बनाए रखने की चुनौती भी है; जहां पेशेवर रिश्तों के पीछे व्यक्तिगत हितों के समीकरण हो सकते हैं और जहां कई बार अपनी बात कहना भी एक जोखिम बन जाता है।

जब योग्यता के साथ ह्यसिस्टमह्ल को समझना भी जरूरी हो जाए

कॉरपोरेट संस्थानों में सफलता का सबसे प्रचलित सूत्र प्रतिभा और मेहनत माना जाता है। लेकिन वास्तविक कार्यस्थल की जटिलताएं इससे कहीं आगे जाती हैं। पद, प्रभाव, नेटवर्क, नेतृत्व की पसंद-नापसंद और संस्थागत राजनीति—ये सभी किसी व्यक्ति के पेशेवर सफर को प्रभावित कर सकते हैं।

ह्यकॉरपोरेट दरबारह्ल इसी जटिल दुनिया को सवालों के घेरे में लाती है।

अलका मिश्रा ह्यमिंकीह्ल की लेखनी का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वह कॉरपोरेट संस्कृति को केवल बाहर से देखने की कोशिश नहीं करती, बल्कि उसके भीतर मौजूद मानवीय मनोविज्ञान को भी सामने लाती है। महत्वाकांक्षा के पीछे छिपा डर, सफलता के पीछे छिपा दबाव और मुस्कुराते चेहरों के पीछे चलती मानसिक उथल-पुथल—ये पहलू इस विषय को महज नौकरी और ऑफिस की कहानी नहीं रहने देते।

हर चमकती कुर्सी के पीछे एक कहानी होती है(

अलका मिश्रा ह्यमिंकीह्ल के शब्दों में, ह्लहर चमकती कुर्सी के पीछे एक कहानी होती है और हर दरबार में कुछ अनकही आवाजें होती हैं। ह्यकॉरपोरेट दरबारह्ल उन्हीं आवाजों को सुनने और शब्द देने की मेरी कोशिश है।

यही दृष्टिकोण इस पुस्तक को सामान्य कॉरपोरेट लेखन से अलग करता है। यहां सवाल केवल यह नहीं है कि कौन सफल हुआ, बल्कि यह भी है कि उस सफलता की कीमत क्या थी और उस सफर में इंसान के भीतर क्या बदल गया।

नई पीढ़ी के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह सवाल?

आज युवाओं के लिए कॉरपोरेट क्षेत्र करियर का बड़ा आकर्षण है। बेहतर अवसरों के साथ प्रतिस्पर्धा भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे दौर में कार्यस्थल की संस्कृति को समझना केवल कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

शैक्षणिक अवदान के लिए शिक्षाविद् डॉ.नीना कुमार, ओम नमः शिवाय सिंह एवं अंकित अग्रवाल को मिला वर्ष– 2026 का शिक्षण उत्कृष्टता सम्मान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा अध्येताओं के सर्वांगीण विकास में अतुलनीय योगदान व भाषा के परिनिष्ठित प्रयोग के लिए अप्रतिम शब्द-साधक-सह-शिक्षाविद् डॉ. श्रीमती नीना कुमार, ओम नमः शिवाय सिंह एवं अंकित अग्रवाल को सीबीएसई स्वैच्छिक संघ पाटलिपुत्र सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा वर्ष-2026 का शिक्षण उत्कृष्टता सम्मान प्रदान किया गया।पाटलिपुत्र सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा आज शुक्रवार को ज्ञान भवन, पटना के सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक भव्य शिक्षाविद् सम्मान समारोह ह्यअनुगूँजह्ल 2026 के दौरान श्री गोपाल लाल यादव, क्षेत्रीय अधिकारी सीबीएसई एवं राजीव कुमार शर्मा, प्रमुख, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सीबीएसई, पटना द्वारा डॉ. श्रीमती नीना कुमार, ओम नमः शिवाय सिंह एवं अंकित अग्रवाल को उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति-चिन्ह आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. नीना कुमार ने अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा ही मेरे जीवन का सर्वस्व है।शिक्षा के प्रति समर्पित एवं नवाचार को तवज्जो देने वाले साहित्य स्रष्टा ओम नमः शिवाय सिंह ने इस ऐतिहासिक अवसर पर न्यू एरा पब्लिक स्कूल एवं पाटलिपुत्र सहोदया के प्रति हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि- अध्ययन-अध्यापन मेरा वृति/व्यवसाय नहीं बल्कि, मेरा जुनून है और यही कारण है कि मैं वकालत पेशा को छोड़ अपने गुरुतर उत्तरदायित्व को आत्मसात कर अध्येताओं के सपनों को सदैव एक नया पंख देने, उसके संत्रास को मिटाने तथा उसके साथ अर्थपूर्ण संवाद स्थापित करने का अथक प्रयास किया है। सबसे बड़ी बात कि स्वयं को सदैव सीखने की प्रक्रिया में निरत रखा है जो मेरे प्रभावी शिक्षण कौशल का राज है।

सम्मान से अभिभूत श्री सिंह ने कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं बल्कि, उस दिव्य शिक्षण केंद्र का है जिन्होंने मुझ पर आँख मूंद कर विश्वास किया तथा यह सम्मान उन असंख्य छात्रों के अविचल निष्ठा, अंतर्ज्ञान एवं श्रम-साध्य प्रयासों का है जिन्होंने मेरे मार्गदर्शन को अंगीकार किया।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान हमारी साधना एवं जिम्मेदारियों को और अधिक प्रवलित कर दिया है कि हम और कैसे पूरी निष्ठा के साथ देश के भविष्य को गढ़ें तथा मासूम आंखों में भविष्य के सपनों को बुनें।शैक्षिक नेतृत्व, समर्पण एवं उत्कृष्टता के इस खास उत्सव पर शिक्षा का महत्व एवं नई शिक्षण पद्धति पर विचार-विमर्श किया गया।

जमाबंदियों के शुद्धीकरण के लिए 45 दिन तक चलेगा अभियान : दिलीप

- खाता-खेसरा-प्लॉट और नाम की त्रुटियां होंगी दूर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में जमाबंदियों के शुद्धीकरण के लिए 45 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान में खाता, खेसरा, प्लॉट और रैयत के नाम में दर्ज त्रुटियों को दूर किया जाएगा। इस दौरान मापी की जरूरत पड़ने पर संबंधित भूमि की मुफ्त मापी भी कराई जाएगी। राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में शुक्रवार को आयोजित अपर समाहर्ता (राजस्व) की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जो नागरिक अभी तक हमारे पास आते थे, अब हम उनके पास जाएंगे और उनकी जमाबंदी की गलतियों में सुधार करेंगे। उन्होंने कहा कि जमाबंदी में सुधार का दायित्व प्रत्येक अंचल के अंचल अधिकारियों का है।

पिक एंड चूज की कार्यशैली को छोड़ एक समान कार्रवाई का निर्देश: राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को पिक एंड चूज की कार्यशैली छोड़कर सभी मामलों पर समान रूप से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय आने वाले लोगों से सीओ और आरओ बात करें और उनके मामले की स्थिति तथा आगे की प्रक्रिया स्पष्ट करें। अधिकारियों और नागरिकों के बीच कम्युनिकेशन गैप के कारण ही ऑफलाइन आवेदनों की संख्या बढ़ रही है। संवाद बेहतर होने से अंचल कार्यालयों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी। अधिकारियों की टीम करेगी अंचलों के कामकाजों की गुणवत्ता की निगरानी राजस्व मंत्री ने कहा कि अंचलों के कामकाज की गुणवत्ता पर मुख्यालय से प्रतिदिन नजर रखी जाएगी। इसके लिए अधिकारियों की टीम बनाई जाएगी, जो प्रभार वाले जिलों में निष्पादन की गुणवत्ता की मॉनिटरिंग करेगी। इससे डीसीएलआर और एडीएम पर निगरानी का दबाव कम होगा और सचिव को भी प्रतिदिन कार्यों की गुणवत्ता की जानकारी मिल सकेगी। सरकारी भूमि का लैंड बैंक तैयार करने को सभी जिलों की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी बताते हुए मंत्री ने कहा कि इसमें सभी प्रकार की सरकारी भूमि को शामिल किया जाए। भविष्य में उद्योगों और अन्य विकास कार्यों के लिए जमीन की जरूरत को देखते हुए सरकारी भूमि का अद्यतन रिकॉर्ड जरूरी है।

सर्वे कार्य के तहत पांच जिलों के 1 हजार गांवों का शीघ्र होगा नोटिफिकेशन

मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि सर्वे कार्य के तहत अरवल, जहानाबाद, शेखपुरा, शिवहर और लखीसराय के एक हजार से अधिक गांवों का शीघ्र नोटिफिकेशन किया जाएगा। नोटिफिकेशन के तीन माह के भीतर एडीएम कोर्ट में अपील करने का प्रावधान दिया जायेगा। इसके लिए अलग सर्वे अपील सेल बनाया जाएगा। नए सर्वे वाले जिलों में स्पेशियल म्यूटेशन शुरू होगा। इसमें जमीन के विवरण के साथ नक्शा भी उपलब्ध रहेगा। इससे भूमि की पहचान स्पष्ट होगी और भविष्य में विवाद की संभावना कम होगी। सचिव श्री जय सिंह ने इस दौरान राजस्व कार्यों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की।

1.17 लाख किसानों को भेजी गई 104.46 करोड़ की सहायता राशि, डीबीटी से हुआ भुगतान : राम कृपाल

- बाढ़ प्रभावित किसानों को फसल क्षति पर मिलेगी आर्थिक सहायता, खरीफ 2026 के लिए 31 अक्टूबर तक करें आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने शुक्रवार को विकास भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष से बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अंतर्गत खरीफ 2024 मौसम की सहायता राशि 1 लाख 17 हजार 708 लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में भेजी। योजना के तहत 104 करोड़ 46 लाख 46 हजार 405 रुपये की यह सहायता राशि का हस्तांतरण डीबीटी के जरिए किया गया। इस अवसर पर 9 चयनित किसानों को सांकेतिक रूप से चेक भी प्रदान किए गए। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए माननीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि खरीफ 2024 मौसम में प्राप्त आवेदनों के सत्यापन के बाद योजना के लाभ के लिए योग्य 714 पंचायतों के कुल 1,17,708 लाभुक किसानों को सहायता राशि का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य फसल सहायता योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी एवं किसान हितैषी योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदा अथवा अन्य कारणों से फसल की उपज में कमी होने पर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान कर संकट की घड़ी में संबल देना है। योजना पूर्णतः निःशुल्क है और किसानों को किसी प्रकार का प्रीमियम नहीं देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि फसल क्षति की स्थिति में मिलने वाली सहायता किसानों को आर्थिक कठिनाइयों से उबरने तथा आगामी फसल के लिए कृषि कार्य जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करती है। वर्तमान में बाढ़ प्रभावित किसानों को फसल क्षति पर आर्थिक सहायता पहुंचाने में भी योजना की भूमिका महत्वपूर्ण है। खरीफ 2026 में फसल क्षति से प्रभावित किसानों को योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने सभी पात्र किसानों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना 31 अक्टूबर तक आवेदन करने की अपील की।

20 हजार तक मिलती है सहायता राशि

मंत्री ने बताया कि थ्रेसहोल्ड उपज की तुलना में वास्तविक उपज में 20 प्रतिशत तक की क्षति होने पर 7,500 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम 2 हेक्टेयर के लिए 15,000 रुपये तथा 20 प्रतिशत से अधिक क्षति होने पर 10,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम 2 हेक्टेयर के लिए 20,000 रुपये तक सहायता राशि दी जाती है। राशि लाभुक किसानों के आधार-संबद्ध बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाती है। योजना का संचालन पूर्९ तरह से राज्य सरकार की निधि से किया जा रहा है। खरीफ 2024 के लिए धान एवं मकई को पंचायतस्तरीय फसल तथा सोयाबीन, आलू, बैंगन, टमाटर एवं गोभी को जिलास्तरीय फसल के रूप में अधिसूचित किया गया है।

इन किसानों को भी जल्द होगा भुगतान

रबी 2024-25 मौसम में उपज दर के आंकड़ों के आधार पर योग्य ग्राम पंचायतों के आवेदक किसानों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का सत्यापन जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीएलसीसी) द्वारा कराया जा रहा है। सत्यापन के उपरांत पात्र एवं भुगतान के लिए अनुशंसित किसानों को भी शीघ्र सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

एमएलसी चुनाव : राजद ने 6 उम्मीदवारों का किया ऐलान

- पटना, सारण, तिरहुत, कोशी और दरभंगा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन 2026 के लिए राष्ट्रीय जनता दल ने अपने 6 अधिकृत उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष जारी इस सूची में पटना, सारण, तिरहुत, कोशी और दरभंगा सीटों के प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल बिहार ने आगामी बिहार विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन 2026 के लिए अपने अधिकृत उम्मीदवारों के नामों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल के हस्ताक्षर से 11 सितंबर 2026 को पत्र जारी कर इन नामों की आधिकारिक घोषणा की गई है।

शिक्षक और स्नातक सीटों पर प्रमुख उम्मीदवारों पर जताया भरोसा: जारी की गई सूची के अनुसार, राजद ने पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ संजीव कुमार सिंह और पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से दिलीप कुमार को अपना अधिकृत उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही कोशी स्नातक क्षेत्र से नितेश कुमार और दरभंगा स्नातक क्षेत्र से अनिल कुमार झा को चुनावी मैदान में उतारा गया है।

सारण और तिरहुत क्षेत्रों के लिए भी उम्मीदवार तय: पार्टी ने सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रो जयराम यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, वहीं तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ रश्मि विनायक गौतम पर भरोसा जताते हुए उन्हें चुनावी समर में उतारा है। इन नामों की घोषणा के साथ ही इन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। आरजेडी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि कुल 8 सीटों में से 6 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है, जबकि शेष 2 सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों पर पार्टी नेतृत्व द्वारा विचार किया जा रहा है। इन बची हुई सीटों पर भी जल्द ही निर्णय लेकर उम्मीदवारों की घोषणा किए जाने की संभावना है।

रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दे रही सरकार : विजय

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने बड़ी पहल की है। कृषि विभाग राज्य जैविक मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं के लिए भारी अनुदान दे रहा है। इसके तहत पक्का वर्मी कंपोस्ट पिट इकाई, गोबर/बायोगैस इकाई एवं व्यावसायिक वर्मी कंपोस्ट इकाई की स्थापना के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित है। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किसानों से बिहार राज्य जैविक मिशन की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध खाद का इस्तेमाल कर फसल की उपज बढ़ाई जाए ताकि किसानों की उर्वरकों के लिए बाजार पर निर्भरता कम हो। हमारी कोशिश है कि खेती की लागत कम हो और किसानों की आय बढ़े। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा मिलेगा, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहेगी बल्कि लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। डीबीटी पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लाभ दिया जाएगा।

मिलेगा 50 फीसदी का अनुदान: कृषि मंत्री ने बताया कि पक्का वर्मी कंपोस्ट पिट इकाई के अंतर्गत प्रत्येक लाभुक को अधिकतम तीन इकाइयों का लाभ दिया जाता है। प्रत्येक पिट की कुल लागत 10,000 रुपए पर 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5,000 रुपए, जो कम हो, का अनुदान दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 51,000 पक्का वर्मी कंपोस्ट पिट इकाइयों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नीतीश कुमार के 20 वर्षों का शासन बिहार के लिए स्वर्णिम काल : बिजेंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के उप-मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके विधिसम्मत निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ 'गांधी जी' मौजूद रहे। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि नीतीश कुमार का 20 वर्षों का कार्यकाल बिहार के लिए स्वर्णिम काल के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। वर्ष 2005 में सत्ता की बागडोर संभालने के बाद उन्होंने बिहार को अराजकता, अव्यवस्था और बदहाली के दौर से बाहर निकालकर हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन किया तथा बिहार की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया। उन्होंने कहा कि बाढ़.प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए राज्य सरकार पूरी तत्परता से काम कर रही है। प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चल रहे हैं और प्रभावित परिवारों तक हरसंभव सहायता पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस संकट की घड़ी में पूरी मजबूती के साथ बाढ़.पीड़ितों के साथ खड़ी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जानकारी के अभाव में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जल्द शुरू करें : प्रधान सचिव

- गृह विभाग के प्रधान सचिव ने रिक्त पदों को भरने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गृह विभाग में रिक्त पदों को भरने के लिए नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू करने से संबंधित निर्देश प्रधान सचिव पंकज कुमार ने दिया। विभाग में शुक्रवार को प्रधान सचिव की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में इस मामले पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री कुमार ने संबंधित पदाधिकारियों से कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि विभाग में रिक्त पदों को शीघ्रता से भरा जा सके। इस बैठक के दौरान विभिन्न निदेशालयों से प्राप्त नियुक्ति संबंधी रिपोर्ट की समीक्षा की गई तथा रिक्त पदों को भरने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्णय लिया गया। पुलिस मुख्यालय तथा संबंधित निदेशालय के पदाधिकारियों को खासतौर से निर्देश देते हुए कहा कि सभी निदेशालयों से प्राप्त रिपोर्ट को एक साथ समाहित करते हुए एक समेकित रिपोर्ट तैयार की जाए, जिसमें विभिन्न पदों की रिक्तियों तथा उनके विरुद्ध नियुक्ति की वर्तमान स्थिति का स्पष्ट उल्लेख हो। उन्होंने रोस्टर क्लियरेंस, अधियाचना एवं विज्ञापन की स्थिति के आधार पर विभिन्न पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कवायद शुरू कर दी जाए।

बुजुर्गों का सम्मान सबसे बड़ी सेवा: श्रवण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता माननीय श्री श्रवण कुमार ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है। बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं, उनका सम्मान और सेवा करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। मंत्री श्री कुमार शुक्रवार को राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत एकंगरसराय प्रखंड के धूरगांव में आयोजित बुजुर्गों के बीच सहायक उपकरण वितरण शिविर का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

यह आयोजन नालंदा दस्तक रिहैब सेंटर के बैनर तले एलिम्को कंपनी के सहयोग से किया गया था। मौके पर 300 बुजुर्गों के बीच सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, कमर एवं घुटने की बेल्ट, श्रवण यंत्र, छड़ी सहित अन्य आवश्यक उपकरणों का वितरण किया गया। माननीय मंत्री ने आयोजकों की इस पहल को सराहा। संबोधन में नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि केंद्र और बिहार सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव-गांव और एक-एक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने एलिम्को से नालंदा के अन्य गांवों में भी इस तरह के वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

दैनिक जीवन को आसान बनाने की पहल: आयोजक एवं हिलसा नगर परिषद के मुख्य पार्षद तथा धूरगांव निवासी धनंजय कुमार ने कहा कि समाज के बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करना हमारा नैतिक दायित्व है। राष्ट्रीय वयोश्री योजना के माध्यम से जरूरतमंद बुजुर्गों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके दैनिक जीवन को आसान बनाने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेगा। सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले रामानंद चौधरी, ब्रह्मदेव प्रसाद, वीरेंद्र सपेरा, उमेश सपेरा, मंगली देवी, बुद्धु पासवान, बिंदेश्वरी देवी, आशा देवी, कमलेश राम सहित अन्य लाभार्थी उपकरण पाकर इस पहल के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

नालंदा निवासी स्व देवलाल प्रसाद के निधन पर शोकाकुल परिवार से मिले नीतीश कुमार

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने ग्राम गौढ़ापर, पो-बढ़ोना, थाना-चण्डी, नालंदा के आवास पहुँचकर डॉ अरुण कुमार डे के पिता स्वर्गीय देवलाल प्रसाद के निधन पर गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की। श्री नीतीश कुमार ने शोकाकुल परिवार के बीच पहुँचकर दिवंगत आत्मा को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिजनों से मिलकर उन्हें इस अपूरणीय दुःख की घड़ी में ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि माता-पिता का साया जीवन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। उनके निधन से हुई क्षति कभी पूरी नहीं हो सकती। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल दें। इस दौरान बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित पार्टी के तमाम कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित थे।

लोजपा (रामविलास) प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बाढ़ राहत कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बिहार प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को बिहार प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत पार्टी के संस्थापक एवं पद्म भूषण श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के बिहार प्रभारी सह जमुई सांसद अरुण भारती उपस्थित रहे। बैठक में बिहार में आई बाढ़ की स्थिति एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अरुण भारती ने पार्टी के सभी विधायकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूरी सक्रियता के साथ पहुंचकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करें। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के साथ खड़ा रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के चिराग का भरोसा के तहत बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत एवं सहायता पहुंचाना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यकर्ता स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावित परिवारों तक आवश्यक राहत सामग्री एवं अन्य जरूरी सहायता पहुंचाने का कार्य करें।

चिकित्सा शिक्षा को मजबूती और युवा चिकित्सकों को सम्मान पीजी छात्रों के मानदेय में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी : निशांत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि बिहार सरकार ने राज्य के सरकारी चिकित्सा एवं दंत महाविद्यालयों में पीजी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों के मानदेय में महत्वपूर्ण वृद्धि का निर्णय लिया है। यह निर्णय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र को लगातार सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2026 से पीजी प्रथम वर्ष के छात्रों को 92,800, द्वितीय वर्ष को 1,02,000 तथा तृतीय वर्ष को 1,12,200 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इससे पूर्व मिलने वाली यह राशि क्रमशः 82,000, 90,200 एवं 99,220 प्रतिमाह थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मानदेय में यह वृद्धि केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि राज्य के युवा चिकित्सकों के प्रति सरकार के सम्मान और उनके कठिन प्रशिक्षण एवं सेवाकाल के प्रति संवेदनशीलता का प्रमाण है।

बेहतर आर्थिक सहयोग मिलने से पीजी छात्र अपने प्रशिक्षण और चिकित्सा सेवा पर और अधिक एकाग्रता के साथ कार्य कर सकेंगे। श्री निशांत कुमार ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ बेहतर चिकित्सक तैयार करना। चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक आधारभूत संरचना का विकास और पर्याप्त एवं दक्ष चिकित्सकीय मानव संसाधन तैयार करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि बिहार में स्वास्थ्य क्षेत्र को आधुनिक, सुदृढ़. और जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार का प्रयास है कि बिहार के मेडिकल कॉलेज न केवल बेहतर चिकित्सा शिक्षा के केंद्र बनें, बल्कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई मजबूती देने वाले उत्कृष्ट संस्थान भी बनें। पीजी छात्रों के मानदेय में यह वृद्धि युवा चिकित्सकों का मनोबल बढ़ाने और बिहार में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय मानवबल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पीजी मेडिकल छात्रों के मानदेय में वृद्धि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में अहम कदम : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को बयान जारी कर सरकारी चिकित्सा एवं दंत महाविद्यालयों में पीजी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों के मानदेय में वृद्धि के एनडीए सरकार के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने इस निर्णय के लिए बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम राज्य में चिकित्सकीय मानव संसाधन को मजबूत बनाने तथा चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीते दिनों भी स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने सरकारी चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा की थी। लगातार लिए जा रहे ऐसे निर्णय स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों और चिकित्सा छात्रों को बेहतर प्रोत्साहन देने के साथ-साथ राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्री कुशवाहा ने कहा कि पीजी छात्रों के मानदेय में यह वृद्धि उनके प्रशिक्षण और सेवाकाल के दौरान बेहतर आर्थिक सहयोग सुनिश्चित करेगी तथा चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन को प्रोत्साहित करेगी। मा0 निशांत स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण बनाने के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों के हितों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में निशांत ने बहुत कम समय में 14 करोड़.बिहारवासियों के दिल में अपनी खास जगह बनाई है। आम जनता की समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जनोन्मुखी बनाने की दिशा में उनकी सक्रियता की हर स्तर पर सराहना हो रही है।

जूनियर एशिया कप में भारत की जीत हॉकी की मजबूत स्थिति को दर्शाता है : श्रवण

- महिला टीम ने पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा, पुरुष टीम मलेशिया को हरा फाइनल में

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। चीन के मोकी में आयोजित जूनियर एशिया कप 2026 में भारतीय टीमों का दबदबा कायम है। पुरुष एवं महिला हॉकी टीमों के शानदार प्रदर्शन को देश के लिए गर्व का विषय बताते हुए ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माननीय मंत्री सह हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि यह जीत भारतीय हॉकी की मजबूत स्थिति को दशार्ती है। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी है। मंत्री श्री कुमार ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ महिला टीम की 19-0 की ऐतिहासिक जीत और पुरुष टीम का मलेशिया को हराकर फाइनल में पहुंचना युवाओं ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल कौशल से देश का गौरव बढ़ाया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पुरुष टीम फाइनल में भी खिताब अपने नाम करेगी और महिला टीम भी फाइनल में पहुंचेगी।

12 सितंबर को दक्षिण कोरिया से सेमीफाइनल मैच: आयोजन में महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में ही 10 गोल कर भारत ने पकड़ मजबूत कर ली और दूसरे हाफ में 9 और गोल दागकर 19-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में 13 खिलाड़ियों ने गोल किए, जिसमें पूजा मलिक ने हैट्रिक लगाई। अजेय चल रही महिला टीम अब 12 सितंबर को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला 13 को: उधर, मौजूदा चैंपियन पुरुष टीम ने सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। इससे पहले पूल चरण में टीम शीर्ष पर रही थी और अंतिम पूल मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से हराया था, जिसमें कप्तान अनमोल एक्का ने 6 गोल किए थे। पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को होगा।

संक्षिप्त खबरें

उच्चैठ में तालाब व घाटो की विशेष सफाई स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

मधुबनी। बेनीपट्टी नदियो एवं अन्य जलस्त्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला गंगा समिति, मधुबनी द्वारा चलाए जा रहे ह्यएक दिन जलस्त्रोतों के स्वच्छता के नामह्न अभियान के तहत शुक्रवार को नगर पंचायत बेनीपट्टी की ओर से उच्चैठ भगवती स्थान परिसर स्थित तालाब एवं घाटों की विशेष साफ-सफाई कराई गई।

अभियान के दौरान नगर पंचायत के स्वच्छताकर्मियों ने तालाब एवं घाट परिसर में जमा कचरे और गंदगी को हटाकर साफ-सफाई की। साथ ही लोगों को जलस्त्रोतों को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।इस अवसर पर जिला गंगा समिति (नमामि गंगे) के डीपीओ आनंद अंकित ने कहा कि जलस्त्रोत केवल पानी के भंडार नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, जैव विविधता और सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। जलस्त्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने लोगों से तालाब, नदी सहित अन्य जलस्त्रोतों में कचरा नहीं डालने तथा आसपास के जलस्त्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने में सहयोग करने की अपील की। स्वच्छता पदाधिकारी शिव कुमार ने भी लोगों से जलस्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया।सफाई अभियान के दौरान स्वच्छता पर्यवेक्षक सहित नगर पंचायत बेनीपट्टी के स्वच्छताकर्मी मौजूद रहे।

फरक्का जल संधि पर बिहार के हितों से समझौता किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : विधायक ईश्वर मंडल

दरभंगा। जदयू जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष सह दरभंगा ग्रामीण विधायक राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल ने फरक्का जल संधि को बिहार के व्यापक हितों से जुड़ा गंभीर विषय बताया। उन्होंने कहा कि बिहार के हक और बिहारवासियों के भविष्य की कीमत पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। संधि के नवीनीकरण से पहले बिहार की जल आवश्यकताओं, किसानों की सिंचाई, पेयजल, उद्योग और भावी पीढ़ियों की जरूरतों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में चल रहा ह्यफरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद अभियान जनजागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। गंगा किनारे बसे जिलों में संवाद के माध्यम से लोगों को संधि के बिहार की जल-व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी जा रही है।बेनीपुर विधायक डॉ. विनय चौधरी ने कहा कि 1996 में भारत-बांग्लादेश के बीच हुई फरक्का जल संधि बिहार के हित में नहीं है। नवीनीकरण के समय वर्ष 2050 तक बिहार की जल जरूरतों का वैज्ञानिक एवं दीर्घकालिक आकलन किया जाना चाहिए।

जदयू नेता सुदर्शन झा ने कहा कि फरक्का बैराज और जल संधि के कारण बिहार को दोहरी चुनौती झेलनी पड़ रही है। गंगा में गाद जमा होने से नदी का तल ऊंचा हो रहा है। महानगर अध्यक्ष माधव झा ने इसे किसानों, पेयजल, उद्योग, रोजगार और भावी पीढ़ियों से जुड़ा पूरे बिहार का मुद्दा बताया।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

■ भूमिहीन व जर्जर विद्यालयों को चिह्नित कर कार्रवाई का निर्देश, कस्तूरबा विद्यालयों के नियमित निरीक्षण पर जोर

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल, हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रमंडलीय सभागार में शिक्षा विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, तीनों जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शिक्षा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में भूमिहीन, भवनहीन एवं जर्जर भवन वाले विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने ऐसे विद्यालयों को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालयों की आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

आयुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को सदैव कार्यशील रखने का निर्देश दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के नामांकन एवं नियमित उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। चहारदीवारी, स्वच्छ पेयजल, कार्यशील शौचालय, साफ-सफाई और सुरक्षित आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया।उन्होंने रोस्टर के अनुसार प्रत्येक सप्ताह एक कस्तूरबा विद्यालय का निरीक्षण करने को कहा। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक व्यवस्था, छात्राओं की उपस्थिति, आवासीय सुविधा, भोजन, स्वच्छता एवं सुरक्षा की समीक्षा करने का निर्देश दिया।

सहयोग पोर्टल पर लंबित आवेदनों के ससमय निष्पादन तथा बीआरसी के नियमित निरीक्षण पर भी आयुक्त ने जोर दिया। जिला कल्याण पदाधिकारी को छात्रावासों का नियमित निरीक्षण कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जांच करने को कहा गया।

भूमिहीन स्वर्ण समाज के परिवारों को भी मिले आवासीय व कृषि भूमि : संजय सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला पूर्वी भाजपा के महामंत्री संजय सिंह पप्पू सिंह ने बिहार सरकार के भू एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल से मुलाकात कर भूमिहीन परिवारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मंत्री को ज्ञापन सौंपकर भूमिहीन स्वर्ण समाज के जरूरतमंद परिवारों को भी नियमानुसार आवासीय एवं कृषि भूमि उपलब्ध कराने की मांग की।

संजय सिंह पप्पू सिंह ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक जरूरतमंद वर्ग तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। स्वर्ण समाज में भी बड़ी संख्या में गरीब और जरूरतमंद परिवार हैं, जिनके पास अपना घर बनाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। ऐसे परिवार लंबे समय से भूमि मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि सरकार द्वारा भूमिहीन परिवारों के लिए संचालित भूमि वितरण सहित अन्य संबंधित योजनाओं में पात्र भूमिहीन स्वर्ण परिवारों को भी नियमानुसार अवसर और लाभ दिया जाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आवासीय भूमि मिलने से वे सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे तथा कृषि भूमि उपलब्ध होने से उनकी आजीविका का भी आधार मजबूत होगा।इस अवसर पर संजय सिंह पप्पू सिंह ने विश्वास जताया कि भू एवं राजस्व मंत्री उनकी मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए सकारात्मक पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को सरकार एवं संबंधित विभाग के समक्ष उठाना उनका निरंतर प्रयास है। भविष्य में भी क्षेत्र एवं समाज के जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सरकार के समक्ष रखते रहेंगे।

खेलने निकली छह साल की लक्ष्मी को निगल गया मौत का तार

● आंधी में टूटकर जमीन पर गिरा था बिजली तार, संपर्क में आते ही मासूम की करंट से मौत

प्रातः किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। नदी थाना क्षेत्र के विशुनिया गांव में शुक्रवार की सुबह जमीन पर गिरे बिजली के तार की चपेट में आने से छह वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान विशुनिया गांव निवासी स्वर्गीय रामचंद्र यादव की पुत्री लक्ष्मी कुमारी के रूप में हुई है। लक्ष्मी तीन भाइयों की सबसे छोटी और परिवार की इकलौती बेटी थी। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा है।

बताया जाता है कि गुरुवार की रात तेज आंधी के दौरान बिजली पोल से तार टूटकर जमीन पर गिर गया था। रात होने के कारण किसी की नजर उस पर नहीं पड़ी। शुक्रवार की सुबह लक्ष्मी घर से खेलने निकली थी। खेलते-खेलते वह जमीन पर पड़े करंट प्रवाहित तार के संपर्क में आ गई। करंट लगते ही वह मौके पर गिर पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे आनन-फानन में कुशेश्वरस्थान अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिस घर में सुबह तक बच्ची की चहक सुनाई दे रही थी, वहां कुछ ही देर में चीख-पुकार मच गई।

घटना की सूचना पर नदी थानाध्यक्ष सुशील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच, दरभंगा भेज दिया गया।

ग्रामीणों ने बिजली विभाग से आंधी-तूफान के बाद टूटे तारों एवं क्षतिग्रस्त पोल की तत्काल जांच कराने तथा खुले में पड़े तारों को शीघ्र हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते बिजली आपूर्ति बंद कर तार हटाया जाता तो शायद मासूम की जान बच सकती थी।

डीएम ने मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

पांडुलिपियों के डिजिटाइजेशन में गुणवत्ता व सावधानी बरतने का निर्देश, निमार्णाधीन भवनों की प्रगति की ली जानकारी

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने शुक्रवार को मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में संरक्षित महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पांडुलिपियों के डिजिटाइजेशन के लिए स्थापित की जा रही मशीन के इंस्टॉलेशन कार्य का जायजा लिया तथा डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि संस्थान में उपलब्ध सभी पांडुलिपियों का सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं उच्च गुणवत्ता के साथ डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। उ

न्होंने कहा कि पांडुलिपियां समृद्ध ज्ञान, संस्कृति एवं ऐतिहासिक विरासत की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। इसलिए डिजिटाइजेशन के दौरान इनके मूल स्वरूप एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए पूरी सावधानी और तकनीकी दक्षता के साथ कार्य किया जाए।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने संस्थान परिसर में चल रहे विभिन्न निमार्णाधीन कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निमार्णाधीन बालक छात्रावास, प्रशासनिक भवन, गेस्ट हाउस सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं का स्थल निरीक्षण कर कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया।

डीएम ने कहा कि संस्थान में विकसित की जा रही आधारभूत संरचनाएं उसकी आवश्यकता एवं उपयोगिता के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता कल्पना रावत, जिला शिक्षा पदाधिकारी विद्यानंद ठाकुर, शोध संस्थान के निदेशक एवं संबंधित अभियंता उपस्थित थे।

सीमावर्ती गांवों के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

■ वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम- डीडीसी ने की समीक्षा, 7 प्रखंडों के 36 गांवों में मिशन मोड पर कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम-क्कके तहत जिले के सात प्रखंडों के 36 सीमावर्ती गांवों में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। जिलाधिकारी के निर्देश पर डीडीसी तुषार कुमार ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की विभागवार प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित वर्कप्लान के अनुसार गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।डीडीसी ने कहा कि सीमावर्ती गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ रोजगार एवं आजीविका के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्थानीय युवाओं, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसान संगठनों को योजनाओं से जोड़ने तथा मिथिला कला, हस्तशिल्प एवं पर्यटन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने चयनित गांवों की स्थानीय जरूरतों का आकलन कर प्राथमिकता के आधार पर योजनाएं तैयार करने, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के तहत बासोपट्टी, हरलाखी, जयनगर, मधवापुर, लदनियां, खुटौना और लौकही प्रखंड के कुल 36 गांव चयनित हैं।

बैंककर्मियों की मांगों को लेकर गयाजी में दिखी एकजुटता

■ काम के बढ़ते दबाव से नाराज बैंककर्मी, राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को गया में व्यापक समर्थन मिला है।

बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर हड़ताल में भाग लिया और पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था, बढ़ते कार्य-दबाव, कार्य तनाव तथा बेहतर कार्य-जीवन संतुलन की मांग उठाई है।भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, गया क्षेत्र के सहायक महासचिव राजीव नयन ने कहा कि हड़ताल केवल एक दिन काम से विराम नहीं, बल्कि बैंककर्मियों की सामूहिक आवाज है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा करने, लगातार समीक्षा और बढ़ते कार्यभार का प्रभाव कर्मचारियों के व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि संगठन अपने सदस्यों के साथ मजबूती से खड़ा है। हड़ताल में राबिन राज, पंकज, मृगांक और रेशु कुमारी सहित 200 से अधिक बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। संगठन के अनुसार 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय तथा 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी-2026 का आयोजन

औरंगाबाद। जिले के बारुण प्रखंड स्थित केशव उच्च विद्यालय सोननगर में प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता के निमित्त राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बारुण ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस वर्ष संगोष्ठी का मुख्य विषय भारतीय ऊर्जा परिदृश्य 2047: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँह्न रखा गया था।इस अवसर पर बीडीओ-सह-प्रभारी बीईओ ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए वर्तमान पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच विकसित करना आवश्यक है। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, रचनात्मकता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देकर ही भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का समाधान खोजा जा सकता है।प्रतियोगिता के दौरान प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।प्रथम स्थान आयुष कुमार (उत्क्रमित उच्च विद्यालय जगदीशपुर) एवं अलका कुमारी (उत्क्रमित उच्च विद्यालय जनकोप) द्वितीय स्थान अंजलि कुमारी आदि थी।

पांच दिवसीय बैंकिंग समेत लंबित मांगों को लेकर बैंककर्मियों ने किया प्रदर्शन

■ राष्ट्रीयकृत बैंकों में हड़ताल, दरभंगा टावर पर सभा कर सरकार के खिलाफ जताया आक्रोश

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, पीएलआई में भेदभाव समाप्त करने तथा फरवरी 2024 के द्विपक्षीय समझौते में तय मांगों को लागू करने की मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर बैंककर्मियों ने राष्ट्रव्यापी एकदिवसीय हड़ताल की। इसके तहत दरभंगा शहर के राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं के कर्मचारियों ने शाखाएं बंद करने के बाद यूएफबीयू के जिला संयोजक रमण कांत मिश्रा एवं सहसंयोजक शरदंत कुमार के नेतृत्व में दरभंगा टावर पर प्रदर्शन किया और सभा आयोजित की।

सभा को वरिष्ठ बैंकर अजीत कुमार सिंह, आनंद मोहन ठाकुर, रामाधार सिंह, प्रदीप मिश्रा, सुनील झा एवं आलम जी ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि बैंककर्मी वर्ष 2012 से पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। फरवरी 2024 में सरकार और आईबीए के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते में इसे स्वीकार किए जाने के बावजूद लागू नहीं किया जा रहा है।

आईबीओसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज सिंह ने कहा कि सरकार की वादाखिलाफी के कारण बैंककर्मी सड़क पर उतरने को मजबूर हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो 28, 29 एवं 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल तथा 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।सभा को विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के अलावा आईआईबीसी के जिला प्रभारी राजीव चौधरी, सीटू के नारायण झा, किसान सभा के अहमद अली तमन्ना एवं खेत मजदूर यूनियन के चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह ने भी संबोधित किया।

रंगों में उभरा पर्यावरण संरक्षण का संदेश, वाट्सन मध्य विद्यालय में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। वाट्सन मध्य विद्यालय, मधुबनी एवं जिला गंगा समिति (नमामि गंगे), मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के बीच ह्यपेड़ लगाओह्नजीवन बचाओह्न विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण एवं जल संरक्षण, नदियों की स्वच्छता तथा वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता विकसित करना था।प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से पेड़-पौधों की हरियाली, स्वच्छ जल, नदियों के संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, वृक्षारोपण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण जैसे विषयों को चित्रों के जरिए प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की कलाकृतियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का भाव स्पष्ट रूप से नजर आया।

प्रतियोगिता में पूजा कुमारी ने प्रथम, शबा परवीन ने द्वितीय तथा खुशबू कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं आयुष कुमार, काजल कुमारी, निवेदिता कुमारी, आरुषि कुमारी, कविता कुमारी सहित अन्य प्रतिभागियों की पेंटिंग भी सराहनीय रही। सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाध्यापक मीरा कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए विद्यालय स्तर पर इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। बच्चों ने अपनी पेंटिंग के माध्यम से पेड़-पौधों, जल और प्रकृति संरक्षण का जो संदेश दिया है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की विशिष्ट शिक्षिका कुमारी पुष्पम ने किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरूआत घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्र से की जा सकती है। उन्होंने बच्चों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने, जल की बबार्दी रोकने, नदियों को स्वच्छ रखने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को नदियों की निर्मलता, अविरलता एवं पवित्रता बनाए रखने, जल एवं पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहने की शपथ भी दिलाई गई।डीपीओ नमामि गंगे आनंद अंकित ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन और पर्यावरण के आधार हैं। केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिला गंगा समिति (नमामि गंगे) का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को जल, नदी और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना तथा उनमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है।उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही भविष्य के समाज का निर्माण करेंगे। इसलिए उनमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और प्रकृति संरक्षण की भावना विकसित करना आवश्यक है। बच्चों द्वारा पेंटिंग के माध्यम से दिया गया ह्यपेड़ लगाओह्नजीवन बचाओह्न

ड्रोन निगरानी से 141.795 लीटर नेपाली व अंग्रेजी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर की एफ कंपनी, कंपनी मुख्यालय कमला के जवानों ने कार्रवाई करते हुए 141.795 लीटर नेपाली एवं अंग्रेजी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। मौके से दो लोगो को गिरफ्तार किया गया।एसएसबी के अनुसार, शुक्रवार को करीब 1:10 बजे ड्रोन कैमरे से प्राप्त निगरानी सूचना के आधार पर सीमा स्तंभ संख्या 270/15 से करीब 30 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में तालाब के पास विशेष गश्ती दल तैनात था।

इसी दौरान नेपाल की ओर से दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर बोरी लादकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते दिखाई दिए। गश्ती दल को देखते ही दोनों मोटरसाइकिल छोड़कर अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे, जिन्हें एसएसबी जवानों ने घेराबंदी कर पकड़ लिया।तलाशी के दौरान एक मोटरसाइकिल पर रखी पांच बोरियों से 135 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद हुई। वहीं दूसरी मोटरसाइकिल की सीट के नीचे से विभिन्न ब्रांड की 6.795 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। इसके अलावा दोनों मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. आसिफ इकबाल (32), निवासी चढ़ा चौक, थाना मधुबनी, जिला मधुबनी और कृष्ण कुमार, निवासी पचरतन, थाना बासोपट्टी, जिला मधुबनी के रूप में हुई है।एसएसबी के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब नेपाल के इनरवा स्थित मिंटू यादव की शराब भट्ठी से खरीदी गई थी और इसे मधुबनी निवासी शिवम कुमार को सौंपा जाना था। हालांकि, इन दावों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।एसएसबी ने बरामद शराब, दोनों मोटरसाइकिलों, मोबाइल फोन और गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक जब्ती एवं गिरफ्तारी प्रक्रिया के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जयनगर थाना पुलिस को सुपुर्द की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जमीन अधिग्रहण के विरोध में डीएम से मिला प्रतिनिधिमंडल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले के पारु प्रखंड के चतुरपटी, भोजपटटी, हरपुर कपरफोरा,चैनपुर चिउटाहां मौजा के औद्योगिक विकास के नाम 800 एकर जमीन अधिग्रहण कर रही है । इसके विरोध में किसानो ने जिलाधिकारी के जनता दरबार मे शिकायत की है। अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा राज्य अध्यक्ष उदय चौधरी पारू प्रखंड के किसान नेता रामानन्द राम बच्चाबाबू कुमार नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को बताया कि जमीन उपजाऊ है। हमलोगों की जिवीका का एकमात्र साधन खेती है। हमलोग छोटे किसान है भूमि अधिग्रहण कानून में निर्देश है कि जमीन अधिग्रहण करने से पहले ग्राम सभा लगाकर 80 परसेंट किसानो से सहमति मिलने के बाद ही अधिग्रहण कर सकते है। लेकिन नियमो के विपरीत जाकर जिला प्रसासन किसानों का जमिन अधिग्रहण करने का प्रस्ताव भेजा है । यह किसान विरोधी कार्रवाई है। किसानो ने मिलकर एक स्वर से कहा कि वे जान दे देगें ,लेकिन जमीन नहीं देगें। इसके बाद समाहरणालय परिसर स्थित धरनास्थल पर किसानों ने धरना देकर अपना विरोध जताया। धरना कार्यक्रम में जबाहर प्रसाद यादव, विश्वनाथ साह, रामशोभित यादव सरपंच, सुरेश सिंह, रामविलास चौधरी, अनिसुल रहमान, मो नसीम अहमद, योगेन्द्र महतो, समेत लगभग 50 किसान शामिल थे।

चार अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार कई लूटकांडों का हुआ खुलासा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सक्रिय पुलिसिंग के तहत सरैया पुलिस ने बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले चार अपराधियों को अवैध हथियार, कारतूस और मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने लूट की घटनाओं में संलिप्त एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई से जिले में हुई कई लूट की घटनाओं का उद्भेदन हुआ है। पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि सरैया थाना क्षेत्र के अजीजपुर स्थित एक बगीचे में कुछ अपराधी अवैध हथियारों से लैस होकर बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद सरैया थाना की टीम ने बगीचे में छापेमारी कर अभिषेक कुमार, रिकेश कुमार, राहुल कुमार और अमिकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से दो देशी कट्टा, दो कारतूस और दो मोटरसाइकिल बरामद की गयी। इस संबंध में सरैया थाना में कांड दर्ज किया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने सरैया थाना कांड संख्या 668/26 में एक लाख रुपये नकद, बैग, चाबी और मोबाइल लूटने की बात स्वीकार की। बताया गया कि लूट के बाद भागने के दौरान मोटरसाइकिल से गिरने पर आरोपी मोटरसाइकिल, बैग और चाबी छोड़कर फरार हो गये थे। गिरफ्तार आरोपियों की स्वीकारोक्ति और निशानदेही पर पुलिस ने कांड में शामिल अविनाश कुमार को भी लूट के मोबाइल के साथ जख्मी अवस्था में गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने जून के प्रथम सप्ताह में जैतपुर थाना क्षेत्र के धनुकीरा चौक स्थित सीएसपी को लूटने के प्रयास और गोलीबारी की घटना, 3 सितंबर की रात करजा थाना क्षेत्र के मड़वन बाजार स्थित सुविधा किराना दुकान में पिस्टल का भय दिखाकर 21,500 रुपये और मोबाइल लूटने की घटनासमेत सरैया थाना कांड संख्या 423/26 एवं 613/26 में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

उत्तर बिहार के जिलों में 16 सितंबर तक गरज वाले बादलों के साथ बारिश के आसार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मध्यावधि मौसम पूवार्नुमान के अनुसार 12 से 16 सितंबर के बीच उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। 13-14 सितंबर के आसपास कई स्थानों पर गरज वाले बादल बनने तथा बारिश होने की संभावना है। पूवार्नुमान अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को अरहर की बुआई 15 सितंबर तक पूरी करने की सलाह दी है। इसके लिए शरद, पूसा-9 एवं राजेंद्र अरहर-1 जैसी किस्मों का चयन किया जा सकता है। ऊपरी भूमि पर जहां धान की रोपाई नहीं हो सकी है, वहां अरहर की खेती की जा सकती है। प्रति हेक्टेयर 45-50 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होगी। बुआई 30.10-15 सेंटीमीटर की दूरी पर करने की सलाह दी गई है। अनुशंसित उर्वरक के अनुसार प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करने को कहा गया है। बुआई के 25-30 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त मात्रा टॉप ड्रेसिंग के रूप में देने तथा इसके बाद निराई-गुड़ाई करने की सलाह दी गई है। जिंक की कमी वाली मिट्टी में बुआई के समय 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर प्रयोग करने को कहा गया है। धान की फसल में लीफ फोल्डर एवं भूरा माहू के प्रकोप की नियमित निगरानी करने की सलाह दी गई है। देर से बोई गई धान की फसल में जिंक की कमी से होने वाले खैरा रोग की निगरानी करने तथा लक्षण दिखाई देने पर जिंक सल्फेट एवं चूने के घोल का पर्णीय छिड़काव करने की सलाह दी गई है। जल्दी बोई गई धान की फसल में दाना बनने एवं दूधिया अवस्था के दौरान भी निगरानी जरूरी है। इस अवस्था में कीट प्रकोप से दाने सफेद एवं खोखले हो सकते हैं। प्रकोप मिलने पर अनुशंसित कीटनाशी का प्रयोग कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार करने को कहा गया है।

अनियंत्रित ट्रक मटन हाउस में घुसा, दुकान जमींदोज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर-हाजीपुर फोरलेन पर बलिया के समीप शुक्रवार की अहले सुबह तेज रफ्तार बालू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित मटन हाउस में जा घुसा। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर जमींदोज हो गई। हालांकि, सुबह का वक्त होने के कारण दुकान में कोई कर्मचारी या ग्राहक मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। हादसे में ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद चालक को क्षतिग्रस्त केबिन से बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल चालक को पुलिस की मदद से तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुजफ्फरपुर-हाजीपुर फोरलेन पर तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहनों के कारण लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। लोगों ने वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण और मार्ग पर प्रभावी निगरानी व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

अपहृत महिला तीन बच्चो के साथ सकुशल बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले से अपहृत युवक-युवतियों की सकुशल बरामदगी को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तुर्की थाना पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने अपहृत महिला और उसके तीन बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, सात सितंबर को तुर्की थाना क्षेत्र के खखड़ा गांव से जेवरात और रुपये के साथ एक महिला तथा उसके तीन बच्चों के अपहरण की घटना सामने आई थी। इस संबंध में तुर्की थाना में कांड दर्ज किया गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद तुर्की थाना पुलिस ने अपहृत महिला एवं बच्चों की बरामदगी के लिए लगातार प्रयास शुरू किया। मानवीय आसूचना एवं तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला और तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया।बरामदगी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके पश्चात अपहृत महिला एवं तीनों बच्चों को उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला 18 सितंबर को

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, निदेशालय के तत्वावधान में बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर उपलब्ध करवाने हेतु अवर प्रादेशिक नियोजनालय, मुजफ्फरपुर द्वारा18 सितंबर को एक दिवसीय जिला स्तरीय नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेलाका आयोजन किया जाएगा ।यह आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गन्नीपुर मैदान में निर्धारित है। इस मेले में बिहार एवं अन्य राज्यों की 25-30 विभिन्न प्रकार के कंपनियां शामिल होगी। इस अवसर पर विभागीय स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इसके माध्यम से स्वरोजगार एवं विभिन्न योजनाओं से लाभ लने के लिए मार्गदर्शन दिया जायेगा। नियोजन मेला में भाग लेने हेतु बिहार के किसी नियोजनालय में निबंधन होना अनिवार्य है। इस नियोजन मेला में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। यह जानकारी सहायक निदेशक,नियोजन,अवर प्रादेशिक नियोजनालय, मुजफ्फरपुर ने एक प्रेस नोट के माध्यम से दी है।

इंस्टाग्राम रील पर विवाद से सड़कों पर संग्राम, दो गुटों में जमकर मारपीट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सोशल मीडिया पर शुरू हुआ विवाद मुजफ्फरपुर की सड़कों पर हिंसक झड़प में बदल गया। अहियापुर थाना क्षेत्र के जीरोमाइल और बैरिया चाणक्यपुरी इलाके में इंस्टाग्राम रील को लेकर दो नाबालिग छात्राओं के बीच शुरू हुई कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे। बताया गया कि विवाद की शुरूआत सोशल मीडिया पर इंस्टाग्राम रील को लेकर हुई थी। इसके बाद दोनों छात्राओं के बीच कहासुनी हुई और मामला उनके परिजनों तक पहुंच गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया और सड़क पर जमकर मारपीट शुरू हो गई। हिंसक झड़प में एक स्थानीय जनप्रतिनिधि की पत्नी और बेटी समेत परिवार के कई सदस्यों के घायल होने की सूचना है। वहीं, उपद्रव के दौरान घर के बाहर खड़ी जनप्रतिनिधि की स्कॉर्पियो गाड़ी को भी निशाना बनाया गया। आरोप है कि उपद्रवियों ने वाहन पर जमकर पथराव किया, जिससे उसके शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल ने किया स्वामी विवेकानंद की 7 फीट ऊंची ताम्र प्रतिमा का अनावरण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद आता हसनैन गुरुवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे।यहां उन्होंने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर ,बिहार विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की बात फीट ऊंची तांबे से निर्मित प्रतिमा का अनावरण किया। इसी के साथ उन्होंने आईटी सेंटर का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में महामहिम ने कहा कि वे पहले भी यहां आते रहे हैं। आज का दिन उनके लिए इसलिए खास है कि स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की 133 वीं वर्षगांठ पर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में उन्होने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया है। मेरे और विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद जी ने शिकागो में ऐतिहासिक व्याख्यान दिया था, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी पहचान और मजबूत हुई। आज 1893 से 2026 तक के सफर को आप देख सकते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण दिन पर उनकी प्रतिमा का उद्घाटन होना अपने आप में खास है। उन्होंने कहा कि आज आईटी सेंटर का भी उद्घाटन किया गया है। यह भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत सरकार ने समर्थ पोर्टल शुरू किया है और विश्वविद्यालय को इसे पूरी तरह अपनाने के लिए तैयार करने में इस सेंटर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसी तरह के आईटी सेंटर अलग-अलग विश्वविद्यालयों में भी बनाए जा रहे हैं।राज्यपाल ने नव निर्मित विवेकानंद पार्क और विश्वविद्यालय के महाराजा गेट का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सीनेट हॉल पहुंचे, जहां उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से चयनित छात्र प्रतिनिधियों के साथ वीसी अवार्ड से सम्मानित 61 शिक्षक भी शामिल हुए। राज्यपाल से छात्र प्रतिनिधियों के मिलने की भी व्यवस्था की गई थी।इसके बाद राज्यपाल ने शहर के बेला स्थित रामकृष्ण सेवाश्रम की स्थापना के शताब्दी बर्ष पर आयोजित समारोह में भी शिरकत किया।

फरक्का जल संधि के मौजूदा स्वरूप में नवीनीकरण का विरोध

औरंगाबाद। फरक्का जल संधि के मौजूदा स्वरूप में नवीनीकरण के खिलाफ जदयू ने शुक्रवार को रफीगंज विधायक प्रमोद कुमार सिंह के आवास पर पीसी की। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष रामानुज सिंह, जितेंद्र सिंह चंद्रवंशी और बारुण प्रखंड अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कहा कि फरक्का जल संधि के कारण बिहार लंबे समय से जल संसाधन से जुड़े नुकसान झेल रहा है। बिहार के जल अधिकार, सिंचाई, पेयजल और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखे बिना संधि का नवीनीकरण उचित नहीं होगा। नेताओं ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य संजय झा ने 4 सितंबर को बक्सर से संधि के नवीनीकरण के खिलाफ जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। इसके तहत विभिन्न जिलों में लोगों को फरक्का व्यवस्था के प्रभावों की जानकारी दी जा रही है। जदयू नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करीब 15 वर्षों से फरक्का जल संधि को समाप्त करने की मांग करते रहे हैं। जदयू नेताओं ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर 1996 में 30 वर्ष के लिए फरक्का जल संधि हुई थी। इसकी अवधि 12 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। पार्टी का स्पष्ट मत है कि मौजूदा स्वरूप में इसका नवीनीकरण नहीं किया जाना चाहिए। यदि केंद्र सरकार संधि को आगे बढ़ाने पर विचार करती है तो बिहार की 2050 तक की जल जरूरतों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में जल संसाधन सीमित नहीं हैं, लेकिन उनका उपयोग और प्रबंधन राज्य की जरूरत के अनुसार होना जरूरी है। सिंचाई और पेयजल की बढ़ती आवश्यकता के बीच बिहार के हिस्से के पानी और नदी संसाधनों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। गंडक, कोसी सहित अन्य नदियों के जल संसाधनों को लेकर भी राज्य के हितों की रक्षा की मांग की गई। जदयू नेताओं ने फरक्का व्यवस्था से गंगा में गाद जमा होने, नदी के प्रवाह में बदलाव और बाढ़ की समस्या बढ़ने की चिंता जताई।

राज्यपाल से मिलने की जिद पर अड़ा युवक हिरासत में

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन के आगमन के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक अपनी समस्या लेकर राज्यपाल से मिलने की जिद पर अड़ गया। युवक विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर लगातार राज्यपाल से मुलाकात कराने की मांग करता रहा। इससे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के बीच भी कुछ देर के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई। बताया गया कि राज्यपाल के विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचने के दौरान युवक अपनी शिकायत लेकर उनसे मिलना चाहता था। पुलिसकर्मियों ने उसे समझाने और शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ा रहा। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और विश्वविद्यालय गेट के बाहर हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने युवक को पकड़कर पुलिस वाहन में बैठाया और उसे थाने ले गए। इस दौरान विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के बाहर काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। राज्यपाल के कार्यक्रम को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में पहले से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं, कार्यक्रम के दौरान मीडिया की पहुंच को लेकर भी चर्चा रही। घटना के बाद यह सवाल उठने लगा है कि अपनी समस्या लेकर राज्यपाल से मिलने का प्रयास कर रहे युवक को मुलाकात का अवसर क्यों नहीं दिया गया और उसे हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी। हालांकि, युवक की शिकायत क्या थी और उसे हिरासत में लिए जाने का आधिकारिक कारण क्या है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस और प्रशासन की ओर से इस संबंध में आधिकारिक बयान का इंतजार है। घटना ने विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और आम लोगों की शिकायत सुनने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

सांसद के प्रयास से बांध पर शुरू हुआ मरम्मत कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गाय घाट प्रखंड के जांता पंचायत में किशोरी साह के घर से रामू सहनी के घर तक वर्षों से बदहाल पड़े बांध पर मरम्मत कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। जिस स्थान पर अब तक सोलिंग का कार्य नहीं हुआ था और कई वर्षों से टूटे पड़े बांध पर मिट्टी तक नहीं डाली गई थी, वहां अब मरम्मत कार्य शुरू हो गया है।स्थानीय लोगों के अनुसार, लंबे समय से सड़क और बांध की जर्जर स्थिति के कारण आवागमन में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। अब सोलिंग सहित अन्य विकास कार्य शुरू होने से ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण पप्पू निषाद ने बताया कि क्षेत्र की समस्या को मुजफ्फरपुर सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी निषाद के समक्ष रखा गया था। उनके प्रयास से वर्षों से लंबित विकास कार्य अब धरातल पर उतर सका है। उन्होंने कहा कि सांसद की पहल से ग्रामीणों को बड़ी सौगात मिली है। स्थानीय लोगों ने विकास कार्य शुरू होने पर सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी निषाद के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से उपेक्षित इस क्षेत्र में विकास कार्य शुरू होना राहत की बात है। लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की दिशा में सांसद द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

जमीन विवाद सुलझाने बैठी पंचायत में खूनी संघर्ष, सरपंच का सिर फटा, कई घायल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के जमालाबाद पंचायत में जमीन विवाद सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायत अचानक खूनी संघर्ष में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट में जमालाबाद ग्राम कचहरी के सरपंच रामप्रवेश दास गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट में उनका सिर फट गया। वहीं, दूसरे पक्ष के भी कई लोगों के घायल होने की सूचना है। बताया गया कि जमीन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों के बीच पंचायत बैठी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई। पंचायत में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय

लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–04 वर्ष–2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता. : कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया, प0चम्पारण
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि. : 09.09.2026
3. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : 19.09.2026 से 23.09.2026 03:00 बजे अपराह्न से। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4. प्री–बीड मीटिंग की तिथि एवं स्थान : 21.09.2026 के 11.30 बजे पूर्वाह्न, कार्यपालक अभियंता , लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया का कार्यालय।
5. निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : 23.09.2026 के 03.00 बजे अपराह्न तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6. निविदा की तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय : 23.09.2026 के 04.00 बजे अपराह्न। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
7. वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : तकनीकी बीड निष्पादन के बाद।
8. बीड की वैधता अवधि : निविदा खोलने की तिथि से 120 दिनों तक।

कार्य का विवरण :–

ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र मूल्य (रूपये में) (अप्रत्यर्पणीय रूप में)	बेल्ट्रॉन प्रासेसिंग राशि (रूपये में) (अप्रत्यर्पणीय रूप में)	कार्य समाप्ति की अवधि (माह में)
1	2	3	4	5	6	7
1	Construction of new 125mm X 40mm dia X 61 meter deep hand operated T/well with India Mark II Hand Pump with Platform and drain along with Construction of Soak Pit having size 1M dia. & 2M deep for drinking water in place of Non-Functional handpump & Drought affected areas under P. H. Division Bettiah in West Champaran District for the Year 2026-27 (Total-41 Nos.)	38.24603	76500.00	5000.00	As per Online	45 दिन
2	Construction of new 125mm X 40mm dia X 61 meter deep hand operated T/well with India Mark II Hand Pump with Platform and drain along with Construction of Soak Pit having size 1M dia. & 2M deep for drinking water in place of Non-Functional handpump & Drought affected areas under P. H. Division Bettiah in West Champaran District for the Year 2026-27 (Total-40 Nos.)	37.31320	74700.00	5000.00	As per Online	45 दिन

वेबसाईट **www.eproc2.bihar.gov.in** पर प्रकाशित किया जायेगा।

PR- 011555 (Planning) 2026-27

कार्यपालक अभियंता
लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, बेतिया

विस्तृत सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

नवादा में गंगा जलाशय योजना का विरोधः विस्थापन और भूमि अधिग्रहण के खिलाफ उठी किसानों की आवाज

नवादा । संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार के तत्वावधान में नवादा जिला के मोतनाजे और मधुबन में एक विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। यह महापंचायत गंगा जलाशय और पर्यटन स्थल बनाने के नाम पर सदियों से बसे गांवों व खेतों के अधिग्रहण के विरोध में बुलाई गई थी। कार्यक्रम में पहुंचे मैग्सेसे पुरस्कार विजेता जलपुरुष राजेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसान किसी भी कीमत पर अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने समुदाय-आधारित और पर्यावरण-अनुकूल विकास नीतियों पर जोर दिया। वहीं, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी कर कृषि भूमि छीनने की कोशिश की जा रही है। स्तर पर पंचाने नदी के संरक्षण को प्राथमिकता देने की बात भी उठाई गई। महापंचायत में किसान नेताओं ने एकजुट होकर कृषि और गांव बचाने के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करने वाली स्थानीय महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

बड़े बकायेदारों पर नगर निगम सख्त, होल्डिंग टैक्स वसूली को लेकर शुरू हुआ अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर निगम प्रशासन ने होल्डिंग टैक्स समेत अन्य राजस्व की धीमी वसूली को गंभीरता से लेते हुए बड़े बकायेदारों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद नगर निगम की राजस्व शाखा सक्रिय हो गई है और पुलिस बल के सहयोग से फील्ड में बकाया राशि की वसूली की जा रही है। नगर निगम प्रशासन का इस बार बकायेदारों के प्रति सख्त रुख है। राजस्व शाखा की टीम बकायेदारों से संपर्क कर टैक्स जमा कराने की कार्रवाई कर रही है। खासकर बड़े बकायेदारों को चिन्हित कर उनसे लंबित होल्डिंग टैक्स और अन्य राजस्व की राशि वसूलने पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम के राजस्व की वसूली में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कर भुगतान में हीलाहवाली करने वाले बकायेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने करदाताओं से समय पर होल्डिंग टैक्स जमा कर शहर के विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की है।

समेकित स्वास्थ्य शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले के मुसहरी प्रखंड अंतर्गत खबरा पंचायत भवन में शुक्रवार को समेकित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया ' इस स्वास्थ्य शिविर में 200 व्यक्तियों की निःशुल्क बी पी, शुगर,एच आई वी,सिफलिस, हेपटाइटिस, एनीमिया आदि जांच की गई ।साथ ही उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय खबड़ा में इंटेंसिफायड कैंपेन अंतर्गत एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना एवं जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर के आदेशानुसार किया गया ' जिसमें वर्ग नवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा के छात्र एवं छात्रा शामिल हुए ' कार्यक्रम में जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ सी के दास, जिला पर्यवेक्षक एड्स प्रोग्राम जय प्रकाश सिंह, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहें।

पॉक्सो मामले में गायघाट के पूर्व थानेदार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना के पूर्व थानाध्यक्ष राजा सिंह को पॉक्सो से जुड़े एक गंभीर मामले में अदालत से बड़ा झटका लगा है। पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत संख्या-एक के न्यायाधीश धीरेंद्र मिश्रा ने आरोपित पूर्व थानेदार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने समन मिलने के बावजूद आरोपित के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने को गंभीरता से लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष न्यायाधीश ने अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। अदालत के इस आदेश के बाद पूर्व थानेदार राजा सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब उनकी गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। मामले में न्यायालय के आगे के आदेश और पुलिस की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

सम्पादकीय

बेटियों के सपनों की राह में अब भय नहीं सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला देर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती है। महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है। महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च और आमदनी जैसी अनेक चिंताएं परेशान करती थीं। आज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी मूलभूत समस्याओं को दूर करना भी सुरक्षा के व्यापक अर्थ में शामिल किया जाना चाहिए। बेटी की सुरक्षा का सबसे बड़ा परिणाम उसके सपनों की स्वतंत्रता में दिखाई देता है। यदि एक लड़की को यह भरोसा हो कि विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र या नौकरी तक जाने के रास्ते में उसके साथ कानून खड़ा है तो उसके आत्मविश्वास में स्वाभाविक वृद्धि होती है। यही आत्मविश्वास आगे चलकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में भागीदारी बढ़ाता है। इसलिए महिला सुरक्षा को केवल अपराध के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापा जाना चाहिए कि कितनी बेटियां बिना भय के अपनी पसंद की शिक्षा और रोजगार चुन पा रही हैं।

एक बातचीत किसी की जिंदगी बचा सकती है

कांतिलाल मांडोत

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी परेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है। किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे लोगों से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पूछने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है। ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं, बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है। युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता।

भारत की तंबाकू नियंत्रण नीति में है बड़ी खामी

सीओटीपीए के तहत तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, नाबालिगों को बिक्री, पैकेजिंग और स्वास्थ्य चेतावनी जैसे कई नियम हैं। लेकिन यदि किसी उत्पाद में तंबाकू की जगह केवल निकोटिन है तो सवाल उठता है कि उस पर यही नियम किस आधार पर लागू किए जाएं। कानून को केवल उसकी भावना के आधार पर नहीं चलाया जा सकता। प्रशासन यह मानकर किसी नए उत्पाद को पुराने कानून में नहीं ला सकता कि उसका स्वास्थ्य पर प्रभाव समान है। इसके लिए स्पष्ट कानूनी आधार जरूरी है। कुछ लोग निकोटिन पाउच को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत नियंत्रित करने की बात कर सकते हैं। लेकिन यह रास्ता भी आसान नहीं है। ई-सिगरेट ऐसे उपकरण हैं जिनमें किसी पदार्थ को गर्म करके एरोसोल बनाया जाता है। निकोटिन पाउच में न तो कुछ जलाया जाता है और न ही एरोसोल बनाया जाता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

भारत में तंबाकू नियंत्रण के सामने अब एक नई चुनौती खड़ी हो रही है। बाजार में ऐसे निकोटिन पाउच तेजी से दिखाई देने लगे हैं, जिनमें तंबाकू की पत्ती नहीं होती, लेकिन निकोटिन मौजूद रहता है। छोटे और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले ये पाउच अलग-अलग स्वादों में उपलब्ध हैं। इन्हें दुकानों के साथ-साथ ऑनलाइन भी बेचा जा रहा है। एक अध्ययन में ऐसे निकोटिन पाउच देश के 10 में से 7 शहरों में पाए गए। इनमें निकोटिन की मात्रा भी काफी अधिक थी। इससे साफ है कि यह केवल भविष्य की समस्या नहीं है, बल्कि भारत के बाजार में इसकी मौजूदगी बढ़ रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि तंबाकू न होने के कारण मौजूदा कानूनों में इन उत्पादों की सही जगह स्पष्ट नहीं है। भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए मुख्य कानून सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम यानी सीओटीपीए, 2003 है। यह कानून मुख्य रूप से उन उत्पादों पर लागू होता है जिनमें तंबाकू मौजूद है। इसलिए तंबाकू-मुक्त निकोटिन पाउच को सीधे सीओटीपीए के तहत रखना आसान नहीं है। यही कानूनी खामी कंपनियों और विक्रेताओं के लिए रास्ता खोल सकती है। सीओटीपीए के तहत तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, नाबालिगों को बिक्री, पैकेजिंग और स्वास्थ्य चेतावनी जैसे कई नियम हैं। लेकिन यदि किसी उत्पाद में तंबाकू की जगह केवल निकोटिन है तो सवाल उठता है कि उस पर यही नियम किस आधार पर लागू किए जाएं। कानून को केवल उसकी भावना के आधार पर नहीं चलाया जा सकता। प्रशासन यह मानकर किसी नए उत्पाद को पुराने कानून में नहीं ला सकता कि उसका स्वास्थ्य पर प्रभाव समान है। इसके लिए स्पष्ट कानूनी आधार जरूरी है। कुछ लोग निकोटिन पाउच को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत नियंत्रित करने की बात कर सकते हैं। लेकिन यह रास्ता भी आसान नहीं है। ई-सिगरेट ऐसे उपकरण हैं जिनमें किसी पदार्थ को गर्म करके एरोसोल बनाया जाता है। निकोटिन पाउच में न तो कुछ जलाया जाता है और न ही एरोसोल बनाया जाता है। इसे केवल इसलिए ई-सिगरेट मान लेना कि दोनों में निकोटिन होता है, कानूनी रूप से कमजोर तर्क हो सकता है। इसलिए सरकार को इस बारे में स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाने की जरूरत है। खाद्य सुरक्षा कानून के तहत खाद्य पदार्थों में तंबाकू और निकोटिन के इस्तेमाल पर रोक है। लेकिन हर ऐसी चीज जिसे मुंह में रखा जाता है, जरूरी नहीं कि वह कानूनी रूप से खाद्य पदार्थ भी हो। निकोटिन पाउच का इस्तेमाल मुंह में किया जाता है, लेकिन इससे वह अपने आप खाद्य पदार्थ नहीं बन जाता। इसलिए केवल खाद्य सुरक्षा कानून के सहारे इनके पूरे बाजार को नियंत्रित करना भी आसान नहीं होगा। अलग-अलग कानूनों के बीच स्पष्टता और आपसी तालमेल जरूरी है। निकोटिन का इस्तेमाल कुछ चिकित्सकीय उत्पादों में भी होता है। उदाहरण के लिए निकोटिन गम और पैच जैसे उत्पाद धूम्रपान छोड़ने में मदद के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं और इन पर औषधि संबंधी नियम लागू होते हैं। इसलिए सरकार को निकोटिन पाउच की प्रकृति और उनके दावों के आधार पर यह स्पष्ट करना चाहिए कि कोई उत्पाद चिकित्सकीय उपयोग का है या केवल मनोरंजक इस्तेमाल के लिए बाजार में लाया गया है। हर निकोटिन उत्पाद को दवा मान लेना सही नहीं होगा और हर उत्पाद को दवा के दायरे से बाहर रखना भी उचित नहीं होगा। हाल में निकोटिन पाउच की बिक्री को लेकर मुंबई हवाई अड्डे की ड्यूटी-फ्री दुकानों का मामला भी सामने आया। इससे पता चलता है कि इन उत्पादों की कानूनी स्थिति को लेकर सरकार और कारोबारियों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। ऐसे मामलों में केवल कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि किस कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है और उसकी कानूनी सीमा क्या है। सरकार को इस मामले में जल्दबाजी में ऐसा आदेश नहीं निकालना चाहिए जो बाद में अदालत में टिक न पाए। सबसे पहले यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि किन परिस्थितियों में निकोटिन युक्त मौखिक उत्पादों को दवा माना जाएगा और किन परिस्थितियों में नहीं। इसके लिए वैज्ञानिक प्रमाण और मौजूदा कानून दोनों को आधार बनाया जाना चाहिए। साथ ही निकोटिन पाउच के आयात पर भी सख्ती की जरूरत है। सीमा शुल्क, विदेश व्यापार महानिदेशालय और औषधि नियामकों के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए, ताकि बिना उचित अनुमति के आने वाली खेपों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। स्वास्थ्य मंत्रालय, औषधि नियामक, खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण, सीमा शुल्क और राज्य स्तर के संबंधित विभागों के बीच भी एक साझा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। अभी अलग-अलग विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर अस्पष्टता दिखाई देती है। इसका फायदा कारोबारी उठा सकते हैं। यदि किसी उत्पाद की कानूनी स्थिति ही स्पष्ट नहीं होगी तो उसका प्रभावी नियमन कैसे होगा, यह सवाल स्वाभाविक है। ऑनलाइन बिक्री पर भी विशेष ध्यान देना होगा। आज कोई भी नया उत्पाद केवल बाजार की दुकानों तक सीमित नहीं रहता। ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स के माध्यम से वह कुछ ही घंटों में उपभोक्ता तक पहुंच सकता है। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने से पहले उत्पाद की कानूनी स्थिति, विक्रेता की जानकारी और आयु सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं जरूरी होनी चाहिए। बिना अनुमति या स्पष्ट कानूनी स्थिति वाले उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री से हटाने की व्यवस्था भी प्रभावी होनी चाहिए। युवाओं को इन उत्पादों से बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए स्पष्ट स्वास्थ्य चेतावनी, न्यूनतम आयु सीमा, बच्चों से सुरक्षित पैकेजिंग और युवाओं को आकर्षित करने वाले स्वाद तथा विज्ञापन पर नियंत्रण जैसे उपाय जरूरी हैं। लेकिन इन सभी उपायों का आधार मौजूदा कानून होना चाहिए। सरकार केवल कार्यकारी आदेश के माध्यम से ऐसा नया कानून नहीं बना सकती जो संसद के अधिकार क्षेत्र में आता हो। सरकार के तत्काल कदम जरूरी हैं, लेकिन वे स्थायी समाधान नहीं हैं। स्थायी समाधान संसद को करना होगा। सीओटीपीए में संशोधन किया जा सकता है या निकोटिन उत्पादों के लिए एक नया व्यापक कानून बनाया जा सकता है। ऐसे कानून में अलग-अलग निकोटिन उत्पादों के लिए अलग श्रेणियां बनाई जा सकती हैं, जैसे ज्वलनशील तंबाकू, धुआंरहित तंबाकू, ई-सिगरेट, मौखिक निकोटिन पाउच और चिकित्सकीय निकोटिन उत्पाद।

11 सितंबर - एक ओर विवेकानंद का विश्वबंधुत्व, दूसरी ओर आतंकवाद का भयावह चेहरा

11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद का आयोजन हुआ था। इसी मंच से स्वामी विवेकानंद ने भारत की सनातन आध्यात्मिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए दुनिया के सामने भारतीय चिंतन की उदारता को रखा। उनका संबोधन केवल एक धार्मिक भाषण नहीं था। उसमें मानवता को जोड़ने वाली वह दृष्टि थी, जो कहती है कि सत्य तक पहुंचने के रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन मनुष्य का अंतिम लक्ष्य शांति, सत्य और कल्याण होना चाहिए। उनके संबोधन की शुरूआत ह्लअमेरिकावासी बहनों और भाइयोंह्व जैसे आत्मीय संबोधन से हुई और यही संबोधन तत्कालीन श्रोताओं के मन को छू गया। स्वामी विवेकानंद की दृष्टि किसी एक समुदाय, संप्रदाय या देश तक सीमित नहीं थी। वह भारतीय दर्शन की उस परंपरा से निकली थी, जिसमें समूची पृथ्वी को परिवार के रूप में देखने का भाव मिलता है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का मूल यही है कि संसार विभाजन का नहीं, संबंध का विषय है। मनुष्य की पहचान केवल उसकी भाषा, पूजा-पद्धति, जाति, क्षेत्र या राष्ट्र से नहीं हो सकती। सबसे बड़ी पहचान उसकी मानवता है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा ने कभी यह नहीं कहा कि सत्य पर किसी एक व्यक्ति, समुदाय या विचार का एकाधिकार है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

इतिहास की कुछ तारीखें केवल कैलेंडर का हिस्सा नहीं होती है। वे अपने भीतर पूरी सभ्यता के लिए संदेश, चेतावनी और आत्ममंथन का अवसर लेकर आती हैं। 11 सितंबर भी ऐसी ही एक तारीख है, जो मानवता के सामने दो बिल्कुल विपरीत तस्वीरें प्रस्तुत करती है। एक तस्वीर वर्ष 1893 की है, जब भारत के युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका की धरती पर खड़े होकर दुनिया को भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का संदेश दिया। दूसरी तस्वीर वर्ष 2001 की है, जब उसी अमेरिका की धरती ने आतंकवाद की ऐसी भयावह त्रासदी देखी, जिसने पूरी दुनिया को हिला दिया। एक घटना मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है, तो दूसरी मनुष्य के भीतर छिपी नफरत और विनाशकारी मानसिकता का भयावह परिणाम दिखाती है। एक ओर अध्यात्म, प्रेम, स्वीकार्यता और सहिष्णुता है, तो दूसरी ओर कट्टरता, हिंसा, घृणा और विनाश। इसलिए 11 सितंबर केवल इतिहास को याद करने की तारीख नहीं है, बल्कि यह पूछने का दिन भी है कि आखिर मानव सभ्यता किस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहती है? 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद का आयोजन हुआ था। इसी मंच से स्वामी विवेकानंद ने भारत की सनातन आध्यात्मिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए दुनिया के सामने भारतीय चिंतन की उदारता को रखा। उनका संबोधन केवल एक धार्मिक भाषण नहीं था। उसमें मानवता को जोड़ने वाली वह दृष्टि थी, जो कहती है कि सत्य तक पहुंचने के रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन मनुष्य का अंतिम लक्ष्य शांति, सत्य और कल्याण होना चाहिए। उनके संबोधन की शुरूआत ह्लअमेरिकावासी बहनों और भाइयोंह्व जैसे आत्मीय संबोधन से हुई और यही संबोधन तत्कालीन श्रोताओं के मन को छू गया। स्वामी विवेकानंद की दृष्टि किसी एक समुदाय, संप्रदाय या देश तक सीमित नहीं थी। वह भारतीय दर्शन की उस परंपरा से निकली थी, जिसमें समूची पृथ्वी को परिवार के रूप में देखने का भाव मिलता है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का मूल यही है कि संसार विभाजन का नहीं, संबंध का विषय है। मनुष्य की पहचान केवल उसकी भाषा, पूजा-पद्धति, जाति, क्षेत्र या राष्ट्र से नहीं हो सकती। सबसे बड़ी पहचान उसकी मानवता है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा ने कभी यह नहीं कहा कि सत्य पर किसी एक व्यक्ति, समुदाय या विचार का एकाधिकार है। भारतीय चिंतन में विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, बल्कि अस्तित्व की स्वाभाविक सुंदरता माना गया है। स्वामी विवेकानंद इसी विचार को लेकर दुनिया के सामने उपस्थित हुए थे। उनका संदेश था कि धार्मिक विविधता को लेकर संघर्ष करने के बजाय एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करना चाहिए। सहिष्णुता से आगे बढ़कर स्वीकार्यता का भाव पैदा होना चाहिए। सहिष्णुता का अर्थ कई बार यह होता है कि हम दूसरे को सहन कर रहे हैं। लेकिन स्वीकार्यता उससे कहीं आगे की अवस्था है, जहां हम दूसरे की भिन्नता का सम्मान करते हैं। यही वह विचार है जिसकी आज की दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता है। ठीक 108 वर्ष बाद, 11 सितंबर 2001 को अमेरिका ने इतिहास की सबसे भयावह आतंकवादी घटनाओं में से एक का सामना किया। न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और वॉशिंगटन के पेंटागन पर हुए आतंकवादी हमलों ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। हजारों निर्दोष लोगों की जान गई। परिवार उजड़ गए। शहर की पहचान बदल गई और दुनिया की सुरक्षा तथा आतंकवाद के प्रति सोच भी हमेशा के लिए प्रभावित हुई। वह दिन केवल अमेरिका का दुख नहीं था। वह पूरी मानवता के लिए एक चेतावनी थी कि जब विचारधारा के नाम पर नफरत को बढ़ाया जाता है, जब कट्टरता को विवेक पर हावी होने दिया जाता है और जब निर्दोष मनुष्यों को दुश्मन मान लिया जाता है, तब उसका परिणाम कितना विनाशकारी हो सकता है। 11 सितंबर 2001 ने दुनिया को आतंकवाद का वह चेहरा दिखाया, जिसमें इंसान की जिन्दगी की कीमत विचारधारा से कम कर दी जाती है। 11 सितंबर की दोनों घटनाओं को साथ रखकर देखें तो इतिहास का एक गहरा संदेश सामने आता है। 1893 का 11 सितंबर कहता है कि मनुष्य को जोड़ो। 2001 का 11 सितंबर चेतावनी देता है कि नफरत को मत बढ़ने दो। एक तरफ स्वामी विवेकानंद का संदेश था कि विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के बीच संवाद और सम्मान होना चाहिए। दूसरी तरफ आतंकवादी हिंसा ने दिखाया कि कट्टरता और घृणा जब चरम पर पहुंचती है तो वह मानव जीवन को भी साधन समझने लगती है। एक घटना ने दुनिया को आध्यात्मिक शक्ति दिखाई। दूसरी घटना ने दुनिया को हिंसक मानसिकता की विनाशकारी शक्ति दिखाई। एक ने सभ्यता को ऊंचा उठाने का रास्ता बताया, दूसरी ने सभ्यता के सामने आत्मविनाश का खतरा खड़ा कर दिया। दुनिया के इतिहास में युद्ध हुए, साम्राज्य बने और टूटे, सीमाएं बदली, राजनीतिक व्यवस्थाएं बदली। लेकिन हर युग ने अंततः यही साबित किया कि हिंसा स्थायी शांति नहीं दे सकती है। नफरत कुछ समय के लिए भीड़ को उन्माद दे सकती है, लेकिन समाज को स्थायी शांति नहीं दे सकती है। कट्टरता किसी व्यक्ति को अपने विचार में अडिग बना सकती है, लेकिन उससे मानवता मजबूत नहीं होती है। हिंसा डर पैदा कर सकती है, लेकिन सम्मान नहीं। आतंक लोगों को झुका सकता है, लेकिन दिल नहीं जीत सकता है। इसलिए किसी भी सभ्य समाज का अंतिम लक्ष्य केवल आर्थिक विकास या सैन्य शक्ति नहीं हो सकता। उसके साथ मानवीय चेतना का विकास भी जरूरी है।

जल बचाने की मुहिम में जनभागीदारी जरूरी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में पानी की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कई इलाकों में भूजल स्तर नीचे जा रहा है, तालाब और कुएं सूख रहे हैं तथा खेती और पीने के पानी के लिए भूजल पर निर्भरता बढ़ रही है। ऐसे समय में पानी बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं हो सकती। इसमें आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। इसी सोच के साथ ह्यजल संचय जन भागीदारीह्ण अभियान शुरू किया गया है। 6 सितंबर 2024 को शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को बचाना, भूजल स्तर बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर पानी के स्रोतों को मजबूत करना है। इसके तहत कम खर्च में जल संरक्षण की संरचनाएं बनाने, पुराने और बंद पड़े नलकूपों को फिर से उपयोगी बनाने तथा स्थानीय जरूरत के अनुसार जल संरक्षण के उपाय करने पर जोर दिया जा रहा है। इस अभियान की खास बात यह है कि इसमें सरकार के साथ आम जनता, पंचायतें, सामाजिक संगठन और कंपनियां भी जुड़ सकती हैं। इसका आधार तीन ह्यसीह्ण हैं—समुदाय, कंपनियों का सामाजिक दायित्व और लागत। यानी समुदाय की भागीदारी, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी और कम खर्च में जल संरक्षण। इससे जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-अभियान बनाने की कोशिश की जा रही है। इस दिशा में बड़ी संख्या में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गई हैं। पहले चरण के तहत मई 2025 तक देश में 27 लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गईं। इसके बाद जून 2025 में दूसरा चरण शुरू किया गया। मई 2026 तक डेढ़ करोड़ से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जा चुकी थीं। 3 सितंबर 2026 तक यह संख्या एक करोड़ 58 लाख से अधिक हो गई। यह आंकड़ा बताता है कि देश में जल संरक्षण को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। लेकिन केवल संरचनाएं बना देना ही काफी नहीं है। उनका सही स्थान पर बनना, नियमित रखरखाव और सही उपयोग भी जरूरी है। यदि बारिश का पानी इन संरचनाओं तक पहुंचे ही नहीं या कुछ वर्षों बाद वे मिट्टी और कचरे से भर जाएं तो उनका उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसलिए स्थानीय लोगों को इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। भारत में पानी बचाने की परंपरा पहले से रही है। गांवों में तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और छोटे बांध लोगों की जरूरत पूरी करते थे। हरियाणा और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में आज भी पुराने जल स्रोत इसकी याद दिलाते हैं। आधुनिक विकास के दौरान हमने इन स्रोतों की उपेक्षा की और भूजल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल शुरू कर दिया। अब समय है कि पुरानी समझ को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जाए। इसी उद्देश्य से जल संचय जन भागीदारी को ह्यवर्षा जल संचयनह्ण अभियान से भी जोड़ा गया है। जून 2026 में इसे ह्यजल शक्ति अभियान—वर्षा जल संचयनह्ण के साथ मिलाकर नया रूप दिया गया। इसका सीधा संदेश है—बारिश की हर संभव बूंद को व्यर्थ बहने से रोकना और उसे जमीन में पहुंचाना। जल संकट का एक बड़ा कारण खेती में पानी का अधिक इस्तेमाल भी है। कई किसान ऐसी फसलें उगाते हैं जिनमें बहुत अधिक पानी लगता है। भूजल निकालने के लिए लगातार नलकूप चलाए जाते हैं। इससे जमीन के नीचे का पानी तेजी से कम होता है। इसलिए पानी बचाने के लिए फसल विविधता, बूंद-बूंद सिंचाई, फुहार सिंचाई और कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देना जरूरी है। जल संरक्षण में ग्राम पंचायतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। हर गांव अपना जल बजट तैयार कर सकता है। इसमें यह देखा जाए कि गांव में सालभर में कितना पानी आता है, कितना पानी खेती और घरों में खर्च होता है और कितना पानी जमीन में वापस पहुंचाया जा सकता है। इससे लोगों को अपने क्षेत्र में पानी की वास्तविक स्थिति समझने में मदद मिलेगी। विद्यालय और महाविद्यालय भी इस काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को केवल किताबों में जल संरक्षण पढ़ाने के बजाय विद्यालय परिसर में वर्षाजल संचयन, पौधारोपण और पानी की बचत की व्यवस्था करनी चाहिए। बच्चों के माध्यम से पानी बचाने का संदेश घरों तक भी पहुंच सकता है। 1 और 2 सितंबर 2026 को हुए जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय सम्मेलन में भी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। जल संरक्षण के साथ जल जागरूकता, प्रशिक्षण, राज्यों के बीच अनुभव साझा करने और पानी से जुड़े सही आंकड़े तैयार करने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। यह जरूरी है, क्योंकि पानी की समस्या हर राज्य और हर क्षेत्र में एक जैसी नहीं है। कहीं बाढ़ की समस्या है तो कहीं सूखे की। जल संरक्षण को सफल बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि लोगों की सोच बदले।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

भगवान श्री कृष्ण के छठीयार पर देर रात चला रहा भंडारा

गड़खा। सारण जिला के गड़खा के समीप सराय बक्स स्थित श्रीधर बाबा के मठिया पर चल रहा ऐतिहासिक सवा महीने 37 दिवसीय अखंड महाअष्ट्याम में भगवान श्री कृष्ण का छठियार धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मंदिर में पूजन के लिए काफी भीड़ उमड़ी ।इस दौरान मसरख और इसुआपुर से आए भक्तों द्वारा भंडारा चलाया गया। जिसमें देर रात्रि तक श्रद्धालु भक्त और मेला घूमने आए हुए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया इस दौरान परमजीत गुरुदेव श्रीधर बाबा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण से ही पूरी सृष्टि की रचना हुई है और उनके शरण में आए हुए बिना सुख शांति समृद्धि संपत्ति प्राप्त नहीं हो सकती। भगवान श्री कृष्ण के पूजन से ही समस्त देवी देवताओं का पूजन का लाभ प्राप्त होता है ।महाअष्ट्याम की पूणार्हुति 7 अक्टूबर को होगी। सोशल मीडिया पर अष्ट्याम महायज्ञ की चर्चा जोड़-शोर से हो रही है। सारण जिला के अलावा गोपालगंज सिवान हाजीपुर आरा मुजफ्फरपुर आदि जिला से भी व्यास मण्डली महामंत्र गाने आ रहे हैं।

जिले के विभिन्न थानों में थानाध्यक्ष द्वारा रॉल कॉल का किया गया आयोजन

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न थानों में थानाध्यक्ष द्वारा प्रत्येक दिन रॉल कॉल किया जा रहा है। रॉल कॉल के दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति की समीक्षा की जाती है तथा ड्यूटी एवं कर्तव्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। रॉल कॉल के माध्यम से पुलिसकर्मियों में अनुशासन, कर्तव्य के प्रति तत्परता एवं जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सदैव सजग रहने का निर्देश दिया गया।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

दरियापुर। डेरनी थाना क्षेत्र के विश्वंभरपुर निवासी एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतका ललन मिश्रा की 50 वर्षीया पत्नी सीमा देवी बताई जाती है ।घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार मृतका अपने पुत्र के साथ बाइक से मढ़ौरा थाना क्षेत्र के आवारी गांव स्थित मायके जा रही थी ।इसी बीच अमनौर थाना क्षेत्र के पैगा बाजार के समीप तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई ।जबकि बाइक चला रहा पुत्र घायल हो गया ।घटना के उपरांत स्थानीय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया ।विदित हो कि मृतका के पुत्री की शादी दिसंबर माह में होने वाली थी ।जिसको लेकर वह मायके जा रही थी।

जेपीयू के क्रीड़ा समिति की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

छपरा सदर। जेपीयू के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के आदेश पर शुक्रवार को जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के सीनेट हॉल में विश्वविद्यालय क्रीड़ा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर अजित कुमार तिवारी ने की। बैठक में विश्वविद्यालय क्रीड़ा समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। विशेष आमंत्रण पर पूर्व क्रीड़ा सचिव प्रोफेसर विश्वामित्र पांडे भी उपस्थित थे। बैठक में कई महाविद्यालयों के क्रीड़ा प्रभारी उपस्थित थे। इस बैठक में संशोधित स्पोर्ट्स कैलेंडर सहित अन्य 10 विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। क्रीड़ा निदेशक द्वारा प्रभारियों को आगामी अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के आयोजन समिति में अपनी भागीदारी निभाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही संशोधित स्पोर्ट्स कैलेंडर तथा विश्वविद्यालय में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु कई प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा हुई संलग्न है। बैठक में क्रीड़ा समिति के सदस्य व डीन साइंस व प्राचार्य जगदम कॉलेज प्रोफेसर के पी श्रीवास्तव, प्रॉक्टर व पूर्व क्रीड़ा सचिव प्रोफेसर विश्वामित्र पांडे ने भी विचार रखे। अध्यक्षीय उद्बबोधन में प्रोफेसर तिवारी ने विश्विद्यालय में खेल गतिविधियां बढ़ाने पर जोर दिया।

बाढ़ में डूबे बिनटोली के लिए मसीहा बने मांझी के दाऊद

अलीमांझी (सारण)। जहां शनिवार की रात दाहा नदी का रिंग बांध टूटने के बाद इमादपुर बिनटोली गांव चारों तरफ से बाढ़ के पानी में घिर गया है और लोग दाने-दाने को मोहताज हैं, वहीं मांझी के सामाजिक कार्यकर्ता दाऊद अली बाढ़ पीड़ितों के लिए देवदूत बनकर उभरे हैं। बिनटोली गांव बीन जाति बहुल है और इस गांव में एकलौता मुस्लिम परिवार सुफियान मियां का है। इसी सुफियान मियां के दरवाजे पर मंगलवार से दाऊद अली द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस भंडारे में गांव के महिला, पुरुष और बच्चे एक साथ पंगत में बैठकर गरमा-गरम भोजन कर तृप्त हो रहे हैं।

जिला पदाधिकारी के द्वारा लोक शिकायत के 17 मामलों की सुनवाई करते हुए समाधान किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के द्वारा शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई और शिकायत का निवारण किया। जिला पदाधिकारी द्वारा लोक शिकायत के कुल 17 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें 06 मामले में अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया तथा शेष 11 मामले में पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

'सबका सम्मान, जीवन आसान' प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 'जनता के दरबार में जिलाधिकारी', आम लोगों की समस्या का करते है निराकरण

- जिलाधिकारी ने शुक्रवार को 91 लोगों की समस्या को सुना कार्रवाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को जिलाधिकारी आमलोगों से मुलाकात कर उनकी समस्या को सुन रहे हैं। जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित किया जा रहा है। शुक्रवार को जनता दरबार में उपस्थित सभी 91 लोगों की समस्या को जिलाधिकारी ने सुना तथा कार्रवाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। जनता दरबार में अधिकांश मामले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के थे। इसके अतिरिक्त जिला परिषद, आईसीडीएस, भू अर्जन, निबंधन, अभिलेखागार, आर्म्स तथा शिक्षा से संबंधित मामले थे , जिनका एक एक करके निष्पादन किया जा रहा है। सभी आवेदनों के संदर्भ में भी समस्या के निराकरण के लिये कार्रवाई का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

सरकारी अस्पतालों की बदलेगी सूरत, रंग-रोगन से लेकर मरीज सुविधाओं तक का होगा कायाकल्प

- जिला अस्पताल से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक की सुधार की तैयारी
- मरीजों के लिए पेयजल, शौचालय और बैठने की बेहतर व्यवस्था होगी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को बेहतर और सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराने के लिए अब अस्पताल भवनों से लेकर मरीजों के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने का अभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के जिला अस्पतालों से लेकर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर-आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक रंग-रोगन, लघु मरम्मत, पेयजल, बैठने, पंखे, शौचालय और अन्य आवश्यक मरीज सुविधाओं को बेहतर करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि ने सभी जिलाधिकारी और सिविल सर्जन को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया है। विभाग का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को केवल उपचार का केंद्र बनाने के बजाय मरीजों के लिए स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान के रूप में विकसित करना है। इसके लिए स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध राशि का उपयोग रोगी कल्याण समिति और जन आरोग्य समिति की सहभागिता से किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घर के नजदीक बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने और अनावश्यक रेफरल को नियंत्रित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। इसी क्रम में अस्पतालों की आधारभूत व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया है।

पहले तय होगी जरूरत, फिर शुरू होंगे काम: स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिया है कि किसी भी स्वास्थ्य संस्थान में काम शुरू करने से पहले वहां की वास्तविक जरूरतों का आकलन किया जाए। जिला अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, रेफरल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रोगी कल्याण समिति की कार्यकारी समिति जरूरत और उपलब्ध राशि के अनुसार प्राथमिकता सूची तैयार करेगी। इसके बाद इस सूची को रोगी कल्याण समिति के शासी निकाय से अनुमोदित कराया जाएगा। वहीं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर-आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए जन आरोग्य समिति से प्राथमिकता सूची का अनुमोदन कराना अनिवार्य किया गया है।

31 अक्टूबर तक पूरा करना होगा काम: स्वीकृत प्राथमिकता सूची के अनुसार चिन्हित सभी कार्यों को 31 अक्टूबर 2026 तक पूरा कराने का निर्देश दिया गया है। संबंधित संस्थान और समितियां कार्यों के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार होंगी, जबकि रोगी कल्याण समिति का शासी निकाय इनके पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी निभाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि काम को केवल रंग-रोगन तक सीमित नहीं रखा जाएगा। मरीजों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एकमा में चार ट्रकों की टक्कर से छपरा-सिवान एनएच-531 पर ढाई घंटे लगा जाम, छह लोग घायल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा/एकमा (सारण)। एकमा थाना क्षेत्र में छपरा-सिवान मुख्य मार्ग एनएच-531 पर अलख नारायण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के समीप शुक्रवार की अहले सुबह लगभग 2:30 बजे चार ट्रकों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और देखते ही देखते कई किलोमीटर तक जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। करीब ढाई घंटे तक परिचालन बाधित रहने से यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दुर्घटना में चालक और सहचालक समेत करीब छह लोगों के जख्मी होने की सूचना है। इनमें एक चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जबकि अन्य को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही एकमा थानाध्यक्ष रामबालक यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में फंसे चालक को जेसीबी की मदद से बाहर निकलवाया और इलाज के लिए एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटनास्थल के समीप पहले से एक ट्रक खड़ा था। इसी दौरान छपरा की ओर से आ रहे एक ट्रक ने खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रहे अन्य ट्रक भी एक-दूसरे से टकराते चले गए। हादसे में फंसे चालक की पहचान डोरीगंज थाना क्षेत्र के सिंगही गांव निवासी शिवजी राय के 28 वर्षीय पुत्र उपेंद्र राय के रूप में हुई है। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, छपरा रेफर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जेसीबी और हाइवा की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटवाया। वाहनों को हटाने के बाद जाम में फंसे वाहनों को धीरे-धीरे निकाला गया। करीब ढाई घंटे बाद एनएच-531 पर यातायात सामान्य हो सका।

सड़क किनारे खड़े ट्रकों से हादसे का खतरा: स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-531 पर कई स्थानों पर दिन-रात सड़क किनारे ट्रक खड़े रहते हैं। कई जगह झुंड में ट्रकों की पार्किंग के कारण सड़क संकरी हो जाती है, जिससे रात में गुजरने वाले वाहनों को काफी परेशानी होती है। लोगों के अनुसार सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े ट्रकों के कारण दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से अनधिकृत पार्किंग पर रोक लगाने तथा सड़क किनारे खड़े वाहनों की नियमित निगरानी की व्यवस्था करने की मांग की है।

'नशा मुक्त सारण' अभियान के तहत कुल 1926.71 लीटर अवैध शराब बरामद एवं 06 शराब कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा जिलान्तर्गत विभिन्न जगहों पर अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान नशा मुक्त सारणह्व चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध सफल आसूचना संकलन एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों द्वारा छापामारी कर कुल-1926.71 लीटर शराब बरामद कर 06 शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया तथा पकड़ाये थानान्तर्गत बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत कांड दर्ज किया गया है। इस छापामारी के क्रम में स्कार्पियो-कार-02, मोटरसाईकिल-05 एवं कार-01 बरामद किया गया है।

केनरा बैंक के कर्मचारी रहे हड़ताल पर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। शुक्रवार को सारे बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों का देशव्यापी एक दिवसीय उड़ताल संपन्न हुआ। इसी कर्म में क्षेत्रीय कार्यालय सारण में केनरा बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी हड़ताल रहा। इसका मुख्य कारण पाँच दिवसीय बैंकिंग, पी एल आई को समानता हेतु आदि है। इस हड़ताल में बैंक कर्मियों के आक्रोश देखने को मिला। जिसका प्रतिनिधित्व क्षेत्रीय सचिव अभिमन्यु कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष नितेश कुमार, जिला सचिव सुदीप श्रीवास्तव, सौरभ सिन्हा, प्रभु नारायण सिन्हा, ऋषिकेश कुमार, मनोज कुमार, राजेश कुमार, अतुल कुमार, जमील अंसारी, अलोक कुमार, गोपाल कान्त उपाध्यक्ष आदि शामिल थे। इस कड़ी में बैंक अधिकारियों के अनुसार अगर उपर्युक्त माँगे सरकार नहीं मानी गई तो 28 सितंबर से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी और फिर भी हमारी ने नहीं मानी गई के दिनांक 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

दरियापुर मंडल में भाजपा का कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर। स्थानीय भाजपा के पश्चिमी एवं मध्य मंडल की संयुक्त कार्यशाला का मंडल अध्यक्ष सह सरपंच मंटू बाबा के आवास पर आयोजन किया गया ।कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर होने वाले सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई ।इसके साथ ही अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष बदरुल हक को मंडल की ओर से सम्मानित करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी गई ।कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा नेता राकेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष श्रीनिवास सिंह एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश ओझा रहे। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मोनू सिंह ने व संचालन मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा ने किया ।इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, अशोक सिंह, पूर्व मुखिया हरी सहनी, गोपाल तिवारी, मनोज ठाकुर, मुकेश दुबे, जयमाला देवी, अमरेश सिंह, बच्चा पाण्डेय, जय सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीसरे दिन भी धरना पर रहे कर्मी

- धरनार्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक धरना चलता रहेगा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। धरना के तीसरे दिन जय प्रकाश महिला कालेज छपरा संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को ले कर धरना पर शांति पूर्ण बैठे रहे । धरनार्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक धरना चलता रहेगा।

संविदा कर्मचारी का कहना है कि एक साथ एक ही पत्र के आलोक मे बहाल विश्विद्यालय के आदेश से हम लोगों के साथ बहाल कर्मचारी बिपिन कुमार और अन्य कर्मचारी जो विश्वविद्यालय के कैम्प्स में कार्यरत है। उनका भुगतान नियमित विश्वविद्यालय लगातार कर रहा है परन्तु हम सभी कर्मचारी जो महाविधालय में कार्यरत हैं उनका भुगतान विगत 13 माह से नहीं मिल रहा है जब की वर्ष 2008 से वर्ष 2010तक नियमित भुगतान हम सभी कर्मचारी का साथ होता था। कैसा अंधा न्याय है।

हम सभी कर्मचारी भूख मरी के कगार पर हैं। और बिपिन और अन्य कर्मचारी का भुगतान हो रहा है। धरना पर शांति से सुभाष चंद्र भास्कर मुकेश कुमार सिंह सुजीत कुमार प्रभात प्रमोद रंजन जी, ओम प्रकाश श्रीवास्तव और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

शराब कांड में फरार नामजद आरोपित गिरफ्तार, एक शराबी भी पकड़ा गया

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। थाना क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार और शराब सेवन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी क्रम में परसा थाना पुलिस ने शराब धंधेबाजी के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे नामजद आरोपित को गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया.पुलिस की कार्रवाई से शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है.पुलिस के अनुसार, परसा थाना कांड संख्या 435/26 शराब धंधेबाजी से संबंधित मामले में बलिगांवा गांव निवासी गनौर सहनी के पुत्र सूरज सहनी को नामजद आरोपित बनाया गया था. कांड दर्ज होने के बाद से ही वह पुलिस की गिरफ्त से बचता फिर रहा था. इसी बीच पुलिस को उसके बलिगांवा गांव में मौजूद होने की गुप्त सूचना मिली.सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने गांव में छापेमारी कर फरार चल रहे नामजद आरोपित सूरज सहनी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित से आवश्यक पूछताछ की तथा उसके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शुक्रवार को उसे छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया गया.

शराब पीकर हंगामा करने वाला भी गिरफ्तार: इधर, परसौना गांव में शराब पीकर हंगामा कर रहे एक व्यक्ति को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया. पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर हंगामा कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान थाना क्षेत्र के परसौना निवासी छठु महतो के पुत्र विनय महतो के रूप में हुई है. पुलिस ने उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत सनहा दर्ज करते हुए आवश्यक कार्रवाई की और उसे भी छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया.पुलिस की लगातार हो रही कार्रवाई से क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार और शराब सेवन पर अंकुश लगाने की कोशिश तेज हो गई है.पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराब से जुड़े मामलों में फरार आरोपितों तथा शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों पर हंगामा करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

हड़ताल के कारण बैंकों का कार्य रहा ठप

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। बैंक कर्मचारियों-अधिकारियों के 98% प्रतिनिधित्व करने वाले यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आह्वान पर शुक्रवार को यहां भारतीय स्टेट बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों में कामकाज ठप रहा. बैंक कर्मचारी-अधिकारियों ने स्टेट बैंक, सेंट्रल बैंक,पंजाब बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बरोदा, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, यूनियन बैंक, केनरा बैंक के सामने प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने आईसीआईसीआई,एचडीएफसी, एक्सिस और आईडीबीआई को भी बंद करा दिया. प्रदर्शन का नेतृत्व स्टेट बैंक के सुभाष सिंह, पंकज शर्मा,बृजेश कुमार, श्वेता सिंहा, पंजाब नेशनल बैंक के अमर कुमार, एस एन पाठक,अरुण कुमार, संजीत मिश्रा,सेंट्रल बैंक के जयशंकर प्रसाद,कुमार निकुंज,राहुल राणा, ओम प्रकाश राम, इंडियन बैंक के मनोज कुमार ठाकुर, योगेश्वर पासवान, बैंक ऑफ बड़ौदा के गौरव कुमार, नरेंद्र वर्मा, रमाशंकर यूनियन बैंक के सुमित कुमार, इंद्रजीत कुमार, तौसीफ दानिश केनरा बैंक के सुदीप श्रीवास्तव, मनोज कुमार राय, अतुल कुमार,बैंक ऑफ इंडिया के अमित ओझा, अमलेश कुमार तिवारी, प्रमोद कुमार, यूको बैंक विकास कश्यप सहित दिव्या सिंह, सुश्री किरण, विभूति नारायण शर्मा, कुमार शशि भूषण, टी एन तिवारी, दसई लाल भक्त, अभिषेक कुमार, विवेक कुमार, प्रकाश चंद्र, अनिल कुमार, सुनील कुमार,प्रमोद कुमार, राहुल कुमार आदि ने किया. उक्त बातों की जानकारी सदस्य यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक यूनियन, सारण छपरा के जयशंकर प्रसाद ने दी।

उपभोक्ता रहे परेशान: बैंकों में शुक्रवार को रहे हड़ताल के कारण उपभोक्ता बहुत परेशान रहे क्योंकि किसी भी बैंक के द्वारा कोई भी लेनदेन का कार्य नहीं किया गया। जिसके चलते व्यापार भी ठप रहा एवं व्यापारी वर्ग भी परेशान दिखे। आम पब्लिक को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां बताते चलें कि सारण जिले में करीब 129 शाखाएं बंद रही जिसमें करीब 25 करोड़ नकदी सहित 200 करोड़ का लेनदेन प्रभावित हुआ। वहीं जिले में हड़ताल में 700 कर्मचारियों अधिकारियों ने अपनी सहभागिता दिखाई तथा बैंकों का कार्यकाल पूर्ण रूप से रूप से ठप कराया। यहां तक की हड़ताली अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्राइवेट बैंक को भी बंद कर दिया।

जीएस बंगरा गांव में कृषि कार्य के लिए लगाए गए बिजली तारों की चोरी से किसानों में नाराजगी

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर। प्रखंड के माधोपुर पंचायत अंतर्गत जीएस बंगरा गांव में कृषि कार्य के लिए लगाए गए बिजली के खंभों से तार गायब होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में करीब 50 से अधिक पोल से बिजली के तार चोरी कर लिए गए हैं। इससे किसानों के खेतों तक बिजली पहुंचने की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग और प्रशासन से मामले की गहन जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि सरकार की ओर से कृषि कार्य को बढ़ावा देने और किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गांवों के खेतों तक बिजली पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। बिजली के खंभे और तार लगाए जाने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि सिंचाई के लिए बिजली की सुविधा मिलेगी। लेकिन तार गायब होने से यह व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के तारों को खंभों से उतारकर ले जाना किसी सामान्य व्यक्ति के लिए आसान नहीं है। तार चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच कई तरह की चचार्एं हैं। कुछ ग्रामीणों ने विभागीय स्तर पर जांच की आवश्यकता जताते हुए कहा कि इस मामले में बिजली विभाग के कर्मचारियों या संबंधित ठेकेदारों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग में पर्याप्त मानवबल और कर्मियों की व्यवस्था होने के बावजूद रातों-रात तार गायब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। प्रत्येक पंचायत में बिजली व्यवस्था के रखरखाव और देखरेख की जिम्मेदारी संबंधित कर्मियों को दी गई है। ऐसे में कृषि बिजली व्यवस्था से जुड़े तारों की सुरक्षा और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। किसानों ने कहा कि बिजली की सुविधा मिलने से खेतों में सिंचाई आसान होती है और फसल उत्पादन में भी मदद मिलती है। तार चोरी होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मांग की कि गायब तारों का सत्यापन कराया जाए, घटना की जांच कराई जाए और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्राकृतिक खेती अपनाने से कम होगी रासायनिक खाद पर निर्भरता

प्रात : किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)। प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में शुक्रवार को प्राकृतिक खेती एवं समसामयिक कृषि विषयों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आत्मा के उप परियोजना निदेशक शमशेर आलम एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रदीप कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों को पौधे भी वितरित किए गए ।कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने, संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग तथा फसलों में कीट प्रबंधन की जानकारी दी गई। किसानों से रासायनिक खाद एवं अन्य रासायनिक इनपुट पर निर्भरता कम करने की अपील की गई। साथ ही जैविक खाद, जैव उर्वरक, जीवामृत एवं घनजीवामृत जैसे प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया ।आत्मा के उप परियोजना निदेशक शमशेर आलम ने किसानों को आत्मा योजना के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण, किसान भ्रमण, प्रदर्शन एवं कृषि प्रसार कार्यक्रमों का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने आधुनिक और टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने पर भी जोर दिया ।कार्यक्रम में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सत्यम कुमार, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी बबलू कुमार, कृषि समन्वयक सुनील द्विवेदी, हरिशंकर सिंह, रंजन पांडे, आत्मा अध्यक्ष हरेंद्र सिंह, बीस सूत्री उपाध्यक्ष अशोक कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जीविका दीदियों की वार्षिक आम सभा: महिला सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर। जलालपुर प्रखंड अंतर्गत समृद्धि जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वर्ष 2025-26 की वार्षिक आम सभा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। समिति से जुड़ी सैकड़ों महिला सदस्यों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा में अधिकारियों ने समिति की गतिविधियों, योजनाओं और आजीविका संवर्धन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। मुख्य अतिथि के रूप में जीविका जिला कार्यालय से प्रबंधक संचार दीपक कुमार, प्रबंधक रोजगार शशि शेखर आजाद, प्रखंड परियोजना प्रबंधक नेहा कुमारी, कोपा नगर पंचायत चेयरमैन गुस्तामी खान तथा प्रखंड स्तरीय क्षेत्रीय समन्वयक सरोज कुमारी ने सदस्यों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान समिति की अध्यक्ष चन्द्रावती देवी ने वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समिति ने 15 लाख रुपये की आय अर्जित की है। इस अवसर पर प्रखंड परियोजना प्रबंधक नेहा कुमारी ने कहा, ह्वमहिला सशक्तिकरण की असली बुनियाद आर्थिक स्वतंत्रता है। जब हर महिला के पास अपना बैंक खाता, बचत और उद्यम होगा, तभी वह परिवार और समाज में निर्णय लेने की भागीदार बनेगी।

सभी दीदियां वित्तीय समावेशन से जुड़ें, डिजिटल लेन-देन अपनाएं और स्वयं सहायता समूहों को मजबूत कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ें। सभा का संचालन सरोज कुमारी ने किया। सभा के दौरान समिति की अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों पर चर्चा हुई। बेहतर कार्य करने वाले सभी कैडरों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड स्तर के सभी कर्मी सहित सैकड़ों जीविका दीदियां एवं समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 12 सितंबर, 2026

सिन्हा सामुदायिक रसोई पहुंचे सीओ, भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई की जांच

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए संचालित सामुदायिक रसोई की प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में अंचलाधिकारी अंशु प्रसून ने सिन्हा स्थित सामुदायिक रसोई का निरीक्षण किया। उन्होंने रसोई की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और भोजन वितरण की स्थिति का जायजा लिया। सिन्हा की सामुदायिक रसोई में प्रतिदिन 300 से अधिक बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन कराया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोगों के लिए तैयार हो रहे भोजन को देखते हुए सीओ ने भोजन की गुणवत्ता और तैयार करने की प्रक्रिया की बारीकी से जांच की। उन्होंने रसोई में तैनात कर्मियों से भोजन की व्यवस्था की जानकारी ली तथा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने सामुदायिक रसोई में भोजन करने पहुंचे बाढ़ पीड़ितों से भी बातचीत की। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, समय पर भोजन मिलने तथा रसोई में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। सीओ ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। अंशु प्रसून ने संबंधित कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर पर्याप्त, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि राहत कार्य में लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। बाढ़ के कारण बड़हरा के कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित है। ऐसे में सामुदायिक रसोई प्रभावित परिवारों के लिए बड़ी राहत बनी हुई है। प्रशासन की ओर से राहत व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि बाढ़ पीड़ितों तक आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंचाई जा सकें।

इज ऑफ लिविंग के तहत कोईलवर अंचल में हुई जन सुनवाई

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर अंचल कार्यालय में शुक्रवार को इज ऑफ लिविंग अभियान के तहत जन सुनवाई का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने जन सुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों एवं आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। सुनवाई में राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह भी मौजूद रहे इस दौरान विभिन्न पंचायतों से आए लोगों ने भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, सीमांकन, रास्ते से संबंधित विवाद सहित राजस्व से जुड़े मामलों को लेकर अपनी शिकायतें अंचलाधिकारी के समक्ष रखीं। अंचलाधिकारी ने बारी-बारी से सभी फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित दस्तावेजों की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद राजस्व कर्मियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को शिकायतों की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि आम लोगों को अंचल कार्यालय से जुड़े कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जन सुनवाई के दौरान अधिकारियों ने लोगों को सरकारी प्रावधानों एवं राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी। सीओ ने कहा कि जन सुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से समाधान करना है। उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त किया कि प्राप्त शिकायतों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सकड्डी से दो बाल श्रमिक मुक्त, नियोजकों पर कार्रवाई की तैयारी

कोईलवर। श्रम अधीक्षक के निर्देश पर धावा दल ने शुक्रवार को प्रखंड के विभिन्न प्रतिष्ठानों में निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान सकड्डी बाजार स्थित चाय दुकान, होटल समेत अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान दो बाल श्रमिकों को काम करते हुए पाया गया। धावा दल ने दोनों बाल श्रमिकों को मुक्त कराकर बाल कल्याण समिति के सुपुर्द कर दिया। कार्रवाई में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुगीता कुमारी, राजेश कुमार राय समेत गुड़िया कुमारी शामिल थीं। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुगीता कुमारी ने बताया कि बाल श्रमिकों को नियोजित किए जाने के मामले में संबंधित नियोजकों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मुसाफिर चाय दुकान के संचालक अजय राय तथा चंपारण मीट हाउस के संचालक राजेश कुमार के विरुद्ध विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नगर के विकास को लेकर शाहपुर नगर पंचायत बोर्ड की मासिक बैठक आयोजित

शाहपुर। शाहपुर नगर पंचायत कार्यालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को नगर पंचायत बोर्ड की मासिक बैठक मुख्य पार्षद जुगनू देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नगर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सबसे पहले पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं कार्यवाही की संपुष्टि की गई। इसके बाद नगर क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मौजूद वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याओं को मुख्य पार्षद एवं कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष रखा। पार्षदों ने सड़क, नाली, जलजमाव, साफ-सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को जल्द दूर कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि वार्डों में कई योजनाएं लंबित हैं, जिनके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने पर भी जोर दिया गया। मुख्य पार्षद जुगनू देवी ने नगर के समुचित विकास के लिए सभी वार्डों आवश्यकता अनुसार कार्य कराने की बात कही। बैठक में पार्षदों ने विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर भी विशेष ध्यान देने की मांग की। अधिकारियों ने संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। बैठ के मौजूद लोगों में कार्यपालक पदाधिकारी शुभम तिवारी नगर पंचायत के उपाध्यक्ष झुनीया देवी, वार्ड पार्षद मधुबाला कुमारी आरती देवी मनोज पासवान मोहम्मद जागीर आलम, कनीय अभियंता जय नंदन चौधरी, प्रधान सहायक सुशील कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

कटान पीड़ितों के बीच पहुंचीं अभिनेत्री पाखी हेगड़े, बांटी राहत सामग्री

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा के भीषण जलस्तर और तेज कटान से बड़हरा प्रखंड के पिपरपांती गांव में तबाही का मंजर है। नदी के कटाव में कई परिवारों के आशियाने उजड़ चुके हैं और प्रभावित ग्रामीण खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। इसी संकट की घड़ी में भोजपुरी फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री पाखी हेगड़े मुंबई से पिपरपांती गांव पहुंचीं और कटान पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने प्रभावित लोगों के बीच आवश्यक राहत सामग्री का वितरण भी किया। गांव में कटान से हुई तबाही और बेघर हुए परिवारों की स्थिति देखकर अभिनेत्री भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों की मेहनत से अपना घर-परिवार बसाया, उनके आशियाने को आंखों के सामने गंगा में समाते देखना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर राहत कार्य की अपनी सीमाएं हैं, जबकि बड़े पैमाने पर सहायता और पुनर्वास की जिम्मेदारी सरकार की है। उनका प्रयास है कि कटान पीड़ितों की समस्याओं और उनकी आवाज को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाया जाए।

पाखी हेगड़े ने बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पानी उतरने के बाद गंदगी, दूषित पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्रभावित गांवों में नियमित स्वास्थ्य जांच, दवाओं की उपलब्धता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। स्थानीय ग्रामीणों ने अभिनेत्री के इस मानवीय पहल की सराहना की। ग्रामीणों ने सरकार से पिपरपांती में स्थायी कटानरोधी कार्य कराने, बेघर परिवारों के पुनर्वास और उचित मुआवजा देने की मांग की है।

जिम भवन और विद्यार्थी प्रतीक्षालय का उद्घाटन, वीकेएसयू में विद्यार्थी सुविधाओं के विस्तार पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्वामी सहजानंद ब्रह्मर्षि महाविद्यालय में नवनिर्मित जिम भवन और विद्यार्थी प्रतीक्षालय का उद्घाटन शुक्रवार को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने किया। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के विकास, विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि सभी के सहयोग और सामूहिक प्रयास से वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है तथा यूजी से पीजी तक का शैक्षणिक सत्र नियमित हुआ है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि बिहार के विश्वविद्यालयों में वीकेएसयू को अग्रणी स्थान मिले। इसके लिए कई योजनाओं पर काम किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। कुलसचिव प्रो. राम कृष्ण ठाकुर ने कहा कि महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। सीनेटर सह हिंदी विभाग के प्रो. बलिराज ठाकुर ने महाविद्यालय के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए स्वामी सहजानंद सरस्वती के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने सरकारी एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में महाविद्यालय का पूरा नाम अंकित किए जाने पर जोर दिया। सीसीडीसी प्रो. अनुज रजक ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने महाविद्यालयों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालयों को विद्यार्थी हित में लगातार कार्य करते रहना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कुलपति के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। संचालन डॉ. दिव्या कुमारी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीषा कुमारी ने किया। समारोह में डॉ. पूनम कुमारी, बर्सर डॉ. अरविंद कुमार, प्रो. गौरी शंकर प्रधान, डॉ. शशि भूषण राय, डॉ. आनंद भूषण पांडे, डॉ. भवप्रीता कुमारी, डॉ. अभिनव आनंद, डॉ. स्मिता ठाकुर, डॉ. अनुपमा सिंह, डॉ. सद्दाम हुसैन, डॉ. महफूज अशरफ, डॉ. महताब इमाम, डॉ. श्वेता गौरव, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, डॉ. आशा रानी, डॉ. प्रेमलता, डॉ. मिथिलेश कुमार गिरी, डॉ. राधिका रमण सिंह, डॉ. अशोक कुमार तिवारी, डॉ. राकेश कुमार, रमेश कुमार, सुमीर कुमार, कृष्ण भास्कर कुमार, अनील कुमार, सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

शराब सेवन के आरोप में पांच गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। गीधा थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शराब सेवन के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब के सेवन व बिक्री पर अंकुश लगाने को लेकर चलाए जा रहे अभियान को बल मिला है। गिरफ्तार आरोपितों में गीधा थाना क्षेत्र के गीधा गांव निवासी प्रदीप राम के पुत्र अजित कुमार उर्फ मोहित कुमार, अशोक कुमार के पुत्र किशोर कुमार तथा बाबू नंद राम के पुत्र सुमित कुमार शामिल हैं। इनके अलावा कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के जोकरही गांव निवासी जितेंद्र राम के पुत्र राहुल कुमार तथा उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मसाढ़ गांव निवासी राजू राम के पुत्र प्रभात कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गीधा थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि पुलिस को आरोपितों के शराब सेवन किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी पांचों को गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपितों को जेल भेज दिया गया है।

पीजी में अब भारतीय ज्ञान परंपरा पढ़ेंगे विद्यार्थी, 33 विषयों का विकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा को वैल्यू एडेड कोर्स के रूप में लागू किया जाएगा। इसे लेकर शुक्रवार को कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी की अध्यक्षता में एकेडमिक काउंसिल एवं सिंडिकेट की विशेष बैठक हुई। बैठक में लोक भवन से प्राप्त प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। प्रस्ताव के अनुसार पीजी प्रोग्राम के सेमेस्टर वन एवं टू में क्रेडिट वाले वैल्यू एडेड कोर्स के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा के 33 विषयों को शामिल किया गया है। विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार इन विषयों में से किसी एक का चयन कर सकेंगे। यानी अपने मूल पीजी विषय, जैसे भौतिकी, इतिहास, वाणिज्य आदि के साथ विद्यार्थी आईकेएस के किसी विषय का अध्ययन करेंगे। प्रस्तावित विषयों में वैदिक गणित, प्राचीन खगोल विज्ञान, भारतीय संस्कृति एवं नैतिकता, प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व, पारंपरिक भाषाएं एवं साहित्य, योग एवं व्यावहारिक विज्ञान, पर्यावरण एवं प्राचीन तकनीक, पारंपरिक वास्तुकला एवं वास्तुशास्त्र, प्राचीन भारतीय मनोविज्ञान, आहार-पोषण एवं घरेलू उपचार, धर्म-कर्म विमर्श तथा भागवत गीता दर्शन सहित विभिन्न विषय शामिल हैं। आईकेएस को वीएसी के रूप में शामिल करने से विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन, संस्कृति, विज्ञान, शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान-विधाओं को अकादमिक दृष्टिकोण से समझने का अवसर मिलेगा। बैठक में विश्वविद्यालय परिसर स्थित जिम के संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओपी राय, कुलसचिव प्रो. रामकृष्ण ठाकुर, प्रॉक्टर डॉ. नीरज कुमार, डीन प्रो. ललित सागर समेत कई शिक्षक एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

लेफ्टिनेंट बने विकास को बधाइयों का तांता मुख्य पार्षद ने घर पहुंचकर दी शुभकामनाएं

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित कोईलवर निवासी विकास कुमार को बधाई देने वालों का सिलसिला लगातार जारी है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है और विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक लोगों द्वारा उनके घर पहुंचकर शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार की देर शाम कोईलवर नगर पंचायत के मुख्य पार्षद सरताज आलम उर्फ सोनू खान विकास कुमार के घर पहुंचे और उन्हें बुके और अंग वस्त्र भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्य पार्षद के साथ कई लोग भी मौजूद रहे। मौके पर पूर्व मुख्य पार्षद विनोद कुमार ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। मुख्य पार्षद सरताज आलम उर्फ सोनू खान ने कहा कि विकास कुमार ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे कोईलवर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विकास कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे सेना में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए देश की सेवा करें। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी विकास कुमार को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वीकेएसयू: यूजी सेमेस्टर-III और V का परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा ने स्नातक (यूजी) सेमेस्टर-III (सीबीसीएस) सत्र 2025-29 और सेमेस्टर-V (सीबीसीएस) सत्र 2024-28 के विद्यार्थियों को राहत दी है। विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन परीक्षा-प्रपत्र भरने की तिथि बढ़ा दी है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी सूचना के अनुसार अब विद्यार्थी 11 सितंबर से 21 सितंबर 2026 तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। विश्वविद्यालय के अनुसार संबंधित छात्र-छात्राएं निर्धारित अवधि के भीतर अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन परीक्षा-प्रपत्र भर सकते हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर Student Portal Login के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। परीक्षा फॉर्म भरने के बाद निर्धारित परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान भी करना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्राचार्यों को तिथि विस्तार की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। कॉलेजों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग देने के लिए भी कहा गया है। तिथि बढ़ाए जाने से उन विद्यार्थियों को विशेष राहत मिलेगी, जो किसी कारणवश पूर्व निर्धारित अवधि में परीक्षा फॉर्म नहीं भर सके थे। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते ऑनलाइन परीक्षा-प्रपत्र भरकर शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर लें।

वीकेएसयू एमबीए में नामांकन का एक और मौका चयनित छात्र 14 सितंबर तक ले सकेंगे दाखिला

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के एमबीए विभाग में सत्र 2026-28 में नामांकन को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। विश्वविद्यालय की ओर से 1 सितंबर 2026 को जारी नामांकन सूची में चयनित वैसे अभ्यर्थी, जो किसी कारणवश 10 सितंबर तक अपना नामांकन नहीं करा सके हैं, उन्हें अब एक और अवसर दिया गया है। ऐसे चयनित छात्र 14 सितंबर 2026 तक एमबीए में अपना नामांकन करा सकते हैं। एमबीए विभाग की ओर से 11 सितंबर को जारी सूचना में कहा गया है कि निर्धारित अवधि में नामांकन नहीं करा पाने वाले चयनित अभ्यर्थी अब अंतिम अवसर के रूप में 14 सितंबर तक नामांकन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। विभाग ने विद्यार्थियों से निर्धारित तिथि का ध्यान रखते हुए समय पर सभी आवश्यक कागजात के साथ नामांकन कराने की अपील की है। नामांकन के लिए वीकेएसयू से स्नातक करने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन की छायाप्रति, प्रवेश पत्र, मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट अंक प्रमाण पत्र, स्नातक पार्ट-3 का प्रवेश पत्र एवं अंक प्रमाण पत्र, जाति/आरक्षण प्रमाण पत्र तथा महाविद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी। साथ ही दो पासपोर्ट साइज फोटो भी जमा करना होगा।

सामुदायिक किचेन में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की एसडीएम ने की जांच

- किचन में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

शाहपुर प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ से विस्थापित परिवारों के लिए संचालित सामुदायिक किचेन की व्यवस्था और भोजन की गुणवत्ता की जांच को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने शुक्रवार को विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। इसी क्रम में जगदीशपुर एसडीएम ओमप्रकाश लाल ने देवमलपुर बहदुरी पंचायत में संचालित सामुदायिक किचेन का निरीक्षण किया। उन्होंने किचेन में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जांच के दौरान भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। बताया गया कि उक्त सामुदायिक किचेन में करीब 450 विस्थापित परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। वहीं, शाहपुर प्रखंड की सभी पंचायतों में संचालित 28 सामुदायिक किचेन की भी विभिन्न नोडल पदाधिकारियों द्वारा जांच-पड़ताल की गई। जांच अभियान को लेकर पूरे दिन किचेन संचालकों, जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित कर्मियों में हलचल बनी रही। सीओ आनंद प्रकाश ने बताया कि बहोरनपुर पंचायत के बुझाराय के डेरा स्थित सामुदायिक किचेन को फिलहाल बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार जिन स्थानों पर विस्थापित परिवारों को भोजन की जरूरत होगी, वहां सामुदायिक किचेन पुनः संचालित किया जाएगा।

रोहतास के डेहरी में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

रोहतास। रोहतास जिले के डेहरी नगर थाना क्षेत्र के गांधीनगर स्थित वार्ड नंबर-24 में उस वक्त सनसनी फैल गई। जब किराए के मकान में रह रहे एक 24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान पवन कुमार के रूप में हुई है जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि पवन कुमार पिछले करीब चार वर्षों से डेहरी के गांधीनगर इलाके में किराए के मकान में रह रहा था और स्थानीय हिंदी सिनेमा कैंपस स्थित एक दुकान में मोमो बनाने का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही डेहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया जिसने कमरे और आसपास के इलाके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक ने कमरे की खिड़की के ऊपर पर्दा लगाने के लिए लगे लोहे के रॉड के सहारे फांसी लगाई।

बाढ़ के पानी में डूबने से मजदूर की मौत, सुबह पानी में उपलाता मिला शव

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। सिन्हा थाना क्षेत्र के कवल छपरा गांव में काली मंदिर के समीप बाढ़ के पानी में डूबने से 45 वर्षीय मजदूर की मौत हो गयी. शुक्रवार की सुबह शौच के लिए निकली महिलाओं ने पानी में शव उपलाता देखा. महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकाला. इसके बाद घटना की सूचना सिन्हा थाना पुलिस को दी गयी.

ग्रामीणों के अनुसार, कवल छपरा गांव निवासी वीरबहादुर यादव गुरुवार की रात घर पर खाना खाने के बाद अपने डेरा पर सोने के लिए जा रहे थे. गांव में बाढ़ का पानी फैला हुआ था. पानी से बचने के लिए वह काली मंदिर के समीप बनी दीवार पर चढ़कर आगे बढ़ रहे थे. इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वह दीवार से नीचे बाढ़ के पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गये. रात का समय होने के कारण आसपास कोई मौजूद नहीं था. पानी अधिक होने के कारण वह गड्ढे से बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गयी.

शुक्रवार की सुबह महिलाओं ने पानी में शव को उपलाते देखा तो शोर मचाया. आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकाला. सूचना मिलने पर सिन्हा थानाध्यक्ष राजू कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, आरा भेज दिया.

मृतक की पहचान स्वर्गीय बद्री यादव के 45 वर्षीय पुत्र वीरबहादुर यादव के रूप में हुई है. वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे.

उनकी पत्नी का नाम शीला देवी है. मृतक की कोई संतान नहीं थी. घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया. पत्नी समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आपदा राहत के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है

मुंडेश्वरी धाम रेल लाइन निर्माण संघर्ष समिति ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। आरा-मुंडेश्वरी धाम रेल लाइन निर्माण की मांग को लेकर आरा मुंडेश्वरी धाम रेल लाइन निर्माण संघर्ष समिति, शाहाबाद के संयोजक सह अधिवक्ता विनोद वर्मा ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ई-मेल के माध्यम से आज ज्ञापन भेजा है। श्री वर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से आरा से मुंडेश्वरी धाम तक प्रस्तावित रेल लाइन के निर्माण की दिशा में शीघ्र ठोस पहल करने की मांग की है। उन्होंने बताया की 14/12/2008 को भारत सरकार के तत्कालीन केंद्रिय रेल मंत्री लालू प्रसाद जी ने 147 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना का शिलान्यास किया था जिसका अनुमानित लागत राशि 490 करोड़ थी जो 2013 तक बनाए जाने का लक्ष्य था परन्तु आज तक यह परियोजना सरकार के उपेक्षा पूर्ण नीति के कारण अधर में लटका हुआ है। श्री वर्मा ने कहा कि मुंडेश्वरी धाम देश के प्राचीन एवं महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। रेल सुविधा के अभाव में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है उन्होंने बताया कि 1955 में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने 1857के महानायक वीर कुंवर सिंह के ऐतिहासिक जन्मस्थली जगदीशपुर को रेल लाईन से जोड़ने की घोषणा के बाद भी यह परियोजना रेल मंत्रालय के ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। श्री वर्मा ने कहा कि आरा-मुंडेश्वरी धाम रेल लाइन के निर्माण से न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि शाहाबाद क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने के साथ रोजगार एवं व्यापार के नए अवसर भी पैदा होंगे शाहाबाद क्षेत्र के विकास वो समृद्धि के दृष्टिकोण से यह रेल लाईन परियोजना शाहाबाद क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उक्त परियोजना को लेकर संघर्ष समिति ने विगत कई वर्षों से क्षेत्र में आंदोलन चलाया जा रहा है वहीं देश के प्रधानमंत्री वो रेल मंत्री के नाम से खुल पत्र भी जनसंपर्क अभियान चला कर वितरीत किया गया है उन्होंने ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि ऐतिहासिक,जनहित एवं धार्मिक पर्यटन के महत्व को देखते हुए आराझमुंडेश्वरी धाम रेल लाइन निर्माण की परियोजना को प्राथमिकता देते हुए जय आवश्यक कार्रवाई की जाए। समिति ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस लंबे समय से चली आ रही मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर शाहाबाद क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात देगी। उन्होंने बताया कि जब तक परियोजना पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक संघर्ष समिति अपनाआंदोलन जारी रखेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों के समक्ष भी इस मुद्दे को मजबूती से उठाया जाएगा।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 12 सितंबर, 2026

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला क्षेत्र को ले जिला प्रशासन पुरी तरह से तैयार

● पितृपक्ष मेला हाईटेक तैयारी, बच्चों को मिलेंगे दफकोड वाले बैंड

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए दफकोड बैंड के साथ साथ 2500 बेड की टेंट सिटी, एवं मुफ्त बस-ई-रिक्शा, पितृपक्ष मेला क्षेत्र में 73 स्वास्थ्य शिविर और 24 घंटे कंट्रोल रूम समेत कई विशेष इंतजाम किए गए हैं। गया जी मे शुरू होने वाले पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय महा मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुगम आवागमन को लेकर प्रशासन ने कई आधुनिक एवं अनूठी पहल की हैं। इस बात की जानकारी जिलाधिकारी शंशाक शुभंकर ने मिडिया को बताया कि इस बार प्रशासन का मुख्य फोकस मेले को पूरी तरह व्यवस्थित, स्वच्छ एवं श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने पर है। इस आस्था के सेलाब में भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बच्चे को क्यूआर कोर्ड अंतरराष्ट्रीय पितृपक्ष मेले में अक्सर भीड़ के कारण बच्चों के परिजनों से बिछड़ने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए इस बार जिला प्रशासन ने विशेष दफकोड बैंड की व्यवस्था की है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट पर पहुंचने वाले बच्चों को यह बैंड पहनाया जाएगा। दफकोड में बच्चे के माता-पिता का विवरण एवं संपर्क नंबर दर्ज रहेगा। यदि बच्चा भीड़ में बिछड़ जाता है तो पुलिसकर्मी, वॉलिंटियर एवं कोई अन्य व्यक्ति अपने मोबाइल से दफकोड स्कैन कर तुरंत उसके परिजनों से संपर्क कर सकेगा। गया जी संस्कृति को दिवाल पेंटिंग जरिय लोगों का आकर्षण का केन्द्र गया जी शहर को नया रूप देने के लिए स्थानीय बच्चों की प्रतिभा को भी मंच दिया गया है। बच्चों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर पितृपक्ष मेले का आधिकारिक लोगो चुना गया है। इसके अलावा चयनित किए गए नौ अन्य लोगो का इस्तेमाल मेले के प्रचार-प्रसार में किया जाएगा।इस बार प्रशासन की ह्यपेन्ट द सिटीह्न पहल के तहत बच्चों के 27 समूहों का चयन किया गया है। ये बच्चे शहर की दीवारों, घाटों और चौक-चौराहों पर पितृपक्ष और गया जी के धार्मिक एवं पौराणिक महत्व से जुड़ी कहानियों की पेंटिंग बना रहे हैं। सतर हजार श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था इस मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन करीब 70 हजार लोगों की ठहरने क्षमता तैयार कर रहा है। गांधी मैदान में 2,500 बेड की विशाल टेंट सिटी बनाई जा रही है, जहां श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होगी। श्रद्धालुओं को सस्ता एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। वही खाने खिलाने कि व्यवस्थाह्वजीविका दीदीह्न की रसोई के माध्यम से मात्र 25 रुपये में श्रद्धालुओं को भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। नगर निगम द्वारा सफाई से लेकर पेयजल तक व्यापक इंतजाम इस मेले की सफाई व्यवस्था के लिए पूरे नगर क्षेत्र को 5 जोन एवं 54 सेक्टर में बांटा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 364 स्थायी शौचालय, 579 प्री-फैब्रिकेटेड अस्थायी शौचालय, 134 स्नानागार और 74 चेंजिंग रूम तैयार किए जा रहे हैं। सड़कों की स्थिति बेहतर करने के लिए नगर निगम की ओर से 53 पथों एवं पथ निर्माण विभाग की ओर से 35 मुख्य सड़कों की मरम्मत कराई जा रही है। पेयजल व्यवस्था के तहत मेला क्षेत्र में 280 चापाकल, 54 प्याऊ, 890 नल, 22 वाटर टैंकर और 2 वाटर एटीएम उपलब्ध रहेंगे। डाक विभाग की भी खास तैयारी पितृपक्ष मेला में आए श्रद्धालुओं के लिए डाक विभाग विशेष पितृपक्ष कवर लिफाफा जारी करेगा। इसके अलावा मेला क्षेत्र में डाक कर्मी माइक्रो-एटीएम लेकर मौजूद रहेंगे, जिससे श्रद्धालुओं को जरूरत पड़ने पर आसानी से नकद निकासी की सुविधा मिल सके। विभिन्न घाटों पर एस डी आर एफ की तैनाती, 24 घंटे कंट्रोल रूम मेला में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एस डी आर एफ की टीम सभी प्रमुख तालाबों और घाटों पर मुस्तैद रहेगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन एवं कंट्रोल रूम भी संचालित किया जाएगा।जिला प्रशासन का दावा है कि इस बार तकनीक, स्वच्छता, स्वास्थ्य, परिवहन और सुरक्षा से जुड़े व्यापक इंतजामों के जरिए गयाजी पितृपक्ष मेले को श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाया जाएगा। स्वास्थ्य को लेकर भी व्यापक तैयारी की गई है। मेला क्षेत्र में 73 स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इनमें 125 डॉक्टर, 178 पैरामेडिकल स्टाफ और 52 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात रहेंगे। आवागमन को सुगम बनाने के लिए श्रद्धालुओं के लिए 50 रिंग बसें और 150 ई-रिक्शा निशुल्क संचालित किए जाएंगे। बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं को स्काउट-गाइड, एन एस एस और एन सी सी के वॉलिंटियर व्हीलचेयर की मदद से पिंडवेदी तक पहुंचाएंगे।

एक माह के भीतर सभी भूमिहीन गरीब परिवारों को मिलेगा पर्चा : डॉ. प्रेम कुमार

● 21 भूमिहीन परिवारों को 3-3 डिसमिल भूमि का पर्चा वितरित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को गयाजी जिला अतिथि गृह सभागार में भूमिहीन गरीब परिवारों के बीच भूमि का पर्चा वितरित किया है। डॉ. प्रेम कुमार की पहल पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा अभियान बसेरा-2 के तहत भूमिहीन परिवारों को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर नैली पंचायत के काजीचक एवं मदन बिगहा पंचायत के चमराडीह में 21 भूमिहीन गरीब परिवारों को 3-3 डिसमिल भूमि का पर्चा प्रदान किया गया है। पर्चा मिलने के बाद लाभुक परिवारों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अपने लिए सम्मानजनक जीवन और स्थायी आशियाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब और भूमिहीन परिवारों को उनका अधिकार दिलाना है। अभियान बसेरा-2 के माध्यम से भूमिहीन परिवारों को चिन्हित कर उन्हें आवास योग्य भूमि उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गयाजी में अभी जो भूमिहीन परिवार पर्चा पाने से वंचित हैं, उन्हें भी प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले एक माह के भीतर बचे हुए सभी पात्र भूमिहीन परिवारों को भूमि का पर्चा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि केवल जमीन का पर्चा देना ही सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि गरीब परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना भी सरकार की प्राथमिकता है। पर्चा प्राप्त करने वाले परिवारों के आवासन की चिंता करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लाभुकों को लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये की लागत से पक्का मकान उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और बिहार सरकार गरीबों को सामाजिक सुरक्षा, आवास, भूमि और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी गरीब परिवार भूमिहीन और बेघर न रहे तथा प्रत्येक परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

अर्थशास्त्र विभाग के वरीय सहायक प्राध्यापक डॉ. सौरभ कुमार को योग विज्ञान विभाग का प्रभारी बनाया

बोधगया। मगध विश्विद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी के आदेशानुसार अर्थशास्त्र विभाग के वरीय सहायक प्राध्यापक डॉ सौरभ कुमार को योग विज्ञान विभाग का नया प्रभारी बनाया गया है। इस मौके पर कुलपति ने डॉ. कुमार को नई जिम्मेदारी देते हुए बधाई दी है। इस मौके पर मगध विश्विद्यालय बोध गया के कुलसचिव प्रो. बिनोद कुमार मंगलम ने भी डॉ. कुमार को इस नई जिम्मेदारी की बधाई दी। डॉ. कुमार ने योग विज्ञान विभाग में अपना योगदान देने के बाद वहां के शिक्षकों, कर्मियों और छात्रों को आश्वासित किया कि सभी के सहयोग से विभाग को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास किया जाएगा। ज्ञात हो कि अभी योग विज्ञान विभाग में 1 वर्षीय पीजी डिप्लोमा का संचालन किया जाता है, पर आने वाले सत्र से बैचलर्स और मास्टर्स कोर्स के संचालन हेतु भी प्रयास किया जा रहा है।

बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का गया में भी व्यापक समर्थन

गया जी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर आज देशभर में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल आयोजित की गई है। हड़ताल में देशभर के दस लाख से अधिक बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए। बैंक कर्मचारियों की प्रमुख माँगों में पाँच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना तथा परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव में हो रहे भेदभाव को समाप्त करना शामिल है। इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन करते हुए पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन, गया द्वारा पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया है। संगठन के सचिव श्री गुंजन कुमार मिश्र ने कहा कि बैंक कर्मचारियों की जायज माँगों पर यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो बैंक कर्मचारी 28 सितम्बर से तीन दिवसीय हड़ताल तथा इसके बाद 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में पाँच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को लेकर हुए समझौते का सरकार द्वारा अब तक पालन नहीं किया गया है। इससे बैंक कर्मचारियों में गहरा असंतोष एवं रोष व्याप्त है। उन्होंने सरकार से कर्मचारियों की माँगों पर तत्काल सकारात्मक पहल करने की अपील की है।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने गया संग्रहालय में किया अभिलेखों का व्यावहारिक अध्ययन एवं संरक्षण प्रशिक्षण

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग के एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने गया संग्रहालय में अभिलेखों के अध्ययन, पठन एवं संरक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। विभागाध्यक्ष डॉ. अलका मिश्रा के निर्देशन में विभाग में लगातार व्यवहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है ' इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्रोतों के प्रत्यक्ष अध्ययन के साथ-साथ प्राचीन अभिलेखों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक प्रक्रियाओं से परिचित कराना था। प्रशिक्षण के दौरान गया संग्रहालय के निदेशक डॉ. अमित रंजन तथा भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के अभिलेखविद् डॉ. राजेश कन्नौजिया ने विद्यार्थियों को अभिलेखों के ऐतिहासिक महत्व, लिपि एवं भाषा के अध्ययन, अभिलेख-पठन तथा उनके संरक्षण की विभिन्न विधियों की जानकारी दी है। विद्यार्थियों ने अभिलेखों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर उनके पठन, दस्तावेजीकरण, संरक्षण तथा सुरक्षित रख-रखाव की प्रक्रियाओं को समझा है।

गया जंक्शनः आठ घंटे का मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान,200 से ज्यादा बेटिकट यात्री पकड़े गए

सुबह आठ से शाम चार बजे तक चला सघन जांच अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गया जंक्शन पर बेटिकट यात्रियों के खिलाफ गुरुवार को आठ घंटे का विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चले अभियान में करीब 200 से ज्यादा बेटिकट यात्रियों को पकड़ा गया। अभियान की कमान रेल न्यायिक दंडाधिकारी सुशांत सागर ने संभाली। टिकट जांच अभियान में सीआईटी आरआर सिन्हा के नेतृत्व में टीटीई, टीसी, वाणिज्य विभाग और आरपीएफ की टीम शामिल रही है। जांच टीम ने स्टेशन परिसर के साथ विभिन्न ट्रेनों, प्लेटफार्मों और फुट ओवरब्रिज पर यात्रियों के टिकट की जांच की गई है। इस दौरान बिना टिकट यात्रा करने वालों को पकड़कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। पकड़े गए बेटी कट यात्रियों से जमाने की राशि वसूल की गई है। रेल प्रशासन की ओर से लगातार ऐसे अभियान चलाकर बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की कि वे यात्रा से पहले वैध टिकट अवश्य लें और स्टेशन परिसर में निर्धारित नियमों का पालन करें। जांच अभियान के दौरान आरपीएफ जवानों ने भी सुरक्षा व्यवस्था के साथ टिकट जांच में सहयोग किया। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले दिनों में भी बेटिकट यात्रियों के खिलाफ सघन जांच अभियान जारी रहेगा।

स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रतियोगिता आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के प्रांगण में युवा चेतना के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न हुई है। पहले चरण में एम एस क्यू प्रतियोगिता तथा दूसरे चरण में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई है। बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का प्रारूप विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, शाखा गया जी द्वारा तैयार किया गया था। इसमें महाविद्यालय के शताधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. उमा शंकर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया है। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, उनके राष्ट्रवादी विचारों, शिक्षा-दर्शन, युवा शक्ति, मानव सेवा और भारतीय संस्कृति के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। प्रतिभागियों ने विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार स्पष्ट रूप से रखे हैं। प्रतियोगिता में अरविंद, आदित्य वर्मा, ईशा साईं, अस्मिता कुमारी, मनीषा कुमारी, समृद्धि कुमारी, ईशा कुमारी, शीतल कुमारी, अमीषा कुमारी तथा छोटी कुमारी सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया है। इन प्रतिभागियों के प्रयास और प्रस्तुतियाँ सराहनीय रहीं हैं।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की प्रमुख डॉ. श्वेता सिंह रहीं हैं। निर्णायक मंडल में मीनाक्षी कुमारी, मोनिका कुमारी, डॉ. रीना कुमारी, डॉ. सिया शरण गुप्त तथा डॉ. विनोद कुमार सिंह शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के विषय-ज्ञान, विचारों की स्पष्टता, प्रस्तुतीकरण तथा अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन किया है। प्रतियोगिता में समीक्षा कुमारी ने प्रथम, निशा कुमारी ने द्वितीय तथा आयुष राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। अन्य प्रतिभागियों ने भी विषय पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए हैं। इस अवसर पर परीक्षा विभाग की ओर से सभी शताधिक प्रतिभागियों को एक-एक कलम देकर प्रोत्साहित किया गया है। उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं के हाथों कलम प्राप्त कर प्रतिभागियों में प्रसन्नता देखी गई है। परीक्षा विभाग की इस पहल का उद्देश्य प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रयास को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने इसे अपने प्रयास के प्रति मिले सम्मान के रूप में लिया है। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. अजय कुमार चौरसिया की भूमिका सराहनीय रही है। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं और प्रतियोगिता के संचालन में सक्रिय सहयोग दिया है। डॉ. रंजीत कुमार तथा डॉ. शमीमा खातून ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग किया है। उपस्थित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया है। इस कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के उत्साह और सक्रिय सहभागिता की सराहना की गई है। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के विचारों से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा है।

कृष्ण जन्माष्टमी का छठियार धूमधाम से मनाया

● ठाकुरबाड़ी मंदिर में भजन-कीर्तन के बाद हुआ भंडारा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। मानपुर वार्ड संख्या 51 स्थित सुढ़ी टोला ठाकुरबाड़ी मंदिर में बुधवार को कृष्ण जन्माष्टमी का छठियार धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन पार्षद सह नगर निगम स्थाई समिति सदस्य एवं भाजपा नेता मनोज कुमार के नेतृत्व में किया गया है। इस दौरान मंदिर में महिला श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए और भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारकर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की है। छठियार के अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया गया है। इसमें आसपास के मोहल्लों के अलावा विभिन्न स्थानों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा है। पार्षद मनोज कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ठाकुरबाड़ी मंदिर में छठियार का आयोजन किया जाता है। इसमें दूर-दराज के श्रद्धालु भी शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय लोगों ने सहयोग किया है। इस मौके पर बिनेश राव,गौतम कुमार, अरविन्द कुमार, धर्मेंद्र कुमार, गौरव कुमार, सनोज कुमार मिथुन कुमार, ऋशु कुमार सहित कई लोग मौजूद रहें हैं।

केन्द्र सरकार फरक्का जल संधी बिहार के ध्यान में रखकर 2050 तक की जल आवश्यकताओं की मांग

● फरक्का जल संधी किसानों, बिहार वासियों को ध्यान में रखकर करने की मांग : जिलाअध्यक्ष अजय कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। हमलोग फरक्का (गंगा) जल संधि से बिहार के हकमारी पर चर्चा कर रहें है, और हमलोग स्पष्ट रूप से मांग भी करते है कि इसका नवीनीकरण नहीं हों और इस मुद्दे पर पार्टी के शिर्ष नेताओं द्वारा इस कार्यक्रम के तहत गंगा किनारे बसे बिहार के 12 जिलों बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार में संवाद किया जा रहा है, जो इस संधि के कारण सबसे अधिक प्रभावित हैं। पार्टी के इस जन जागरुकता अभियान का शुभारंभ 5 सितंबर को बक्सर से हुआ है, जबकि समापन कटिहार में होगा क्योंकि बिहार में गंगा बक्सर से प्रवेश करती है और कटिहार से निकलती है। फरक्का जल संधी पर नीतीश संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। हमारे पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने भी कहा है और हमारे पार्टी का साफ स्टैण्ड है कि 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई यह संधि भारत के, खासकर बिहार के हित में नहीं है। अभी हाल में संसद के मानसूत्र सत्र के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने राज्यसभा में बड़ी मुखरता से इस विषय को उठाया था कहा कि इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए और अगर कोई संधि होती भी है तो बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस जल संधि के कारण बिहार का जल-प्रबंधन बुरी तरह बिगड़ा है और हम गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। फरक्का (गंगा) जल संधि के मुताबिक शुष्क मौसम में जब बक्सर के पास गंगा का प्रवाह महज 400 क्यूमेक तक रह जाता है, तब भी फरक्का से बांग्लादेश के लिए 1500 क्यूमेक पानी छोड़ना पड़ता है, इसका मतलब यह है कि सिर्फ गंगा ही नहीं, बल्कि बिहार की आंतरिक नदियों से भी पानी खींचकर बांग्लादेश को दिया जा रहा है जो सीधे तौर पर बिहार की हकमारी है। सरकार यह भी विचार करे की बिहार के किसानों की सिंचाई,लोगों का पेयजल, उद्योगों को पानी की जरूरत, लाखों लोगों की आजीविका और राज्य के युवाओं का भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विकास पुरूष नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे हैं कि फरक्का बराज एवं फरक्का जल संधि से बिहार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हम बताना चाहते है कि एक ओर फरक्का बराज के कारण गंगा में भारी गाद जमा हो जाने से नदी का तल ऊँचा हो गया है, जिसके कारण उत्तर बिहार को हर साल बाढ़ का सामना करना पड़ता है, तो दूसरी ओर फरक्का जल संधि के कारण शुष्क मौसम में हमें बिहार के हिस्से का पानी बांग्लादेश को देना पड़ता है। और बिहार के कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है। इस अंतर्राष्ट्रीय संधि का 73% बोझ अकेले बिहार उठा रहा है। यह बिहार के साथ ज्यादती है, इसीलिए पार्टी फरक्का जल संधी पर नीतीश संवाद अभियान के माध्यम से बतानी चाहती है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों से आज यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुका है। जदयू की ये पहल किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि ये हमारी पार्टी का जनसरोकार से जुड़ा मुदा है। ये बिहार के हक और बिहारवासियों के हित की बात है। हमें पता होना चाहिए कि फरक्का (गंगा) जल संधि के कारण बिहार को कैसे और कितना नुकसान हो रहा हमलोग बिहार की आवाज केन्द्र तक पहुँचाना चाह रहे हैं।

गया कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में विनोबा भावे के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया कॉलेज, गया के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विनोबा भावे के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय तिवारी ने की, जबकि मंच संचालन लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम में गया कॉलेज के बर्सर डॉ. मार्कण्डेय पांडे एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. मार्कण्डेय पांडे ने अकादमिक संस्थानों में ऐसे व्याख्यानों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया, वहीं डॉ. राजेश मिश्र ने विनोबा जी के विचारों को एनएसएस की सेवा भावना से जोड़ा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय डिग्री महाविद्यालय, पकड़ीदयाल (बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर) के प्रभारी प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार कृष्ण ने आचार्य विनोबा भावे के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि भारतीय समाज में न्याय, समानता, अहिंसा, ग्राम स्वराज, सर्वोदय और मानवीय मूल्यों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने भूदान आंदोलन का उल्लेख करते हुए बताया कि विनोबा जी ने भूमि के असमान वितरण का समाधान हिंसा के बजाय नैतिक अपील, स्वैच्छिक त्याग और सामाजिक सहयोग के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उनके विचार आज के बदलते सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवेश में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। व्याख्यान के दौरान डॉ. प्रशांत कुमार ने विनोबा भावे के राजनैतिक दर्शन का आलोचनात्मक परीक्षण किया है। इस कार्यक्रम में डॉ. संगीता, डॉ. पुष्पा कुमारी सोनी, डॉ. शैलेंद्र कुमार सहित राजनीति विज्ञान एवं अन्य विभागों के शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस व्याख्यान ने विद्यार्थियों को भारतीय राजनीतिक चिंतन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया। अंत में डॉ. शैलेंद्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ है।

ट्रेनों के परिचालन में सतर्कता को लेकर एडीआरएम ने की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु परिचालन को लेकर पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल के एडीआरएम कुलदीप कुमार ने गया जंक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय ब्रांच अधिकारियों के साथ परिचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन किया और आवश्यक निर्देश दिए। एडीआरएम ने गया जंक्शन के यात्री क्षेत्र समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों का जायजा लिया। इस दौरान मेमू शेड, आरआरआई लॉबी, वाशिंग पिट और गार्ड-चालक रनिंग रूम सहित परिचालन से जुड़े विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वहां की कार्यप्रणाली और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ट्रेनों के परिचालन में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। गया जी में होने वाले पितृपक्ष मेले को देखते हुए रेलवे की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मेले के दौरान बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालुओं के गया पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ के अनुरूप सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को यात्री आवागमन वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई, सुगम आवाजाही, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। एडीआरएम ने कहा कि पितृपक्ष के दौरान यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और उन्हें व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए।

मगध विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा विशाल नि : शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण शिविर का सफल आयोजन

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से विश्व फिजियोथेरेपी दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत विभागीय ओपीडी परिसर में एक दिवसीय विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सीय परामर्श एवं दवा वितरण शिविर का भव्य आयोजन किया गया है। प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ-साथ बोधगया एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों से पहुंचे सैकड़ों आम नागरिकों ने अपनी व्यापक स्वास्थ्य जांच कराई तथा निःशुल्क दवाओं का लाभ उठाया है। शिविर का औपचारिक निरीक्षण एवं अवलोकन विश्वविद्यालय के वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों तथा प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा किया गया है। इस अवसर पर छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार चौधरी, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. एस.एन.पी. यादव दीन, कुलानुशासक प्रो. के.डी.पी. वर्मा, वित्त पदाधिकारी इंद्र कुमार सिंह, रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा तथा जन्तु विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विभाग के इस जनहितैषी प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे विश्वविद्यालय के संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक उत्कृष्ट और प्रेरणादायी कदम बताया है। शिविर में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा गैर-शैक्षणिक कर्मियों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की है। इनमें मुख्य रूप से डॉ. वंदना, डॉ. एकता, डॉ. ममता, डॉ. मीनाक्षी, मि. राकेश, डॉ. गोपाल, डॉ. रवीन्द्र, डॉ. राकेश, डॉ. राजेश तथा मि. अविनाश सहित भारी संख्या में शिक्षकेतर कर्मचारी एवं स्थानीय प्रबुद्धजन उपस्थित रहे हैं। शिविर में विभिन्न विशिष्टताओं के प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने उपस्थित होकर मरीजों की गहन चिकित्सीय जांच की और परामर्श प्रदान किया है कवरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. नारायण ने गठिया, स्पॉन्डिलाइटिस, जोड़ों के पुराने दर्द, लिगामेंट इंजरी और हड्डियों के क्षरण से जूझ रहे मरीजों का परीक्षण कर उपचार के आवश्यक निर्देश दिए हैं। जनरल फिजिशियन डॉ. ए.एन. तेतरवे तथा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल ने सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं, संक्रामक रोगों, मौसमी व्याधियों तथा उच्च रक्तचाप की जांच कर दवाएं सुझाईं है। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. चांदनी कुमारी ने मुख व दांतों की बीमारियों, मसूड़ों की समस्याओं और कैविटी की जांच की तथा उपस्थित लोगों को मौखिक स्वच्छता के प्रति जागरूक किया है।

गया में राजनीतिक हलचल तेज

पूर्व भाजपा नेता आकाश प्रियदर्शी उर्फ एपी और उनकी टीम जल्द थामेगी नया राजनीतिक दामन

गयाजी। जिले के राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि भाजपा के पूर्व जिलास्तरीय युवा नेता, भाजपा के पूर्व भारतीय जनता युवा मोर्चा मनपुर उपाध्यक्ष तथा विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया के ट्रस्टी आकाश प्रियदर्शी उर्फ एपी अपनी पूरी टीम के साथ जल्द ही किसी नए राजनीतिक दल में शामिल होने जा रहे हैं ! इस संबंध में जब युवा समाजसेवी आकाश प्रियदर्शी से बातचीत की गई, तो उन्होंने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी इस सिलसिले में एक-दो राजनीतिक पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व से सकारात्मक बातचीत चल रही है ! उन्होंने स्पष्ट किया कि गया के उनके युवा साथियों और उनका सामूहिक विचार जिस भी पार्टी की लोक-कल्याणकारी नीतियों व विचारधारा को उचित और पसंद पाएगा, वे उसी दल की विचारधारा का खुलकर स्वागत करेंगे और आगे की राजनीतिक पारी की शुरूआत करेंगे ! स्थानीय राजनीतिक जानकारों के अनुसार, आगामी कुछ ही दिनों में यानी इसी महीने के भीतर युवा समाजसेवी आकाश प्रियदर्शी के साथ-साथ विशाल यादव, विकास यादव और उनके अन्य प्रमुख समर्थक किसी मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टी का औपचारिक रूप से दामन थाम सकते हैं, जिससे स्थानीय राजनीति में समीकरणों के बदलने की पूरी संभावना जताई जा रही है !

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

जनसुविधाओं के उन्नयन को गति देगा सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान : जिला पदाधिकारी

- सार्वजनिक परिसंपत्तियों का सुदृढ़ीकरण, अनुरक्षण एवं जनसुविधाओं का होगा उन्नयन

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिले में सार्वजनिक परिसंपत्तियों के सुदृढ़ीकरण, अनुरक्षण एवं जनसुविधाओं के उन्नयन के उद्देश्य से शुरू किए जा रहे सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान को सफल बनाने को लेकर जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर विभागवार तैयारियों एवं कार्ययोजना की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल नई परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि पूर्व से उपलब्ध सार्वजनिक परिसंपत्तियों को बेहतर, उपयोगी एवं जनोपयोगी बनाना भी है। इसके तहत विद्यालय भवन, स्वास्थ्य संस्थान, आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक भवन, पेयजल परिसंपत्तियां सहित विभिन्न जनसुविधाओं से जुड़े कार्य किए जाएंगे। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय एवं अभिसरण के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में निर्देश दिया गया कि चयनित योजनाओं की सेवा संकल्प पोर्टल पर अगले सात दिनों के भीतर प्रविष्टि पूर्ण की जाए। अभियान के तहत रख-रखाव एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों को 30 नवंबर 2026 तक पूर्ण करने तथा स्वीकृत नई आधारभूत संरचनाओं के कार्यों को अभियान की निर्धारित अंतिम तिथि 31 मार्च 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करें कि इसका प्रत्यक्ष लाभ आम लोगों को मिले तथा जिले में उपलब्ध सार्वजनिक परिसंपत्तियों का बेहतर रख-रखाव एवं उपयोग सुनिश्चित हो। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले विभव नितिन सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

81वें संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम बालेन शाह करेंगे नेपाल का नेतृत्व

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल सरकार ने संयुक्त राष्ट्र संघ की 81वीं महासभा में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री बालेन्द्र (बालेन) शाह के नेतृत्व वाले नेपाली प्रतिनिधिमंडल की अमेरिका यात्रा को मंजूरी दे दी है। मंत्रिपरिषद की 10 सितंबर को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। सरकार के प्रवक्ता एवं शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए इसकी पुष्टि की। प्रधानमंत्री शाह के नेतृत्व में नेपाली प्रतिनिधिमंडल 22 से 26 सितंबर 2026 तक न्यूयॉर्क में आयोजित 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेगा। इससे पहले विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया गया था, लेकिन बाद में प्रधानमंत्री शाह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी को मंजूरी दी गई। बताया गया है कि प्रतिनिधिमंडल में प्रधानमंत्री शाह के अलावा विदेश मंत्री शिशिर खनाल समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। पहले सामने आई जानकारी के अनुसार प्रतिनिधिमंडल में 15 सदस्य शामिल हो सकते हैं। नेपाल की ओर से संयुक्त राष्ट्र महासभा में जलवायु परिवर्तन, बाढ़ और हिमालयी क्षेत्र पर पड़ रहे प्रभाव जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए जाने की संभावना है। नेपाल की विदेश नीति में संयुक्त राष्ट्र के साथ बहुपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक जानकारी के अनुसार 81वां सत्र 8 सितंबर 2026 को शुरू हुआ है और इसका वार्षिक सत्र सितंबर 2027 तक चलेगा।

संक्षिप्त खबरें

मुस्तांग में भूकंप से 30 से ज्यादा घर जमींदोज

बगहा। नेपाल के मुस्तांग जिले में आए भूकंप के बाद करीब 30 से ज्यादा घरों के जमींदोज होने की सूचना सामने आई है। हालांकि, इस नुकसान के आंकड़े की मुझे अभी किसी विश्वसनीय आधिकारिक स्रोत से स्वतंत्र पुष्टि नहीं मिली है। 8 सितंबर की रात मुस्तांग के लोमन्थांग क्षेत्र को केंद्र बनाकर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता करीब 5.3 बताई गई और झटके मुस्तांग के अलावा बागलुंग, धौलागिरि तथा आसपास के क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। शुरुआती रिपोर्टों में बड़े नुकसान या जनहानि की पुष्टि नहीं हुई थी। भूकंप के बाद प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

नेपाल में कुशे औंसी की धूम

बगहा। नेपाल में शनिवार को कुशे औंसी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसे (बुवाको) पिता का मुख हेर्ने दिन यानी पिता का मुंह देखने का दिन भी कहा जाता है। यह पर्व पिता-पुत्र के स्नेह, सम्मान और पारिवारिक रिश्ते को समर्पित है। इस अवसर पर पुत्र सुबह स्नान कर पिता का आशीर्वाद लेते हैं और उन्हें मिठाई, फल, कपड़े तथा अन्य उपहार भेंट करते हैं। कई परिवारों में पुत्र द्वारा अपने पिता को विशेष भोजन खिलाने की परंपरा भी निभाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन पिता का सम्मान और सेवा करने से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।जिन लोगों के पिता जीवित नहीं हैं, वे भी इस अवसर पर अपने दिवंगत पिता एवं पूर्वजों की स्मृति में श्राद्ध और तर्पण करते हैं। काठमांडू स्थित गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और पितृकर्म किए जाने की परंपरा है। कुशे औंसी के दिन घर-परिवार में पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ पारंपरिक रूप से कुश घास को घर में लाकर पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। इसी कारण इस पर्व को कुशे औंसी कहा जाता है।

पैक्स अध्यक्ष गुड्डू सिंह के निधन से शोक की लहर

मैनाटांड। मैनाटांड प्रखंड क्षेत्र की मधुरी पंचायत के वर्तमान पैक्स अध्यक्ष गुड्डू सिंह का गंभीर बीमारी के कारण निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पंचायत सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। गुड्डू सिंह पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। वे एक संघर्षशील, मिलनसार और समाजसेवी व्यक्ति के रूप में क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते थे। सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी रहती थी। वे जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे और पंचायत के लोगों के सुख-दुख में बढ़-चढ़कर शामिल होते थे। उनके निधन से पंचायतवासियों, परिजनों और शुभचिंतकों में मायूसी छा गई है। लोगों ने कहा कि गुड्डू सिंह के निधन से क्षेत्र ने एक संघर्षशील, मिलनसार और समाजसेवी व्यक्ति को खो दिया है। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई लंबे समय तक संभव नहीं है। गुड्डू सिंह के निधन पर जिला परिषद सदस्य श्रीराम कुमार, वीरेंद्र ठाकुर, सुरेंद्र साह, महेंद्र महतो, संदेश महतो, गोरख ठाकुर, सुरेश साह, आर्यन अग्निहोत्री, रामाशीष चौधरी समेत अन्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

मुख्य सड़क से नगर निगम, डीसीएलआर व निबंधन कार्यालय तक पीसीसी रोड के साथ आरसीसी नाला की निविदा जारी:गरिमा

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि शहर के अति महत्वपूर्ण प्रशासनिक क्षेत्र को बेहतर रोड और सुगम जल निकासी की सुविधा के लिए नगर निगम के द्वारा महत्वपूर्ण योजना पारित की गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया बताया नगर निगम द्वारा जारी निविदा विज्ञप्ति में अनुसार कुल 43.92 लाख की योजना से कलेक्ट्रट से सिविल कोर्ट मेन रोड से अनुमंडल कार्यालय एवं नगर निगम कार्यालय होते हुए डीसीएलआर और निबंधन कार्यालय तक पीसीसी सड़क तथा आरसीसी नाला निर्माण की योजना शामिल की गई है। इसके लिए 43 लाख 92 हजार रुपये की अनुमानित राशि स्वीकृत की गई है। योजना के तहत सड़क निर्माण के साथ आरसीसी नाला बनाए जाने से इस महत्वपूर्ण मार्ग पर जलजमाव की समस्या से मुक्ति मिलना तय है। महापौर ने अनुमंडल कार्यालय, नगर निगम कार्यालय, डीसीएलआर, निबंधन और जिला अभियोजन जैसे प्रमुख सरकारी कार्यालयों तक प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम लोगों के सरकारी अधिकारी और कर्मियों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क के सुदृढ़ीकरण और व्यवस्थित जलनिकासी को शहरी सुविधा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महापौर ने बताया कि जारी निविदा में कार्य की संभावित अवधि तीन माह निर्धारित की गई है। महापौर ने बताया कि आगामी 18 सितंबर से 06 अक्टूबर तक इस योजना पर ई टेंडरिंग विधि से दावेदारी करने की समय सीमा निर्धारित है। वही निविदा की तकनीकी बीड 8 अक्टूबर को खोली जाएगी। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि कि उनकी पहल पर नगर निगम द्वारा पारित इस योजना पूरी होने के बाद प्रशासनिक कार्यालयों वाले इस व्यस्त मार्ग पर आवागमन सुगम होने के साथ बरसाती पानी की निकासी भी बेहतर होने की उम्मीद है।

विपिन हाई स्कूल के प्रांगण में होगा ट्रैफिक चालान मामलों का निपटारा

बेतिया।शनिवार को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत में ट्रैफिक चालान मामलों के निपटारा को ले विपिन हाई स्कूल के प्रांगण में काउंटर बनाए गए हैं। जहां न्यायिक पदाधिकारीयों की देखरेख में हीं जिला परिवहन कार्यालय तथा ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों के द्वारा चलान मामलों का निपटारा किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धीरेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि ट्रैफिक चालान एवं परिवहन कार्यालय के मामलों का सहुलियत पूर्वक निपटारा किए जाने को ले हीं यह विशेष व्यवस्था की गई है। ऐसे मामलों के पक्षकार विपिन हाई स्कूल में पहुंच अपने वादों का निपटारा करा सकते हैं। नेशनल लोक अदालत की कार्रवाई प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी।

बंदर के कूदने से अनियंत्रित हुआ वाहन, दो ऑटो और बाइक की टक्कर में आठ घायल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। मंगलपुर स्थित एसएसबी 21वीं वाहिनी कैंप के सामने शुक्रवार को मुख्य सड़क पर दो ऑटो और एक बुलेट बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीनों वाहनों पर सवार आठ लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शी यात्री राजकुमार के अनुसार, एसएसबी कैंप के सामने सड़क किनारे पेड़ों पर बड़ी संख्या में बंदर रहते हैं। शुक्रवार को एक बंदर अचानक एक ऑटो चालक पर कूद गया। इससे चालक घबरा गया और ऑटो अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे दूसरे ऑटो से जा टकराया। इसी दौरान पीछे से आ रही बुलेट बाइक भी दोनों ऑटो की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें सवार लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही एसएसबी 21वीं वाहिनी के जवान मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। एसएसबी कैंप की एंबुलेंस से सभी घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. अरुण यादव ने घायलों का उपचार किया। घायलों में बनकटवा निवासी संतोष यादव (34), बेतिया निवासी सोनू कुमार शर्मा (17), गांधीनगर निवासी सामोहम्मद (65), अलाउद्दीन (35), रामजी कुशवाहा (35), बैरिया निवासी शुभम कुमार (17), लौरिया निवासी अरबाज खान (22) और बगहा निवासी नम्रता कुमारी (34) शामिल है।

बाढ़ में 20 झूला पुल टूटे, छह पुल तत्काल बनाने का लक्ष्य

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में हाल की बाढ़ और भूस्खलन से त्रिशूली-मुग्लिन कॉरिडोर क्षेत्र में करीब 20 झूला पुलों के क्षतिग्रस्त या बह जाने के बाद आवागमन प्रभावित हुआ है। इन पुलों के टूटने से नदी के दोनों किनारों पर बसे कई गांवों का संपर्क बाधित हो गया है। त्रिशूली नदी में आई बाढ़ से झूला पुलों के बहने की घटनाएं भी सामने आई हैं। स्थिति को देखते हुए प्रभावित इलाकों में तत्काल छह झूला पुलों का निर्माण कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्राथमिकता वाले स्थानों पर पुल निर्माण पूरा कर लोगों का संपर्क जल्द बहाल करने की तैयारी की जा रही है। बाढ़ के बाद कई स्थानों पर स्थानीय लोगों को नदी पार करने में परेशानी हो रही है। ऐसे में छह पुलों के निर्माण को प्राथमिकता देने का फैसला ग्रामीणों के लिए राहत भरा माना जा रहा है। इसके बाद शेष क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। त्रिशूली नदी में आई बाढ़ ने सड़क और पैदल आवागमन से जुड़े कई ढांचों को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए पुलों के पुनर्निर्माण को राहत एवं पुनर्वास अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

सकरौल चौक पर दो बाइकों की जोरदार टक्कर, पिता-पुत्र गंभीर

मैनाटांड। इनरवा थाना क्षेत्र के सकरौल चौक पर गुरुवार की रात दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान गौनाहा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर निवासी 55 वर्षीय रुदल पटेल और उनके 25 वर्षीय पुत्र धनेश पटेल के रूप में हुई है।बताया जाता है कि रुदल पटेल अपने पुत्र धनेश पटेल के साथ बाइक से इनरवा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सकरौल चौक के समीप सामने से तेज गति से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों पिता-पुत्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दूसरी बाइक पर सवार व्यक्ति मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल रुदल पटेल और धनेश पटेल को उपचार के लिए ले जाया गया, जहां दोनों का निजी चिकित्सक के यहां इलाज कराया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सकरौल चौक पर वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही पर चिंता जताते हुए यातायात व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरतने की जरूरत बताई है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सशस्त्र प्रहरी का राहत और उपचार अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में हाल की भीषण बाढ़ और आपदा के बाद सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल (अढक्र्) का राहत, बचाव और स्वास्थ्य सहायता अभियान लगातार जारी है। बाढ़ प्रभावित दुर्गम इलाकों में सशस्त्र प्रहरी के जवानों ने लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही जरूरतमंदों को प्राथमिक उपचार और राहत सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र प्रहरी बल के जवानों को राहत एवं खोज-बचाव अभियान में लगाया गया है। सशस्त्र प्रहरी की टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश, घायलों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में जुटी हैं। हाल के अभियानों में सशस्त्र प्रहरी की टीम ने नुवाकोट के बेत्रावती क्षेत्र में मलबे में फंसी 64 वर्षीय महिला को जीवित बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। महिला करीब 11 दिन तक मलबे में फंसी रही थी।नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत एवं खोज-बचाव कार्य लगातार जारी है। दुर्गम क्षेत्रों तक दवा, भोजन और अन्य जरूरी सामग्री पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टरों के साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।नोटः यदि आपके पास ह्ल3 हजार से अधिक लोगों का उपचारह्व वाला अढक्र्का प्रेस नोट/आंकड़ा है, उसे भेज दें—मैं उसी आधिकारिक आंकड़े के आधार पर पूरी खबर को और सटीक बना दूंगा।

20वें एशियाई खेलों में नेपाल की 211 सदस्यीय टीम

बगहा। नेपाल ने 20वें एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए 211 सदस्यीय नेपाली टीम तैयार की है। टीम में खिलाड़ी, प्रशिक्षक और विभिन्न पदाधिकारी शामिल हैं। नेपाली खिलाड़ी अलग-अलग खेल विधाओं में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। एशियाई खेलों में नेपाली टीम की भागीदारी को लेकर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं युवा तथा खेल मंत्री सस्मित पोखरेल ने टीम को विदाई दी। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। बतादें कि 20वें एशियाई खेलों का आयोजन वर्ष 2026 में जापान के आइची-नागोया में किया जाना है। प्रतियोगिता में नेपाल के खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पधाओं में हिस्सा लेंगे। नेपाली दल की तैयारियों को लेकर संबंधित खेल संघों और निकायों की ओर से आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

कोचिंग क्लास रूम में मिला कोबरा वन कर्मियों ने किया रेस्क्यू

बगहा। वाल्मीकिनगर के टंकी बाजार स्थित मां सरस्वती कोचिंग सेंटर के क्लास रूम में शुक्रवार को कोबरा सांप मिलने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समय रहते वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। कोचिंग सेंटर के संचालक संतोष रौनियार ने बताया कि क्लास शुरू होने से पहले कमरे की सफाई की जा रही थी। इसी दौरान कमरे के एक कोने में रखे कार्टून में सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही लोगों में हड़कंप मच गया। इसके बाद तत्काल वन विभाग के फॉरेस्टर आशीष कुमार को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग के दो रेस्क्यू कर्मी मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक कार्टून से कोबरा सांप का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद कोबरा को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर वीटीआर के जंगल में छोड़ दिया गया। वन कर्मियों की तत्परता से कोचिंग सेंटर में किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

विजय सहनी हत्याकांड में आया अदालत का फैसला, अशोक यादव को उम्रकैद

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। रामनगर के चर्चित विजय सहनी हत्याकांड में अदालत ने शुक्रवार को एक और दोषसिद्ध अभियुक्त अशोक यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत उम्रकैद के साथ एक लाख रुपये अर्थदंड तथा धारा 201 के तहत सात वर्ष के कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड का भुगतान नहीं करने पर धारा 302 और 201 में अलग-अलग छह-छह माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अदालत ने जेल में बिताई गई निरोध अवधि को सजा की अवधि में समायोजित करने का भी आदेश दिया है। बतादें की यह मामला रामनगर थाना कांड संख्या 189/2022 से जुड़ा है। घटना एक मई 2022 की बताई गई है। मृतक विजय सहनी की पत्नी आशा देवी ने चार मई को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अभियोजन के अनुसार, विजय सहनी को पोखरा विवाद सुलझाने के बहाने फोन कर बुलाया गया था। इसके बाद वह बाइक से घर से निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे। काफी तलाश के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

इंडो-नेपाल सीमा के दुर्गम इलाकों में गश्ती तेज

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। इंडो-नेपाल सीमा से सटे दुर्गम इलाकों में मानसून के बीच सुरक्षा को लेकर रूटीन गश्ती में तेजी लाई गई है। वाल्मीकि आश्रम बीओपी के जवानों ने गश्ती का दायरा बढ़ाते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित निगरानी तेज कर दी है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद जवान सीमा क्षेत्र में लगातार गश्त कर रहे हैं। वाल्मीकि आश्रम बीओपी क्षेत्र से सटे वीटीआर के जंगल में इन दिनों जंगली हाथियों की लगातार मूवमेंट भी देखी जा रही है। ऐसे में जवानों के सामने सीमा निगरानी के साथ वन्यजीवों से जुड़े जोखिमों के बीच गश्ती अभियान को संचालित करने की चुनौती बनी हुई है। बताया जाता है कि वाल्मीकि आश्रम का यह इलाका चितवन के जंगल से सटा हुआ है। क्षेत्र में दो पहाड़ी नदियों (सोन भद्र और तमसा) के दियारा और घने जंगल होने के कारण यहां की भौगोलिक स्थिति काफी दुर्गम है। मानसून में नदियों का जलस्तर बढ़ने और जंगल में रास्तों के प्रभावित होने से गश्ती और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है।इसके बावजूद सीमा सुरक्षा बल के जवान संवेदनशील इलाकों में लगातार पैदल गश्त कर सीमावर्ती क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। मानसून के दौरान सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए गश्ती दलों की सक्रियता बढ़ाई गई है।

लौकरिया पुलिस का विशेष अभियान, शराब मामले में महिला समेत आरोपी गिरफ्तार

बगहा। लौकरिया थाना पुलिस ने थानाध्यक्ष रमन कुमार के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब निर्माण व बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान शराब बरामदगी के मामले में एक महिला को आरोपी बनाया गया, जबकि विभिन्न मामलों में वांछित एवं एनबीडब्ल्यू वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर को अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ छापेमारी के दौरान रामपुर मतौरा टोला स्थित रामावती देवी के घर से पांच लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस टीम को देखते ही एक महिला घर से निकलकर भागने लगी। पुलिस ने उसका पीछा किया, लेकिन वह ईख के रास्ते फरार होने में सफल रही। पूछताछ एवं जांच में फरार महिला की पहचान रामावती देवी, पति झगरू गोंड, निवासी रामपुर मतौरा टोला के रूप में हुई। घर की तलाशी के दौरान प्लास्टिक की पन्नियों में रखी 10 पैकेट शराब भी बरामद होने की बात पुलिस ने बताई है। मामले में लौकरिया थाना कांड संख्या 169/26 दर्ज कर बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम की धारा 30(व) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला फिलहाल फरार है। वहीं लौकरिया थाना कांड संख्या 140/26 में वांछित ओमप्रकाश रावत, निवासी पडरौना, कुशीनगर तथा सुरेंद्र शर्मा, निवासी परसौनी, पिपरासी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। इसके अलावा एनबीडब्ल्यू वारंट के आधार पर दिनेश यादव, निवासी रामपुर चेक नाका, वीरेंद्र गोंड, निवासी रामपुर मतौरा टोला और रंजय नुनिया, निवासी रामपुर मुसहरी टोला को भी गिरफ्तार कर न्यायालय भेजे जाने की जानकारी पुलिस ने दी है।

आईसीआईसीआई बैंक ने पश्चिम चंपारण के रामनगर में खोली शाखा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। आईसीआईसीआई बैंक ने पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर गांव (बेतिया शहर के पास) में अपनी शाखा खोली है। यह इस गांव में बैंक की पहली और पश्चिम चंपारण जिले में आठवीं शाखा है। स्थानीय सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) सत्येंद्र राम ने इस शाखा का उद्घाटन किया। इस शाखा में कई तरह के खाते खोलने और जमा की सुविधा है, जैसे बचत तथा चालू खाता, सावधि तथा आवर्ती जमा। साथ ही इस शाखा में स्वर्ण ऋण, व्यक्तिगत ऋण, खेती के उपकरणों के लिए ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, आवास ऋण, वाहन ऋण, संपत्ति पर ऋण, व्यवसाय ऋण और शिक्षा ऋण जैसी ऋण एवं कार्ड सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इस शाखा का परिचालन सोमवार से शुक्रवार सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक और महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को होता है। बता दें बिहार में आईसीआईसीआई बैंक की 170 से अधिक शाखाएं और 240 एटीएम तथा सीआरएमहैं।

तेंदुए ने पंजा मारकर बकरी को किया घायल

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से सटे संतपुर और त्रिवेणी नहर के बीच गुरुवार को एक तेंदुए ने बकरी पर हमला कर उसे घायल कर दिया। तेंदुए के पंजे से बकरी के गले में जख्म हो गया। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। संतपुर निवासी अजय कुमार ने बताया की, बकरी खेत के आसपास चर रही थी। इसी दौरान अचानक तेंदुआ वहां पहुंच गया और बकरी पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले से घायल बकरी जोर-जोर से रेंकने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग शोर करते हुए घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों को अपनी ओर आता देख तेंदुआ बकरी को छोड़कर खेत की तरफ भाग निकला। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर घायल बकरी को देखा, जिसके गले पर तेंदुए के पंजे से जख्म के निशान मिले हैं। घटना की जानकारी वन विभाग को भी दिए जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि इन दिनों वीटीआर से सटे ग्रामीण इलाकों में जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ गई है। तेंदुआ सहित अन्य वन्यजीवों के आबादी के आसपास पहुंचने से ग्रामीणों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और जंगली जानवरों की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है।

19 सितंबर को आयोजित होगा जिला स्तरीय नियोजन-सह-व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला

बेतिया। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, जिला नियोजनालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के तत्वावधान में दिनांक 19 सितंबर 2026 को एक दिवसीय जिला स्तरीय नियोजन-सह-व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया जाएगा। मेला का आयोजन स्थानीय सरकारी आईटीआई, छात्रावास के बगल वाले खुले मैदान, चेक पोस्ट, बेतिया में किया जाएगा। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि जिले के अधिक से अधिक रोजगार इच्छुक युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं उन्हें व्यवसायिक मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से नियोजन मेला आयोजित किया जा रहा है। मेले में निजी क्षेत्र के अधिक से अधिक नियोजकों को आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले के सभी रोजगार इच्छुक युवक-युवतियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में नियोजन मेले में शामिल होकर उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठाएं।

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट मामले के वारंटी शिबू बासुकी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) हवेली खड़गपुर थाना पुलिस ने कोर्ट से जुड़े एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान थाना क्षेत्र के मोतियातरी गांव निवासी शिबू बासुकी के रूप में हुई है।थानाध्यक्ष ने बताया कि शिबू बासुकी के खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस को उसकी तलाश लंबे समय से थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन को लेकर फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

धरहरा में पुरानी रंजिश को लेकर फिर भड़का विवाद, समझौते के नाम पर 10 हजार मांगने का आरोप

धरहरा (मुंगेर) : धरहरा थाना क्षेत्र के पचरुखी गांव में 30 अगस्त को हुई मारपीट के पुराने विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार को इसी मामले को लेकर दो पक्षों में फिर से कहासुनी और मारपीट की घटना सामने आई है।इस संबंध में पचरुखी निवासी निखिल कुमार झा ने धरहरा थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में निखिल ने अपने पड़ोसी साजन सिंह और मनबोध कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। निखिल का कहना है कि 30 अगस्त को हुई मारपीट की घटना को लेकर उसने धरहरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही साजन सिंह और मनबोध कुमार उसे और उसके परिवार को कथित तौर पर परेशान कर रहे हैं। आवेदन के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों आरोपी उसके घर पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। निखिल का आरोप है कि उन्होंने उसके पिता के साथ भी अभद्र व्यवहार किया और पुराने मामले में समझौता करने के एवज में 10 हजार रुपये की मांग की। वहीं दूसरी ओर से भी थाना में आवेदन देकर बेवजह मारपीट करने का आरोप लगाया गया है।इस पूरे मामले पर प्रभारी थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है। आवेदन प्राप्त होने पर जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार ने आवेदकों का सुना फरियाद, त्वरित कार्रवाई का आश्वासन

मुंगेर। आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार के द्वारा शुक्रवार को जन संवाद में आए हुए आवेदकों के आवेदन पर सुनवाई की गई। जिसमें प्रमंडल मुंगेर अंतर्गत 02 आवेदन मुंगेर जिला से प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदन में भूमि विवाद एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे शामिल थे। जिन पर आयुक्त के सचिव के द्वारा गंभीरता एवं विस्तार से सुनवाई की गयी एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन पत्रों पर त्वरित कारवाई करते हुए, विभागीय नियमो का अनुपालन सहित, निष्पादन करने एवं प्रतिवेदन देने को कहा गया।

एच एस कॉलेज के सहायक प्रोफेसर एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियवंदा शर्मा बनी विश्वविद्यालय के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के अंगीभूत हरि सिंह महाविद्यालय के हिंदी डिपार्मेंट सहायक प्रोफेसर एएनओ लेफ्टिनेंट डॉक्टर प्रियवंदा शर्मा को मुंगेर विश्वविद्यालय का पब्लिक रिलेशन ऑफिसर कें पद पर नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी मुंगेर विश्वविद्यालय के ड्यूटी रजिस्टार द्वितीय ने विश्वविद्यालय की ओर से जारी की गई नोटिफिकेशन मेमो नबर एर३ु /192/2022 /एर३ु -999 तारीख 09/09/2026 के माध्यम से जानकारी दिया है।

प्रेम-प्रसंग में युवक-युवती ने फंदे से लटककर दी जान

डॉग स्क्वाड सहित वैज्ञानिक तरीके से पुलिस अनुसंधान में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

हरसिद्धि ।शिव तिवारी।हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सोनबरसा स्थित गिरि टोला में एक आम के बगीचे में शुक्रवार सुबह युवक और युवती के शव पेड़ से लटके मिले। दोनों की पहचान हरसिद्धि पकड़िया गांव निवासी भूटन बैठा के पुत्र 32 वर्षीय भोला बैठा और मोहम्मद सनाउल्लाह की दूसरी पत्नी 30 वर्षीय सफीना खातून के रूप में हुई है। दोनों शादीशुदा बताए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक भोला बैठा का एक बेटा और तीन बेटियां हैं। वहीं मृतिका सफीना खातून का एक 9 वर्षीय बेटा और 8 वर्षीय बेटी है। दोनों मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल देखा गया। मृतक भोला बैठा के पिता घुटन बैठा ने बताया कि अब इन बच्चों का क्या होगा। वहीं मृतका सफीना खातून के पति सनाउल्लाह ने बताया कि दो मासूम बच्चों को छोड़कर चली गई, अब इन बच्चों का पालन कैसे होगा और दोनों रोने लगे।

हालांकि दोनों परिजनों के द्वारा जब देर रात तक खोजबीन की गई और इन दोनों का पता नहीं चला तो इनके परिजनों के द्वारा थाना में इसकी सूचना आवेदन के माध्यम से देने की तैयारी थी, तभी इन लोगों को जानकारी प्राप्त हुई कि दोनों का शव मिल गया है।

ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह खेत की ओर जाने के दौरान आम के पेड़ से दोनों के शव लटके देखे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर हरसिद्धि थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को नीचे उतारकर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच पूर्व से प्रेम-प्रसंग होने की बात सामने आई है। बताया गया कि सफीना गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे से लापता थी। उसका मोबाइल फोन घर पर ही मिला। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों के बीच कुछ समय से नजदीकी संबंध थे।

घटनास्थल पर जांच-पड़ताल के दौरान अरेराज डीएसपी कुमारी प्रियंका, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, दरोगा प्रीतम कुमार, दरोगा अंकित कुमार, चौकीदार तफसीर आलम, चौकीदार रामबाबू यादव, मंजेश यादव सहित पुलिस बल मौजूद रहे।

डीएसपी कुमारी प्रियंका ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वाड की टीम को बुलाई गई, जिसके द्वारा काफी जांच-पड़ताल की गई। घटनास्थल को सुरक्षित रखते हुए वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आज होगा आयोजन 14 पीठों का किया गया है गठन

■ 8200 मुकदमों में लगभग 6500 नोटिस जारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पटना के निर्देश पर 12 सितंबर को बैंकिंग, दावा एवं बीमा वाद वन वाद,सुलहनीय आपराधिक एवं दीवानी वाद,

राजस्व वाद, सेवा संबंधित मामले, पेंशन मामले, वैवाहिक वाद ,मोटरयान दुर्घटना वाद ,विद्युत वाद, पानी विपत्र से संबंधित वाद, दुरभाष वाद,श्रम वाद, यातायात चलान से संबंधित वाद एवं मजदूरी वाद आदि के मामले के संबंध में सभी सुलहनीय वादों के सुलभ, निष्पादन के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया जा रहा है। इस संबंध में आम जनों से अनुरोध किया गया है कि 12 सितंबर दिन शनिवार को पूर्वाहन 10:00 बजे से आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों का निष्पादन करायें एवं इस अवसर का लाभ उठाएं। अंतराष्ट्रीय लोक अदालत के लिए इस बार न्यायालय द्वारा करीब 8200 मुकदमों में लगभग 6500 नोटिस निर्गत किया गया हैइस सम्बन्ध में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने बताया कि वादों के निष्पादन के लिए करीब 14 पीठों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि पीठ संख्या 01 के लिए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय विकास कुमार मिश्रा। पीठ संख्या 02 के लिए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मुंगेर श्रीमति कुमारी मनीषा। पीठ संख्या 03 के लिए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती आदिति गुप्ता। पीठ सख्या 04 के लिए अपर मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी प्रथम कुमार पंकज। सख्या 05 के लिए अपर मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी द्वितीय श्रीमती आकांक्षा । पीठ सख्या 06 के लिए अपर मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी तृतीया रूपेश कुमार। सख्या 07 के लिए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी मुंगेर सुश्री स्वाति यादव। पीठ सख्या 08 के लिए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम शैलेंद्र कुमार। पीठ सख्या 09 के लिए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सुश्री किरण कुमारी। पीठ सख्या 10 के लिए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सुश्री शालिनी किरण।

बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को लेकर जनसुराज पार्टी ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

मुंगेर। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर जनसुराज पार्टी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के जिलाध्यक्ष मो. शहाब मलिक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी धनराज निप्पनिकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सदर प्रखंड, बरियारपुर, टेटियाबंबर, जमालपुर, कुतलूपुर दियारा सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में जलजमाव के कारण लोगों को भोजन, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी किल्लत हो रही है। इसे तत्काल दूर करने की मांग की गई। साथ ही पशुपालकों के लिए चारा, सुरक्षित स्थान एवं पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा जलजमाव से संभावित महामारी की रोकथाम के लिए मेडिकल टीम और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया।इस मौके पर जिला सलाहकार समिति सदस्य मनोज पटेल, महिला नेत्री स्वीटी शर्मा, सदर प्रखंड अध्यक्ष बिनय कुमार सिंह एवं अंजू देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

घर का ताला तोड़ लाखों के जेवर व नकदी चोरी

■ पीछे की दीवार फांदकर घर में घुसे चोर, सामान खंगालकर ले गए करीब 15 हजार रुपये नकद व जेवर

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर/टेटियाबंबर(मुंगेर)। प्रखंड क्षेत्र के भंडार बासा गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के जेवरात एवं करीब 15 हजार रुपये नकद चोरी कर ली। घटना दो दिन पूर्व रात की बताई जा रही है। मामले में पीड़ित विवेक सिंह की लिखित शिकायत पर शुक्रवार को टेटियाबंबर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।पीड़ित विवेक सिंह ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह घर में अकेले थे और मुख्य दरवाजे वाले कमरे में सो रहे थे। घर के अंदर के दोनों कमरों में ताला लगा हुआ था। सुबह नींद से उठने के बाद जब वह घर के अंदर गए तो दोनों कमरों के दरवाजे खुले मिले। अंदर गोदरेज, ट्रंक-बक्सा समेत अन्य सामान बिखरा पड़ा था। घर की तलाशी लेने पर नकदी और जेवरात गायब मिले। पीड़ित के अनुसार, चोर करीब 15 हजार रुपये नकद के अलावा लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। आशंका जताई जा रही है कि चोर घर के पीछे की दीवार फांदकर छत पर पहुंचे और सीढ़ी के रास्ते आंगन में उतरकर घर के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद कमरों में रखे सामान को खंगालकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल कर चुकी है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस अब चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विभिन्न बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। टेटियाबंबर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार केहरी ने बताया कि शुक्रवार को पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए

प्रातः किरण संवाददाता

मोतिहारी शुक्रवार को पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए 42 आवेदनकताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारीगण ने सुनवाई की।

प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान शीघ्र किया जाएगा । आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम में एडीएम विभागीय जांच मो सिबगतुल्लाह और वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस ने जागापाकड़ के चेवर में छापेमारी कर 200 लीटर शराब सहित एक बाइक किया बरामद

हरसिद्धि। बिहार शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने को लेकर हरसिद्धि पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार छापेमारी की जा रही है। हरसिद्धि पुलिस ने थाना क्षेत्र के जागापाकड़ पंचायत स्थित पुरानाडीह चेवर से एक मोटरसाइकिल एवं 200 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया है।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक पुलिस टीम बनाई गई, जिसका नेतृत्व दरोगा शेराज खां कर रहे थे। उनके साथ अन्य पुलिस बल मौजूद था। पुलिस टीम ने छापेमारी की, जहां से शराब कारोबारी भागने में सफल हुए। उक्त स्थान से 200 लीटर चुलाई शराब प्लास्टिक की बोरी सहित एक बाइक भी बरामद किया गया।

छापेमारी के दौरान शराब कारोबारी भागने में सफल हुए। तीन शराब कारोबारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है।

श्रम सेवा सुविधा केंद्र का भव्य उद्घाटन, निर्माण श्रमिकों को मिलेगा सभी योजनाओं का लाभ

मुंगेर। मुंबई में आयोजित भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार राष्ट्रीय सम्मेलन के मंच से केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बिहार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में रिमोट का बटन दबाकर मुंगेर जिले में नवनिर्मित श्रम सेवा सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह सौहार्दपूर्ण और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मुंगेर जिले के स्थानीय निर्माण श्रमिकों को बोर्ड संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, निबंधन एवं नवीकरण एक ही छत के नीचे त्वरित और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही मुंगेर प्रमंडल के लिए 02 मोबाइल व्हीकल भी उपलब्ध कराए गए हैं, जो प्रमंडल के सभी जिलों के सुदूर क्षेत्रों में जाकर योजनाओं का प्रचार-प्रसार, निबंधन और आवेदन का कार्य करेंगे।

जनता दरबार में आवेदकों ने दिया आवेदन ,जिला पदाधिकारी ने की सुनवाई, त्वरित निष्पादन करने का दिया आश्वासन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के तहत आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आमजन की समस्याओं की सुनवाई की गई। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने 30 आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार शीघ्र एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। धरहरा महरना निवासी रूबी देवी ने पड़ोसियों पर उनके जमीन को जबरन कब्जा करने की शिकायत की। बाहाचौकी निवासी विपिन बिहारी सिंह ने उक्त क्षेत्र में बंद हुए नल जल योजना को पुनः चालू कराने की मांग की। बरियारपुर करहरिया पश्चिमी निवासी अलीशा तिवारी ने बाढ़ सहायता राहत की राशि नहीं मिलने की शिकायत की। नया टोला चकहासिम निवासी रानी प्रवीण ने अपने खोये पुत्र आसिफ की खोजबीन कराने की मांग की।

जनता दरबार में इसके अलावे भी अन्य विभागों से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए, जिनमें जमीन संबंधी, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें भी रहीं। जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध जांच कर समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्राप्त सभी आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विश्वकर्मा पुजा को लेकर स्वर्णकार संघ की बैठक

■ स्वर्णकार तपेश्वरी धर्मशाला मे करने का हुआ निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.चः नगर के स्वर्णकार तपेश्वरी धर्मशाला में आगामी विश्वकर्मा पूजा को भव्य एवं आकर्षक बनाने को लेकर शुक्रवार को स्वर्णकार संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अशोक सोनी ने की। इस दौरान विश्वकर्मा पूजा समारोह की तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा एवं विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए संघ अध्यक्ष अशोक सोनी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा स्वर्णकार समाज के लिए विशेष महत्व रखती है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूजा समारोह को बेहत्तर और भव्य रूप देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन में समाज के सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ पूजा की सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएंगी।

बैठक में पूजा स्थल की सजावट, पूजा-अर्चना, प्रसाद वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे। संघ के पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय के साथ आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में समाज के लोगों से भी विश्वकर्मा पूजा समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई।मौके पर लक्ष्मी सर्राफ, अशोक सोनी, राजकुमार सर्राफ, राहुल वर्धन सर्राफ, विकास सर्राफ, अनूप सर्राफ, प्रेम सर्राफ, नवीन कुमार, मिलन कुमार, सागर सर्राफ,राजू कुमार आदि थे।

ट्रैफिक चालान का एकमुश्त निपटारा , 50 प्रतिशत तक रियायत का लाभ उठाएं

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के सम्मानित नागरिकों से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अपील है कि दिनांक 12.09.2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लंबित एवं सुलह योग्य मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित निपटारा कराएं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल मामले, आपराधिक सुलह योग्य मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, बैंक ऋण, श्रम विवाद, वैवाहिक/पारिवारिक विवाद, राजस्व संबंधी एवं अन्य सुलह योग्य मामलों का निपटारा किया जाएगा।

ट्रैफिक चालान मामलों के लिए विशेष अवसर

90 दिन अथवा उससे अधिक पुराने ट्रैफिक चालानों के निपटारे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना, 2026 के अंतर्गत निर्धारित पात्र धाराओं में शमन राशि पर 50% तक की रियायत का लाभ दिया जा रहा है।

ट्रैफिक चालान के निपटारे के लिए मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में 24 विशेष काउंटर बनाए गए हैं, जहाँ संबंधित व्यक्ति अपने चालान का निपटारा आसानी से करा सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, पूरे जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कुल 32 लोक अदालत पीठों का गठन किया गया है।

यह अवसर अपने पुराने चालान एवं लंबित मामलों को सरल, शीघ्र और सौहार्दपूर्ण तरीके से समाप्त कराने का है। अतः पूर्वी चम्पारण के सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

आइए, मुकदमेबाजी को विराम दें–समझौते और समाधान की ओर बढ़ें।

स्मार्ट बैंकिंग और भुगतान के लिए दो नए एआई समाधान किए गए पेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एक्सिस बैंक ने हिताची पेमेंट सर्विसेज के साथ मिलकर एआई आधारित दो नए समाधान एक्सप्रेस बैंकिंगः डिजिटल बैंकिंग पॉइंट 2.0 और एआई साउंडबॉक्स पेश किए हैं। इन नए समाधानों के जरिए बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल ग्राहकों और कारोबारियों के साथ होने वाले प्रमुख संपर्क बिंदुओं तक पहुंचाया गया है। एक्सप्रेस बैंकिंगः डिजिटल बैंकिंग पॉइंट 2.0 के जरिए ग्राहक सामान्य बोलचाल की भाषा में बातचीत करते हुए बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे और जरूरी सहायता पा सकेंगे। वहीं एआई साउंडबॉक्स कारोबारियों को भुगतान से जुड़े सवाल आवाज के जरिए पूछने और तुरंत जवाब पाने की सुविधा देगा। यह एआई साउंडबॉक्स 12 भाषाओं में हिसाब देगा, दोनों समाधान रोजमर्रा की बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में बातचीत आधारित एआई को शामिल करते हैं।

बैंक में ग्रुप हेड–ब्रांच बैंकिंग साउथ, संजीव मोघे ने कहा कि हमारा ध्यान ऐसी तकनीक का इस्तेमाल करने पर है, जो रोजमर्रा की बैंकिंग को ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार आसान, बेहतर और अधिक प्रभावी बनाए। हिताची पेमेंट के साथ मिलकर विकसित किया गया एक्सप्रेस बैंकिंगः डिजिटल बैंकिंग पॉइंट 2.0 अधिक सहज और भविष्य के लिए तैयार बैंकिंग अनुभव तैयार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

झूठे काउंटर केस, लंबित जांच और अनावश्यक रेफरल पर रोक के लिए राष्ट्रपति, पीएम एवं सीएम से हस्तक्षेप की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता आनंद कुमार चन्द्रवंशी ने महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री एवं बिहार के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बिहार में झूठे काउंटर केस, शिकायतों को ह्लजांच चल रही हैह्व के नाम पर अनिश्चितकाल तक लंबित रखने तथा सरकारी अस्पतालों में अनावश्यक रेफरल की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। चन्द्रवंशी ने कहा कि लोकतंत्र में आम नागरिक को केवल कानून, थाना और अस्पताल की व्यवस्था नहीं चाहिए, बल्कि समय पर न्याय और समय पर इलाज भी चाहिए। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को प्रतिशोध या दबाव बनाने के लिए झूठे मुकदमे में फंसाया जाता है, शिकायत वर्षों तक लंबित रहती है अथवा इलाज की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भेजा जाता है, तो इससे शासन-प्रशासन एवं स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास कमजोर होता है। उन्होंने मांग की कि काउंटर केस सहित सभी मामलों की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच हो तथा जानबूझकर झूठे आरोप लगाए जाने की स्थिति में कानून के अनुसार जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही प्रत्येक प्रशासनिक शिकायत के लिए जिम्मेदार जांच अधिकारी, अधिकतम समय-सीमा, डिजिटल ट्रैकिंग और अंतिम निर्णय की लिखित सूचना अनिवार्य करने की मांग की गई है।

सरकारी अस्पतालों के संबंध में उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर करना आवश्यक है, लेकिन जहां उपलब्ध संसाधनों में उपचार संभव हो, वहां अनावश्यक रेफरल पर रोक लगनी चाहिए। इसके लिए प्रत्येक रेफरल का चिकित्सकीय कारण, उपलब्ध/अनुपलब्ध सुविधा, रेफर किए गए अस्पताल का नाम तथा मरीज की स्थिति और दिए गए प्राथमिक उपचार का रिकॉर्ड रखने तथा जिला स्तर पर फ्रीा११' अ४ॅ३ र८२३ी लागू करने का सुझाव दिया गया है।

श्री चन्द्रवंशी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक डॉक्टर, दवा, जांच, उपकरण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने तथा शिकायत और रेफरल दोनों के लिए पारदर्शी डिजिटल निगरानी व्यवस्था विकसित करने की भी मांग की।

उन्होंने प्रधानमंत्री से इन विषयों को केवल बिहार तक सीमित न रखते हुए देशव्यापी प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य सुधार के मॉडल के रूप में विकसित करने की पहल करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जनता को न्याय के लिए वर्षों तक कार्यालयों और अदालतों के चक्कर तथा इलाज के लिए अस्पताल-दर-अस्पताल भटकना न पड़े–इसके लिए व्यवस्था को जवाबदेह, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना जरूरी है।

बैंक हड़ताल से मुंगेर सहित सभी प्रखंडों में ठप रहा कामकाज

■ तीन दिनों तक बैंक बंद रहने से ग्राहकों की बढ़ सकती है परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार, 11 सितंबर को देशव्यापी बैंक हड़ताल का असर हवेली खड़गपुर,टेटिया बंबर तारापुर असरगंज संग्रामपुर बरियारपुर धरहरा मुंगेर सदर प्रखंड क्षेत्र में भी देखने को मिला। हड़ताल के कारण क्षेत्र की विभिन्न बैंक शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। हवेली खड़गपुर के बैंक ऑफ इंडियापंजाब नेशनल बैंक स्टेट बैंक यूको बैंक सहित टेटिया बंबर के बिच्छी चाचर स्थित पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण बैंक, गंगटा मोड़ स्थित दक्षिण बिहार ग्राीण बैंक तथा गौरवडीह स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की शाखाओं में दिनभर कामकाज बंद रहा।हड़ताल के दौरान सभी संबंधित बैंक शाखाओं के मुख्य द्वार पर ताले लटके रहे। बैंकिंग कार्य के लिए पहुंचे ग्राहकों को निराश होकर लौटना पड़ा। बैंक बंद रहने के कारण नकद जमा-निकासी, चेक क्लीयरेंस, बैंक ड्राफ्ट सहित कई नियमित बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुईं। इससे खाताधारकों, व्यापारियों और जरूरी बैंकिंग कार्य कराने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल की। यूनियन से जुड़े कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार और संबंधित पक्षों से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। साथ ही मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी गई है। वहीं, हड़ताल के अगले दिन शनिवार, 12 सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जबकि 13 सितंबर को रविवार होने के कारण बैंक शाखाओं में अवकाश रहेगा।

ऐसे में टेटिया बंबर क्षेत्र में बैंक शाखाएं लगातार तीन दिनों तक बंद रहेंगी। लगातार बैंक बंद रहने से लोगों को बैंकिंग कार्यों के लिए अतिरिक्त इंतजार करना पड़ सकता है।हालांकि, एटीएम, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है।

बिहार तकनीकी सेवा आयोग की अनुशंसा पर 683 ओटी असिस्टेंट एवं 100 ईसीजी टेक्निशियन को मिली पदस्थापना

सभी नवपदस्थापित ओटी असिस्टेंट एवं ईसीजी टेक्निशियन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएंः स्वास्थ्य मंत्री

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बिहार तकनीकी सेवा आयोग की अनुशंसा पर चयनित 683 ओटी असिस्टेंट, 100 ईसीजी टेक्निशियन) के सफल अभ्यर्थियों की राज्य के विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पदस्थापना कर दी गई है।

683 ओटी असिस्टेंट में 124 महिला एवं 559 पुरुष सफल अभ्यर्थी शामिल हैं, जबकि 100 ईसीजी टेक्निशियन में 42 महिला एवं 58 पुरुष अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। इन तकनीकी कर्मियों की नियुक्ति से राज्य के मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों, जिला अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (उळउ), रेफरल अस्पतालों तथा अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में ओटी असिस्टेंट एवं ईसीजी टेक्निशियन की कमी दूर होगी। इससे अस्पतालों में सर्जरी संबंधी सेवाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली ईसीजी जांच सुविधाओं की गुणवत्ता, दक्षता एवं त्वरित सेवा में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

ओटी असिस्टेंट की पदस्थापना पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (ढटउळ) में 16, गया जी स्थित अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (अठटटउळ) में 12, दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (उटउळ) में 11, भागलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (खछठटउळ) में 20 तथा अन्य संस्थानों एवं अस्पतालों में की गई है। इसी प्रकार ईसीजी टेक्निशियन की पदस्थापना पटना स्थित इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान (क्क्क्ष) में 15, पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (ढटउळ) में 6, श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (रङटउळ) में 4, दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल(उटउळ) में 4 सहित अन्य संस्थानों एवं अस्पतालों में की गई है। इन तकनीकी कर्मियों की पदस्थापना से जिला अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (उळउ), रेफरल अस्पतालों तथा अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में ओटी असिस्टेंट एवं ईसीजी टेक्निशियन की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे सर्जरी संबंधी सेवाओं एवं ईसीजी जांच सुविधाओं की गुणवत्ता, दक्षता और त्वरित सेवा में सुधार होगा।स्वास्थ्य विभाग ने पूरी पदस्थापना प्रक्रिया को पारदर्शी, मेरिट आधारित एवं संवेदनशील बनाया है। पदस्थापना के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया अपनाई गई है। दिव्यांग अभ्यर्थियों को यथासंभव उनके गृह जिले (होम डिस्ट्रिक्ट) में पदस्थापित किया गया है। वहीं महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों को उनकी मेरिट के अनुरूप निकटवर्ती जिलों के पास पदस्थापना देने का प्रयास किया गया है।सभी ओटी असिस्टेंट, ईसीजी टेक्निशियन को निर्देश दिया गया है कि वे एक माह के भीतर अपने सभी शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक मूल प्रमाण-पत्रों के साथ संबंधित संस्थान में योगदान देंगे। संबंधित संस्थान के अधीक्षक/अधीक्षक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा उनके प्रमाण-पत्रों का मूल अभिलेखों से मिलान कर सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा तथा तीन माह के भीतर निर्गत संस्थानों से उनकी जांच एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कर विभाग को प्रतिवेदित किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने सभी नवपदस्थापित ओटी असिस्टेंट एवं ईसीजी टेक्निशियन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराकर आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवपदस्थापित ओटी असिस्टेंट एवं ईसीजी टेक्निशियन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लिखा पत्र

शरद यादव, रामविलास और रघुवंश बाबू की प्रतिमा लगाने की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय शरद यादव, स्वर्गीय डॉ रघुवंश प्रसाद सिंह एवं स्वर्गीय रामविलास पासवान की राज्य में आदमकद प्रतिमा स्थापित करते हुए उनकी जयंती या पुण्यतिथि को राजकीय समारोह घोषित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखा।तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी को लिखे पत्र में कहा कि डॉ रघुवंश प्रसाद सिंह, शरद यादव एवं रामविलास पासवान राज्य के महान विभूति होने के साथ-साथ प्रखर समाजवादी नेता थे। इन राजनेताओं ने अपने सामाजिक सरोकारों और सक्रिय राजनीतिक जीवन के माध्यम से बिहार की उल्लेखनीय सेवा की।

ये देश के ऐसे सपूत रहे हैं, जिनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से हम सभी बिहारवासी सदा ऋणी रहेंगे। आपको ज्ञात होगा कि निधन से कुछ दिन पूर्व डॉ रघुवंश बाबू ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र के माध्यम से अपनी कुछ मांगे पूर्ण करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन 6 वर्ष बीतने के बाद भी उन मांगों पर अभी तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। मुझे विश्वास है कि आप उन लंबित मांगों को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। रघुवंश बाबू की अंतिम इच्छाओं को सम्मान देते हुए उन्हें पूरा करना ही उनके प्रति हमलोगों की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बिहार से लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में लंबे समय तक सक्रिय रहे शरद यादव एक कद्दावर समाजवादी नेता थे, जिन्होंने जीवनभर ह्यसामाजिक न्यायह्न की राजनीति के माध्यम से विशेषकर वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान में अभूतपूर्व योगदान देकर आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारा।इसी प्रकार रामविलास पासवान समतावादी विकास और समाजवाद के पक्षधर थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन दबे, कुचले और उपेक्षित वर्गों के सामाजिक उत्थान, संघर्ष, सुरक्षा एवं विकास के लिए समर्पित किया।अतः मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया रघुवंश बाबू, शरद यादव एवं रामविलास पासवान की राज्य में आदमकद प्रतिमा स्थापित करते हुए उनकी जयंती अथवा पुण्यतिथि को राजकीय समारोह घोषित किया जाए।

वीबी-जी राम जी योजना से संवरा खामकलाः सूखे खेत में लहलहाने लगी फसल, 50 एकड़ कृषि भूमि तक पहुंच रहा सिंचाई का पानी

- ग्राम सभा के प्रस्ताव को ग्रामीण विकास विभाग ने प्रभावी ढंग से किया क्रियान्वित
- पूर्व मुख्यमंत्री के सपने को पंचायत में मिली नई उड़ान; बांध के जीर्णोद्धार और चेकडैम के निर्माण से पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट का हुआ स्थायी समाधान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विकसित भारतझ्गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी विकसित भारतझ्जी राम जी योजना (पूर्व में मनरेगा) ग्रामीण विकास के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रहा है। योजना के तहत बनाए जा रहे बांध और चेक डैम न सिर्फ हजारों-लाखों किसानों के जीवन में खुशहाली लाने का काम कर रहे हैं, बल्कि महिला सशक्तीकरण की भी नई राह बनी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और पशुपालन कारोबार को बढ़ावा मिला है, जिसके सहारे हजारों, लाखों जीविका दीदियां स्वरोजगार से जुड़कर खुद के सपने को साकार कर रही हैं।

बानगी के तौर पर हम कैमूर के अधौरा प्रखंड अंतर्गत दिघार पंचायत के राजस्व गांव खामकला को देख सकते हैं। ग्रामीण विकास विभाग के अनुसार, खामकला से सटे कैमूर पहाड़ का पानी बरसाती दिनों में फिजूल बह जाया करता था। इस समस्या से निपटने के लिए ग्राम सभा स्तर पर बांध के जीर्णोद्धार और चेक डैम निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर ग्रामीण विकास विभाग को भेजा गया।

विभाग ने सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को पुनर्जीवित करने संबंधी पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री सात निश्चय पार्ट-टू जल-जीवन हरियाली के तहत प्रस्ताव को स्वीकृत किया और इसके लिए वृहद कार्ययोजना तैयार की। परियोजना को वीबी-जी राम जी (पूर्व मनरेगा) योजना में शामिल करते हुए चेक डैम का निर्माण और हरिबांध का जीर्णोद्धार कार्य शुरू हुआ, जिसमें स्थानीय स्तर पर हजारों जीविका दीदियों ने श्रमदान किया। जल संरक्षण की इस पहल से खामकला में जल संकट का स्थायी समाधान हुआ है। जल उपलब्धता बढ़ने से ग्रामीणों के लिए कृषि के साथ-साथ पशुपालन और मत्स्य पालन के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। जीविका दीदियां ने अपने कठिन परिश्रम से न सिर्फ जल संकट की समस्या को हमेशा-हमेशा के लिए दूर किया, बल्कि इसके सहारे स्वरोजगार के रूप में वह आज खुद के सपने को साकार कर रही हैं।

मौजूदा समय में खामकला के चेक डैम और हरिबांध में पानी की उपलब्धता रहने से जीविका दीदियों के बत्तख पालन और मछली पालन को बढ़ावा मिला है। बांध के कमांड एरिया और चेक डैम के जलग्रहण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण के सहारे दीदी की नर्सरी का संचालन किया जा रहा है। पौधों के बांध के किनारों लगने से जहां पर्यावरण संरक्षित हुआ है।

हिन्दी काव्य-साहित्य के अनमोल रत्न हैं महाकवि केदारनाथ मिश्र प्रभात

- हिन्दी-पखवारा के ११वें दिन साहित्य सम्मेलन में आयोजित हुआ जयंती-समारोह, दी काव्यांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। महाकवि केदारनाथ मिश्र प्रभात हिन्दी काव्य-साहित्य के अनमोल रत्न हैं। उनकी काव्य-कल्पनाएँ अत्यंत मोहक और चकित करती हैं। उन्होंने अपनी विलक्षण काव्य-प्रतिभा से हिन्दी-कविता को साहित्य के शिखर पर प्रतिष्ठित किया। महाभारत के महान-योद्धा कर्ण पर लिखित उनका खंड-काव्य ह्यकर्णह्न हो अथवा रामायण की खल स्त्री-पात्र ह्यकैकेयीह्न , प्रभात जी ने इन पर पाठकों को नयी दृष्टि से सोचने पर विवश किया है।

यह बातें शुक्रवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा महाकवि की जयंती पर आयोजित समारोह और

कवि-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि, उनके गीत-संग्रह ह्यबैठो मेरे पास पठनीयता और रमणीयता के पुलकनकारी उदाहरण हैं। पाठकों में लोकप्रियता और विक्रय की दृष्टि से कीर्तिमान स्थापित करने वाले उपन्यासों ह्यमृत्युंजयह्न और ह्ययुगंधर का अत्यंत लोकप्रिय उपन्यासकार शिवाजी सामंत की दृष्टि में, प्रभात जी का ह्यकणह्न हिन्दी-काव्य-साहित्य का ह्यएक मात्र अनमोल गहनाह्न है।

वरिष्ठ साहित्यकार डा रत्नेश्वर सिंह ने कहा कि प्रभात जी की काव्य-रचनाएँ पाठकों को उद्वेलित करती हैं। उनकी पुस्तक ह्यज्वालाह्न ने क्रांति को एक ऐसा बल दिया कि उससे डरी हुई अंग्रेजी सरकार ने प्रेस में ही उसपर प्रतिबन्ध लगा दिया था।

महाकवि ह्यप्रभातह्न के कनिष्ठ पुत्र मोहन मृगेंद्र, पुत्रवधु नम्रता कुमारी, निर्मला मिश्र, पौत्र वंश प्रभात, बंगलुरु से आयीं कवयित्री और सुप्रसिद्ध ध्रुवपद-गायिका श्वेता मिश्र, विभारानी श्रीवास्तव, डा पूनम आनन्द और पं उमेश मिश्र ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा महाकवि को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर आयोजित कवि-गोष्ठी का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से हुआ। वरिष्ठ कवि प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, प्रो समरेंद्र नारायण आर्य, डा ओम् प्रकाश पाण्डेय ह्यवदनामह्न, शुभचंद्र सिन्हा, शमा कौसर शमा, प्रियंका श्रीवास्तव, शुभ्र, पूनम कतरियार, ई अशोक कुमार, सदानन्द प्रसाद, अभिराम बुद्धवाहा, अमितेश राज, अनुराग कुमार, इन्दु भूषण सहाय, शंकर शरण मधुकर ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

मछुआरों की आय बढ़ाने की पहलः करीब 10 हजार किसानों को मुफ्त मिलेगा मछली पालन का प्रशिक्षण

- 332 बैचों में मछली पालन की आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देगी सरकार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य में मछली उत्पादन बढ़ाने और मत्स्य किसानों की आय में वृद्धि के लिए बड़ी पहल की है। डेयरी,मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 9,685 (लगभग 10 हजार) किसानों को मछली पालन का निःशुल्क प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है। इसके लिए ह्यमत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार योजनाह्न के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

योजना का उद्देश्य राज्य के मत्स्य किसानों को नवीनतम मात्स्यिकी तकनीकों एवं मत्स्य पालन की आधुनिक विधियों में प्रशिक्षित करना है, जिससे मछली उत्पादन के साथ-साथ उनकी वार्षिक आय में वृद्धि हो सके। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है। निबंधन शुल्क के अलावा लाभार्थियों से कोई अन्य राशि नहीं ली जाएगी।

इस कार्यक्रम के तहत राज्य के अंदर और बाहर स्थित प्रतिष्ठित मात्स्यिकी संस्थानों में कुल 332 बैचों में 9,685 मत्स्य कृषकों/मछुआरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत केवल राज्य के बाहर स्थित प्रशिक्षण संस्थानों में जाने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को यात्रा भत्ता दिया जाएगा। राज्य के अंदर स्थित प्रशिक्षण केंद्रों पर मार्ग व्यय की सुविधा देय नहीं होगी।

केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, काकीनाडा में प्रशिक्षण के लिए निबंधन शुल्क 250 रुपये तथा अन्य सभी संस्थानों/केंद्रों के लिए 100 रुपये निर्धारित है, जिसे संबंधित जिले के जिला मत्स्य कार्यालय में जमा करना होगा। पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके मत्स्य पालकों का चयन तीन वर्ष बाद ही पुनः किया जा सकेगा।

तीन दिन में बिहार के तीन रंग बोधगया की आस्था राजगीर का रोमांच और नालंदा की विरासत

- पटना से शुरू होगा खास पर्यटन सफर, 20 हजार रुपये में 2 रात-3 दिन का पैकेज, यात्रा, भोजन, ठहराव और गाइड की सुविधा शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार की आध्यात्मिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती को करीब से महसूस करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए खास पर्यटन पैकेज तैयार किया गया है। ब्रांड बिहार के तहत पर्यटन स्थलों की समृद्धि को निहारने का यह खास पैकेज विशेष अवसर प्रदान करता है।

पटना से बोधगया, राजगीर, नालंदा से फिर पटना का यह 2 रात और 3 दिन का पैकेज पर्यटकों को राज्य के तीन प्रमुख पर्यटन केंद्रों की सैर कराएगा। खास बात यह है कि पैकेज में यात्रा के साथ ठहरने, भोजन, प्रशिक्षित गाइड, पर्यटन पुलिस और प्रमुख स्मारकों के प्रवेश शुल्क जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। यानी पर्यटक बिना किसी अतिरिक्त व्यवस्था की चिंता किए एक ही पैकेज में बिहार की आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू हो सकेंगे।

20 हजार रुपये से शुरू पैकेज

पर्यटक समूह के लिए न्यूनतम 15 व्यक्तियों पर पैकेज शुल्क 20 हजार रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है। वहीं इनोवा से यात्रा के लिए न्यूनतम पांच व्यक्तियों पर 20,500 रुपये प्रति व्यक्ति और इटियोस से यात्रा के लिए न्यूनतम तीन व्यक्तियों पर 21,500 रुपये प्रति व्यक्ति शुल्क निर्धारित है।

बोधगया। जहानाबाद स्थित होटल राजगीरह में नाश्ते के बाद पर्यटक बोधगया पहुंचेंगे। यहां विश्व प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर और बोधिवृक्ष के दर्शन के साथ 80 फीट बुद्ध प्रतिमा का भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद विभिन्न बौद्ध मठों, पुरातत्व संग्रहालय और सुजाता गढ़ की सैर होगी। दिनभर बोधगया की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को देखने के बाद होटल महाबोधि में रात्रिभोज और विश्राम की व्यवस्था होगी।

राजगीर में इतिहास और प्रकृति का संगम

दूसरे दिन यात्रा बोधगया से राजगीर की ओर बढ़ेगी। राजगीर पहुंचने के बाद पर्यटकों को विश्व शांति स्तूप और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर घोड़ा कटोरा का भ्रमण कराया जाएगा।

दोपहर के भोजन के बाद वेणुवन, पांडु पोखर, सोन भंडार, बिंबिसार जेल, मणियार मठ, साइक्लोपियन वॉल और गर्म जलस्रोत जैसे प्रमुख स्थलों की सैर होगी। इस दौरान पर्यटक राजगीर के इतिहास, धार्मिक महत्व और प्राकृतिक परिवेश को करीब से जान सकेंगे।

2 अक्टूबर को पटना में रचेगा इतिहास ,मिथिलांचल से सीमांचल तक संवाद का महाअभियान

पटना सम्मान समारोह का बिगुल बजा, जुटेंगे बिहार के दिग्गज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आगामी 2 अक्टूबर को राजधानी पटना में आयोजित होने वाले भव्य राज्यस्तरीय सम्मान समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां पूरी ताकत से जारी हैं। कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप देने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद पूर्वे और राजेश कुमार ने मिथिलांचल से लेकर सीमावर्ती जिलों तक संवाद और निमंत्रण का महाअभियान छेड़ दिया है।

तैयारियों की प्रमुख झलकियांः

बेनीपट्टी में बनी हुंकार रणनीतिः बेनीपट्टी अनुमंडल मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रहलाद पूर्वे विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक में कार्यकताओं के साथ आगामी राज्यस्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और भारी संख्या में भागीदारी दर्ज कराने का संकल्प लिया गया।

पूर्व मंत्री समीर महासेठ से अहम मुलाकातः मधुबनी स्थित आवास पर पूर्व मंत्री समीर महासेठ से शिष्टाचार भेंट कर 2 अक्टूबर के कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा हुई। पूर्व मंत्री ने आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं और मार्गदर्शन दिया।

सीतामढ़ी में दिग्गजों से संवादः सीतामढ़ी दौरे के दौरान प्रहलाद पूर्वे और राजेश कुमार ने प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. वरुण के आवास पर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इसके साथ ही, जिले के नामचीन चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार और उनकी धर्मपत्नी बिहार विधान परिषद सदस्या रेखा कुमारी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर कार्यक्रम पर चर्चा की।

दरभंगा के बंधुओं को मिला न्योताः दरभंगा प्रवास के दौरान आयोजित एक अनौपचारिक बैठक में स्थानीय प्रबुद्धजनों और स्वजातिबंधुओं को पटना के राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में शामिल होने का भावभीना निमंत्रण दिया गया।पटना का यह सम्मान समारोह मिथिलांचल और बिहार के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में एक नया इतिहास रचने को तैयार है !

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर बिहार के मठ मंदिरों में मनेगा दीपोत्सव , होगी विशेष पूजा अर्चना

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आगामी 17 सितंबर को सनातन सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को बिहार के मठ मंदिरों में दीपोत्सव के रूप में धूम धाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद कार्यालय में सभी 38 जिला के मठ मंदिरों के प्रमुखों के साथ एक बैठक आयोजित की गई जिसमें इसकी तैयारी को लेकर रूपरेखा तय की गई। इस अवसर पर राज्य के प्रमुख मठ मंदिर धर्मशाला आदि में दीपोत्सव सतनारायण पूजा हनुमान चालीसा पाठ कबीर वाणी पाठ गरीब बच्चों के बीच पाठ सामग्री का वितरण प्रसाद वितरण सहित आदि सामाजिक कार्य करने के लिए मठ मंदिर प्रमुखों को प्रोत्साहित किया गया। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन ने कहा कि इस बार बिहार में धार्मिक आस्था, जनसेवा और युवा सहभागिता से जोड़कर मनाने की तैयारी है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा और संकल्प दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है। इसके तहत राज्य के मठ-मंदिरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और देश की सुख-समृद्धि की कामना के लिए विशेष पूजा-अर्चना और सामूहिक प्रार्थना की अपील की जायेगी। वहीं युवाओं से इस अवसर पर किसी एक सामाजिक सेवा कार्य को अपनाकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया गया है।

प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि सभी मठ मंदिरों से आग्रह है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन केवल उत्सव तक सीमित न रहे, बल्कि इसे सेवा, साधना और संकल्प का अवसर बनाया जाए। बिहार के मठ-मंदिरों में महामृत्युंजय जाप, सुंदरकांड पाठ, विशेष पूजा अथवा सामूहिक प्रार्थना के माध्यम से प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की जा सकती है। साथ ही मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाए.इस अभियान में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। इसके तहत ह्लएक युवाझएक सेवा संकल्पह्व की भावना के साथ युवाओं से रक्तदान, जरूरतमंदों को भोजन, वृद्धजनों की सहायता, पौधारोपण, मंदिर परिसर की स्वच्छता, गरीब बच्चों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने और अस्पतालों में मरीजों के परिजनों की सहायता जैसे कार्य करने की अपील की गई।

प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को केवल एक दिन के उत्सव के तौर पर देखने के बजाय इसे समाज के लिए कुछ करने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को हम केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और संकल्प के अवसर के रूप में मनाएं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496